4 | रायपुर संभाग
तमोर पिंगला टायगर रिजर्व में गूंजेगी रेस्क्यू किए गए बाघ की...

6 | अभिमत
आर्थिक रणनीति में संशोधन आवश्यक

09 | शिक्षा एवं स्वास्थ्य
नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता और लोगों को नशे से दूर रहने के...

10 | संस्कारधानी
पूर्व सीएमओ के बेटे के नाम पीएम आवास निर्माण

रायपुर, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित

पायनियर

हमेशा सच के साथ

RNI NO. CHHHIN/2016/70655

www.dailypioneer.com रायपुर, शुक्रवार 29 नवम्बर 2024 पृष्ठ-12 वर्ष-09, अंक-98 मूल्य 3.00 ₹

त्वरित न्यूज

जनरल द्विवेदी ने सेना के ऑनलाइन शिक्षण मंच एकलव्य की शुरूआत की

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सेना के लिए ऑनलाइन शिक्षण मंच एकलव्य की शुरूआत की। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह पहल सेना द्वारा खुद को परिवर्तन के दशक में आगे बढ़ाने के साथ-साथ सेना की थीम 2024 को प्रौद्योगिकी अवशोषण के वर्ष के रूप में भी जोड़ती है। एकलव्य सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म को आर्मी वॉर कॉलेज के सहयोग से मुख्यालय सेना प्रशिक्षण कमान के तत्वावधान में विकसित किया गया है। इस प्लेटफॉर्म को भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भू-सूचना विज्ञान संस्थान गांधीनगर के माध्यम से विकसित किया गया है। इस प्लेटफॉर्म को आर्मी डेटा नेटवर्क पर होस्ट किया गया है और इसमें एक स्केलेबल आर्किटेक्चर है। यह मुख्यालय सेना प्रशिक्षण कमान को भारतीय सेना के किसी भी प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों को सहजता से एकीकृत करने में सक्षम बनाता है, जिनमें से प्रत्येक व्यापक श्रेणी के पाठ्यक्रमों की मेजबानी करने में सक्षम है।

SHRI RAWATPURA SARKAR NURSING COLLEGES
RAIPUR, KUMHARI, NAVA RAIPUR, BILASPUR, JAGDALPUR
5 % BASED ADMISSION OPEN
B.Sc NURSING
P.B. B.Sc NURSING
M.Sc NURSING
LAST DATE : 29-11-2024
7222910430/15

प्रियंका संसद में बनेंगी महिलाओं की सशक्त आवाज : खरगे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि गांधी संसद में देश की जनता और खासकर महिलाओं की सशक्त आवाज बनेंगी। खरगे ने कहा मुझे पूरा विश्वास है कि प्रियंका गांधी वाड्रा संसद में देश के लोगों की, ख़ासकर महिलाओं की सशक्त आवाज बनेंगी। उनका कुशल नेतृत्व, करुणा, साहस, शालीनता और दृढ़ संकल्प तथा संविधान के सिद्धांतों के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता देश की जनता को लाभ पहुँचाएगी।

छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक आज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक आज आयोजित की गई है। बैठक का आयोजन नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंत्रालय महानदी भवन में दोपहर 2 बजे से किया गया है। राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में सड़क सुरक्षा परिदृश्य के संबंध में विस्तार से समीक्षा होगी। इनमें समग्र सड़क सुरक्षा परिदृश्य, गत बैठक के विभागवार निर्णय, अनुपालन तथा क्रियान्वयन और सड़क दुर्घटनाओं के कारण, नियंत्रण के उपाय, सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान आदि विषयों पर भी चर्चा होगी।

जनजातीय संस्कृति ने भगवान श्रीराम को अपने हृदय में बसा रखा है : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री ने जनजातीय अस्मिता, अस्तित्व और विकास विषय पर आयोजित संगोष्ठी को किया

पायनियर संवाददाता ⮜ रायपुर
www.dailypioneer.com

जनजातीय समाज का इतिहास धरती पर मनुष्य के पहले पदचाप के साथ जुड़ा हुआ है। जनजातीय संस्कृति ने भगवान श्रीराम को अपने हृदय में बसा रखा है। भगवान राम ने छत्तीसगढ़ में ही वनवास बिताया, यहीं पर उन्होंने माता शबरी के जूठे बेर खाए। जनजातीय अस्मिता का प्रश्न भारत की सनातन परंपरा की अस्मिता से जुड़ा हुआ प्रश्न है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में जनजातीय अस्मिता, अस्तित्व और विकास विषय पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि आज हमें जनजातीय समुदायों की अस्मिता और विरासत के प्रति संवेदनशील प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व मिला है। जनजातीय समुदाय की हमारी बहन द्रौपदी मुर्मु भारत के सर्वोच्च पद पर आसीन हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जनजाति समाज सांस्कृतिक रूप से समृद्ध समाज है। यह समाज कुप्रथाओं का मुखर विरोध करता है। भारत की संस्कृति और देश की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए जनजातीय जननायकों के योगदान को याद करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर पूरे देश में 13 से 15 नवम्बर तक जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। मुख्यमंत्री ने जनजातीय समाज की परंपराओं, संस्कृति रीति-रिवाज, तीज-त्यौहार और शासन द्वारा जनजातीय उत्थान के लिए शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से

जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 13 नवंबर को जशपुर जिले में आयोजित पदयात्रा इतनी सफल रही कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी खुलकर तारीफ की और ऐसे आयोजनों को जनजातीय समाज के विकास और उत्थान में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर हुए राष्ट्रीय आयोजन ने अन्य प्रांतों से आए आदिवासी समुदाय को एक दूसरे की संस्कृति को जानने-समझने का सुंदर अवसर दिया। सीएम साय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल ने अपने कार्यकाल के दौरान सबसे पहले पृथक जनजातीय कल्याण मंत्रालय बनाया और आदिवासियों के विकास के लिए एक मजबूत नींव रखी। उन्होंने कहा कि हम मैदानी और जनजातीय क्षेत्रों में अवसरों की समानता स्थापित करने के लिए अपनी योजनाएं और नीतियां बना रहे हैं ताकि छत्तीसगढ़ के प्रत्येक समुदाय के पास विकास के समान अवसर हों और जनजातीय समाज अपनी प्राकृतिक और भौगोलिक जटिलताओं पर जीत हासिल करते हुए समग्र भारत के विकास की मुख्य धारा में शामिल हो सकें। जब हम जनजातीय समुदायों की अस्मिता की रक्षा करेंगे, उनकी संस्कृति का संरक्षण और संवर्धन करेंगे, उनके इतिहास और उनके नायकों का गौरवगान करेंगे तो निश्चित रूप से मां भारती का यश बढ़ेगा, उसका गौरव गान होगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारत के जनजातीय समुदायों के समग्र विकास के लिए मोदी जी पीएम जनमन योजना और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी योजनाएं चला रहे हैं। ये योजनाएं जनजातीय समुदायों के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए क्रांतिकारी योजनाएं साबित हो रही है। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जैसी अनेक योजनाओं से जनजातीय समुदायों को बड़ा संबल मिला है। पिछले 11 महीने में छत्तीसगढ़ सरकार ने बस्तर अंचल में शांति स्थापित करने के लिए तेजी से अपने कदम बढ़ाए हैं। नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से शासन की योजनाओं को दूरस्थ अंचलों तक पहुंचाने की अनूठी पहल की गई है।

हेमंत सोरेन झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली, चौथी बार बने मुख्यमंत्री

वार्ता ⮜ रांची
www.dailypioneer.com

झारखंड में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री के पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। हेमंत सोरेन राज्य के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली।झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के 49 वर्षीय नेता का मुख्यमंत्री के रूप में यह चौथा कार्यकाल होगा। इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन और उनकी पत्नी रूपी सोरेन, बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी के शिवाकुमार, तमिलनाडू के उप मुख्यमंत्री उदय स्टालिन, मासस के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर, सांसद पप्पू यादव ,संजय सिंह, कल्पना सोरेन विधानसभा के अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो और गौरव चड्ढा के अलावा कई अन्य महत्वपूर्ण नेता मौजूद थे। सोरेन ने झारखंड के सीएम के तौर पर चौथी बार शपथ ली। इसके साथ ही वह झारखंड के राजनीतिक इतिहास में उनके नाम कई रिकॉर्ड दर्ज हो गया। वो राज्य के 24 वर्षों के अब तक के इतिहास में चार बार सीएम पद की शपथ लेने वाले पहले राजनेता बन गए।

उच्चतम न्यायालय ने यासीन मलिक से किया जवाब तलब

वार्ता ⮜ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

उच्चतम न्यायालय ने चार भारतीय वायुसेना कर्मियों की हत्या और 1989 में मुफ्ती मुहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण के मामले से जुड़े गवाहों की जिरह के लिए संबंधित मुकदमा जम्मू से दिल्ली की तिहाड़ जेल में स्थानांतरित करने की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका

पर आरोपी यासीन मलिक से जबाव तलब किया। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। पीठ ने मामले के आरोपी और तिहाड़ जेल में बंद मलिक को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मलिक आतंकवादी गतिविधियों को आर्थिक सहायता देने के लिए तिहाड़ जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ के समक्ष कहा कि मामले में मुकदमा स्थानांतरित करने और सह-आरोपियों को पक्षकार बनाने के लिए आवेदन दायर किए गए हैं।

वक्फ विधेयक पर संयुक्त समिति को रिपोर्ट के लिये बजट सत्र तक मिला समय

एजेंसी ⮜ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर बनी संयुक्त समिति को रिपोर्ट देने की समयावधि बढ़ाने संबंधी प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया, इसके तहत समिति अब आगामी बजट सत्र तक रिपोर्ट दे सकेगी। समिति के अध्यक्ष

जगदम्बिका पाल ने समिति को रिपोर्ट प्रस्तुत करने की समयावधि बजट सत्र, 2025 के अंतिम दिन तक बढ़ाने का प्रस्ताव सदन में रखा, जिसे सदस्यों ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस पर पीठासीन अधिकारी कृष्ण प्रसाद तेन्नटी ने प्रस्ताव पारित होने की घोषणा कर दी। गौरतलब है कि विपक्षी सदस्यों ने इस विधेयक पर चर्चा करने के लिये और समय देने की लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिलकर मांग की थी।

छत्तीसगढ़ में पर्यटन विकास के लिए केंद्र सरकार से मिली बड़ी सौगात, 147.66 करोड़ रूपए की मिली स्वीकृति

पायनियर संवाददाता ⮜ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रयासों से छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड को केंद्र सरकार से एक बड़ी उपलब्धि प्राप्त हुई है। केंद्र सरकार ने स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट 2024-25 के तहत राज्य की दो महत्वपूर्ण पर्यटन परियोजनाओं के लिए 147.66 करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की है। इसके अंतर्गत 95.79 करोड़ रूपए की लागत से माना तूता रायपुर में चित्रोत्पला फिल्म सिटी का निर्माण तथा 51.87 करोड़ रूपए की लागत से माना तूता रायपुर में जनजातीय और सांस्कृतिक कन्वेंशन सेंटर का निर्माण शामिल है। छत्तीसगढ़ में इन परियोजनाओं के शुरू होने से राज्य में पर्यटन ढांचे को मजबूत करने और स्थानीय संस्कृति को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने में मदद मिलेगी। ये योजनाएं रोजगार सृजन, विकास और छत्तीसगढ़ को पर्यटन के वैश्विक मानचित्र में स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से 15 अक्टूबर 2024 को नई दिल्ली में मुलाकात कर छत्तीसगढ़ की पर्यटन गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट योजना के तहत राजधानी रायपुर में फिल्म सिटी, कन्वेंशन सेंटर, वेलनेस रिसॉर्ट और नेचर सिटी के लिए लगभग 300 करोड़ रुपये के प्रस्ताव प्रस्तुत किए थे जिसके परिप्रेक्ष में फिल्म सिटी और कन्वेंशन सेंटर निर्माण के लिए केंद्र सरकार से 147.66 करोड़ रूपए की स्वीकृति प्राप्त हुई है। पर्यटन मंत्रालय,भारत सरकार के इस ठोस कदम से छत्तीसगढ़ में फिल्म मेकिंग और फिल्म टूरिज्म के लिए फिल्म सिटी निर्माण के माध्यम से अपार संभावनाओं के द्वार खुल गए हैं।

विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने रायपुर दक्षिण विधान सभा के नव-निर्वाचित विधायक सुनील कुमार सोनी को दिलाई शपथ

पायनियर संवाददाता ⮜ रायपुर
www.dailypioneer.com

विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक-51 रायपुर दक्षिण से नव-निर्वाचित विधायक सुनील कुमार सोनी को विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने विधान सभा परिसर स्थित नवीन समिति कक्ष में विधान सभा सदस्य की शपथ दिलाई। विधायक सुनील कुमार

सोनी ने ईश्वर के नाम पर हिन्दी में शपथ-ग्रहण की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, मंत्रीगण, सांसद, विधायकगण, विधान सभा सचिव दिनेश शर्मा एवं रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के विशिष्टजन एवं पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित थे। शपथ-ग्रहण के पश्चात् विधान सभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उपस्थित मंत्रियों एवं विधान सभा सचिव दिनेश शर्मा ने विधायक सुनील कुमार सोनी को पुष्प-गुच्छ भेंट कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

भारत एक प्रमुख रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित हो रहा

बदलते परिदृश्य में हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहे सेना : मुर्मु

एजेंसी ⮜ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि तेजी से बदलती भू-राजनीतिक स्थिति में सेनाओं को किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने की जरूरत है। मुर्मु ने तमिलनाडु के वेलिंगटन स्थित रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज के छात्र अधिकारियों और शिक्षकों को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि देश विकास के पथ पर आगे बढ रहा है और दुनिया रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में हमारे विकास को स्वीकार कर रही है। भारत भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के उद्देश्य से सशस्त्र बलों को तैयार रखने के लिए

स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एक प्रमुख रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है और एक विश्वसनीय रक्षा भागीदार और बड़ा रक्षा निर्यातक बनने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रपति ने कहा कि तेजी से बदलते भू-राजनीतिक माहौल में हमें किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमें न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखना है बल्कि साइबर युद्ध और आतंकवाद जैसी नई राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना है। जलवायु परिवर्तन का मुद्दा नए आयाम हासिल कर रहा है जिसे समझने और प्रबंधित करने की जरूरत है। गहन शोध पर आधारित अद्यतन ज्ञान और अत्याधुनिक तकनीकों को लागू करने की जरूरत है। मुर्मु ने कहा कि रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज ने भारत और मित्र देशों के सशस्त्र बलों के अधिकारियों और नागरिक अधिकारियों को प्रशिक्षित करने तथा शिक्षित करने में सराहनीय योगदान दिया है। पिछले सात दशकों में इसने मध्यम स्तर के अधिकारियों को पेशेवर रूप से तैयार करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों का सभी सम्मान करते हैं। सशस्त्र बल देश की सीमाओं और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने में सबसे आगे हैं। राष्ट्रीय हितों की निरंतर रक्षा करने के लिए राष्ट्र को रक्षा बलों पर गर्व है। मुर्मु ने कहा कि यह अच्छी बात है कि महिला अधिकारी अब तीनों सेनाओं में विभिन्न इकाइयों की कमान संभाल रही हैं। उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती ताकत और भूमिका सभी के लिए, विशेषकर युवा लड़कियों के लिए उत्साहजनक और प्रेरणादायक है। उन्होंने सशस्त्र बलों में अधिक से अधिक महिलाओं के शामिल होने की उम्मीद जताई, जहां वे असाधारण क्षमताओं का प्रदर्शन कर सकेंगी और अज्ञात क्षेत्रों में नई जमीन हासिल कर सकेंगी।

Shri Balaji Group of Hospitals & Colleges
श्री बालाजी
NABH ACCREDITED
मेडिकल कॉलेज एवं सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल
1500 बिस्तरों का एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं 150 सीटो का मेडिकल कॉलेज
अब मात्र ₹ 100/-
के पंजीयन - शुल्क पर साल भर पाए
निःशुल्क ओ.पी.डी
सारे जाँच प्रचिलित मार्केट दरो से आधी कीमत (50%) पर
गंभीर से गंभीर बीमारियों का आयुष्मान कार्ड से इलाज
ICU भर्ती व सारे ऑपरेशन आयुष्मान कार्ड से
निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन*
गर्भवती महिलाओं के लिए
निः शुल्क डिलीवरी* (नॉर्मल एवं सिजेरियन)
ESIC एवं समस्त TPA (हेल्थ इंश्योरेंस) से इलाज एवं ऑपरेशन की सुविधा
मोवा, रायपुर, फोन : 9340019842, 7389116903, 9926191294, 0771-4241000/01/02

आंगनवाड़ी केंद्र के लिए दस किमी का पैदल सफर, नियमित नहीं खुलता केंद्र

पायनियर संवाददाता ➤ कवर्धा
www.dailypioneer.com

प्रारंभिक बचपन, मानव विकास का एक महत्वपूर्ण चरण है, जिसमें बच्चों के लिए पर्याप्त सहायता, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा की आवश्यकता होती है। पहले पाँच वर्षों के दौरान, बच्चे तेजी से विकास करते हैं, संज्ञानात्मक विकास के लिए आवश्यक तंत्रिका मार्ग बनाते हैं। यह अवधि उनके शारीरिक स्वास्थ्य को भी आकार देती है, जो पोषण और पर्यावरण जैसे कारकों से प्रभावित होती है। हालाँकि, बच्चे नकारात्मक प्रभावों के प्रति संवेदनशील होते हैं, खासकर वंचित पृष्ठभूमि के बच्चे। इसके लिए आंगनवाड़ी शुरू किया, जिसका उद्देश्य बाल और मातृ देखभाल प्रदान करना और भूख और कुपोषण से लड़ना था। वर्तमान में, कबीरधाम जिले में लगभग सत्रह सौ आंगनवाड़ी केंद्र संचालित हैं लेकिन विभागीय अधिकारियों की गैर जिम्मेदार रवैया के चलते समय पर केंद्र नहीं खुलते । कुछ जगहों पर तो कार्यकर्ता मुख्यालय में निवास करने के बजाए अन्य गांवों से आना जाना करते है।

दस किलोमीटर दूर पैदल चलकर केंद्र खोलती हैं कार्यकर्ता

कबीरधाम जिले के एकीकृत बाल विकास परियोजना तरेगांव जंगल के अधीनस्थ आंगनवाड़ी केंद्र कुरलूपानी के कार्यकर्ता अपने मुख्यालय में निवास करने के बजाए पांच किलोमीटर दूर बोदा में निवास करती हैं। रास्ता भी जंगल का है और आवागमन के लिए सड़क नहीं है। बरसात के दिनों में नदी नाले में बाढ़ भी आ जाता है । जिसके चलते आंगनवाड़ी केंद्र समय पर नहीं खुलता है। पांच किलोमीटर दूर आना और पांच किलोमीटर जाना मतलब प्रतिदिन दस किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता हैं । ऐसे स्थिति में नियमित आंगनवाड़ी केंद्र खुल पाना संभव नहीं है।

बच्चो के अधिकार का हो रहा हैं हनन

आंगनवाड़ी केंद्र में प्री नर्सरी शिक्षा ग्रहण करने वाले बच्चों को साल में 300 दिन भोजन देने प्रावधान हैं । जिसमें बच्चो के लिए अलग अलग दिन के लिए अलग अलग मीनू तैयार किया गया है और प्रतिदिन अलग अलग नाश्ता और भोजन दिए जाने का प्रावधान है लेकिन कुरलूपानी के आंगनवाड़ी केंद्र ही नियमित रूप से नहीं खुलता है तो बच्चो को भोजन के अधिकार से वंचित होना पड़ता हैं। कुरलूपानी वन ग्राम बीहड़ वनांचल क्षेत्र में आता है । जहां मूलभूत सुविधाओं का आभाव बना हुआ है।

जिम्मेदार झांकने तक नहीं जाते

आंगनवाड़ी केंद्र नियमित रूप से संचालित करने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका की नियुक्ति किया जाता हैं। उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यो का मूल्यांकन सत्यापन और निरीक्षण करने के लिए सेक्टर पर्यवेक्षक, परियोजना अधिकारी के अलावा अन्य सक्षम अधिकारी होते हैं। कुरलूपानी के आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण करने के लिए दस किलोमीटर का सफर तय करना पड़ा है। ऐसे स्थिति में कोई भी जिम्मेदार वहां जाना पसंद नहीं करते । जिसका भरपूर लाभ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उठा रही है । मिली जानकारी अनुसार मासिक बैठक में पंजियों को मांगकर निरीक्षण टिप लिख दिया जाता है।

कुरलूपानी आंगनवाड़ी केंद्र में सहायिका नहीं

मिली जानकारी अनुसार कुरलूपानी आंगनवाड़ी केंद्र में सहायिका की नियुक्ति अबतक नहीं हुई है। सारी कार्य कार्यकर्ता को ही करना पड़ता हैं । ऐसे स्थिति में बच्चों बुलाकर और उन्हें भोजन करा के छोड़ दिया जाता है । उन्हें अन्य ज्ञान देने के समय का आभाव हो जाता हैं । इसकी जानकारी विभाग के अधिकारी और उनसे जुड़े सभी कर्मचारियों को भी है लेकिन किसी ने बच्चो के हित और उनके मौलिक अधिकार के बारे में सुध नहीं ले रहे हैं।

पोषण आहार में फर्जी अकड़ा की संभावना

आंगनवाड़ी केंद्र संचालन और वहां पर होने वाले सभी गतिविधियों का आनलाइन मॉनिटरिंग किया जाता हैं लेकिन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता खुद नियमित रूप से केंद्र का संचालन नहीं कर सकते तो वहां संचालित गतिविधियां कैसे नियमित होगा । उक्त केंद्र में मोबाइल नेटवर्क का भी समस्या बनी रहती हैं। जिससे साफ साबित होता हैं कि सारी आंकड़े फर्जी तरीके से अपलोड किया जाता होगा । जो जांच का विषय है ।

सड़क हादसे में तीन लोगों की दर्दनाक मौत परिजनों ने टोल प्लाजा के शव रखकर किया प्रदर्शन

पायनियर संवाददाता ➤ सरायपाली
www.dailypioneer.com

बीती रात एक भीषण सड़क हादसे में 3 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। सरायपाली नगर से लगभग 6 कि,मी, की दूरी पर स्थित नेशनल हाईवे पर छुईपाली टोल नाका के पास तीन बाइक सवार युवकों को तेज रफतार पिकअप वाहन ने कुचल दिया, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर तीनों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की तैयारी में जुट गई । जानकारी के मुताबिक, तीनों युवक बसना थाना अंतर्गत गांव के रहने वाले थे. तीनों एक ही बाईक पर सवार थे और पिकअप वाहन को ओवर टेक कर आगे निकल रहे थे. इसी दौरान पिकअप वाहन अनियंत्रित हो गई और बाइक पर सवार तीनों युवक इसकी चपेट में आ गए. फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है. तीन युवकों की मौत मामले में परिजनों का प्रदर्शन, नेशनल हाईवे छुईपाली टोल प्लाजा के पास सड़क पर शव रखकर किया प्रदर्शन, नेशनल हाईवे 53 छुइपाली टोल प्लाजा के पास चक्का जाम किया गया। बीते देर रात तीन बाइक सवार युवक को तेजरफतार पिकअप वाहन ने कुचला था, मौके पर तीनों की मौत हुई थी, मृतकों के परिजनों को मुआवजा व न्याय की मांग को लेकर अंचलवासी कर रहे प्रदर्शन मृतकों में से 2 गिधली गांव के निवासी 1 बानीपाली गांव का निवासी,जो कि बसना थाना क्षेत्र की घटना रही।

शासकीय आत्मानंद स्कूल में बालिकाओं द्वारा महिलाओं का लिंग आधार पर होने वाली हिंसा पर आधारित किया गया नुक्कड़ नाटक

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार तथा महिला एवं बाल विकास के जिला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू के मार्गदर्शन में शा. आत्मानंद स्कूल सूरजपुर में 16 नवंबर से 10 दिसंबर तक '' मानव अधिकार दिवस'' विश्व भर में 16 दिवसीय सक्रियता अभियान के रूप में लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं द्वारा महिलाओं का लिंग आधार पर होने वालीं हिंसा पर आधारित नुक्कड़ नाटक किया गया।

गोयल ग्रुप नें सरस्वती शिशु मंदिर भानुप्रतापपुर को प्रदान की टेबल एवं बेंच

पायनियर संवाददाता ➤ भानुप्रतापपुर
www.dailypioneer.com

अपने सामाजिक सरोकारों को लेकर सदैव की अग्रणी रहने वाले गोयल ग्रुप के द्वारा गुरुवार एक बार फिर अपने सामाजिक सरोकारों में सहभागिता निभाते हुए भानुप्रतापपुर अनुविभाग में स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र-छात्राओं के अध्ययन के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था के लिए विद्यालय प्रबंधन को टेबल और बेंच प्रदान किया गया। ताकि बच्चों को पढ़ाई के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था का सामना न करना पड़े। गोयल ग्रुप के वरिष्ठ प्रबंधक लायजन रवि तिवारी ने बताया मैं खुद सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में अध्ययन किया हूं। मुझे स्कूल का समय याद आ गया। मैंने देखा बच्चे स्कूल भवन में प्रवेश करने के पहले प्रणाम कर रहे थे। कई विद्यालय शिक्षा तो देते है। पर सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षा के साथ संस्कार देती है। गोयल ग्रुप सदैव ही सामाजिक सरोकारों के निर्वाहन अग्रणी भूमिका निभाता रहा है भानुप्रतापपुर क्षेत्र में उनके संस्थान द्वारा कई तरह के जनसरोकार से जुड़े कार्य लगातार कई वर्षों से किए जा रहे हैं तथा आगे भी गोयल ग्रुप सामाजिक सरोकारों में अपनी सहभागिता निभाता रहेगा।

परशुरामपुर गांव में मिट्टी परीक्षण की हुई पहल

पायनियर संवाददाता ➤ सूरजपुर
www.dailypioneer.com

परशुरामपुर गांव में आत्मनिर्भर महिला स्व-सहायता समूह अटल एसएचजी के सहयोग से मिट्टी परीक्षण की एक नई पहल की शुरुआत हुई है। इस समूह में 15 सदस्य हैं, जिनकी अध्यक्षता आशा सिंह कर रही हैं। ओएनजीसी की सीएसआर पहल के तहत, आईएसडीजी रिसर्च फाउंडेशन ने मिट्टी परीक्षण किट उपलब्ध कराया है, जो इस क्षेत्र के किसानों को अपनी मिट्टी की गुणवत्ता को समझने और उचित कृषि पद्धतियों को अपनाने में मदद करेगी। मिट्टी परीक्षण से पता चला कि परशुरामपुर की मिट्टी का पीएच स्तर अत्यधिक अम्लीय है, जिससे संतुलित करने के लिए प्रति एकड़ 120 किलोग्राम चूना (लाइम) की आवश्यकता है। इसके अलावा, मिट्टी में प्रमुख पोषक तत्वों जैसे नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटेशियम (एनपीके) की कमी पाई गई है। इसके लिए अनुशंसित उर्वरक मात्रा से 25 प्रतिशत अधिक उर्वरक डालने की सिफारिश की गई है, ताकि इन पोषक तत्वों की कमी को दूर किया जा सके। मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों की भी कमी है, जिसे संतुलित करने के लिए बड़ी मात्रा में जैविक खाद्य का उपयोग करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही जिंक, बोरॉन, आयरन, और कॉपर जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी भी पाई गई है, जिनकी भरपाई के लिए उचित मात्रा में सूक्ष्म पोषक तत्वों को मिट्टी में मिलाने की आवश्यकता होगी।

सहकारी समिति मचांदुर में प्राधिकृत अधिकारी फलेंद्र सिंह राजपूत ने पदभार ग्रहण किया

पायनियर संवाददाता ➤ उतई
www.dailypioneer.com

सेवा सहकारी समिति मचांदुर पंजीयन क्रमांक 3317 में नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी फलेंद्र सिंह राजपूत के पदभार ग्रहण समारोह का आयोजन समिति मचांदुर प्रांगण में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष उतई फत्तेलाल वर्मा, विशिष्ट अतिथि मचांदुर सरपंच दिलीप साहू, उपसरपंच गजेंद्र कुमार साहू, भाजयुमों अध्यक्ष प्रवीण यदु, भाजयुमों महामंत्री करण सेन, भाजयुमों महामंत्री डिलेश साहू, भाजयुमों उपाध्यक्ष शुभम वर्मा सहित अन्य अतिथि शामिल हुए। इस दौरान मुख्य अतिथि फत्तेलाल वर्मा ने कहा कि भाजपा ने चुनाव पूर्व घोषणा के अनुसार धान की खरीदी की जा रही है। राज्य की भाजपा सरकार किसानों की हितैषी सरकार है। नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी को बधाई देते हुए सहकारिता के मूल उद्देश्य सब मिलजुलकर कार्य करने एक आदर्श सोसायटी के रूप में कार्य किए जाने की बात कही। नवनियुक्त प्राधिकारी फलेंद्र सिंह राजपूत,ने कहा कि आप सभी के सहयोग से शासन के दिशा निर्देश का पालन करते हुए किसानों की समस्या का समाधान करने का प्रयास करूँगा। साथ मे वरिष्ठ नेताओं सांसद विजय बघेल,दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर,जिला अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा,मंडल अध्यक्ष फत्तेलाल वर्मा का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन खुमेश यदु व आभार प्रदर्शन सहायक प्रबंधक अश्वनी साहू ने किया।

विद्यालय में प्रवेश करते ही इस स्कूल के बच्चे स्कूल को करते हैं प्रणाम, उद्योग मंत्री ने भी किया था तारीफ

पायनियर संवाददाता ➤ भानुप्रतापपुर
www.dailypioneer.com

देश को सुसंस्कृत व सुसंपन्न बनाने के लिए शिक्षा की महती आवश्यकता है, परंतु शिक्षा के साथ संस्कार भी हो तो वह देश ज्ञान संपन्न होकर विश्व का सिरमौर बन सकता है। इसलिए बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार देना भी अति आवश्यक है। बच्चों का नैतिक, शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक विकास हो, इसके लिए शिक्षकों को भी अध्ययन और अध्यात्म के प्रति समर्पित होते हुए शिक्षा में संस्कारों को सम्मिलित कर नए भारत के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए।

बच्चों को शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार देना भी जरूरी - आजकल अगर बच्चों पर ध्यान न दिया जाए तो वह अपने संस्कार व विरासत को भूल जाते हैं। मां-बाप जब अपने बच्चों पर ध्यान नहीं दे पाते हैं तो बच्चों का ध्यान नशे व गलत कामों की तरफ चला जाता है। संस्कार अगर दूर हो तो वह समाज में गलत काम को बढ़ावा देते हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए भानुप्रतापपुर के सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में हर रोज बच्चों को शिक्षा के साथ नैतिक संस्कार दिए जाते हैं ताकि उन्हें सही गलत के बीच अंतर, अपनी जिदंगी में कैसे आगे बढ़ा जाए आदि की शिक्षा मिल सके बच्चे कोई मुकाम हासिल कर सकें। इस स्कूल में प्राचार्य एवं स्कूल प्रबंधअध्यक्ष व्यवस्थापक समिति के सदस्यों की ओर से सभी बच्चों को भगवान मां-बाप और सनातन धर्म के बारे में सिखाया पढ़ाया जाता है। बच्चे अब सीख रहे हैं और स्कूल के प्रवेश द्वार में जैसे ही पहुंचते हैं स्कूल को प्रणाम करते दिखते हैं।

चार दिवसीय तृतीय सोपान प्रशिक्षण व जांच शिविर का हुआ आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ सरायपाली
www.dailypioneer.com

विकासखंड स्तरीय स्काउट्स एवं गाइड्स द्वितीय/ तृतीय सोपान प्रशिक्षण एवं जांच शिविर का (चार दिवसीय) आयोजन शासकीय शाला परिसर केदुवा में सफलतापूर्वक किया गया। जिसमें समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि सरला कोसरिया, सदस्य छत्तीसगढ राज्य महिला आयोग एवं स्थानीय संघ संरक्षक, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स , अध्यक्षता ओमप्रकाश चौधरी अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि जयंती जयलाल पटेल ज.पं.सदस्य एवं सभापति, माधोदास चौधरी ज.पं. सदस्य एवं सभापति, जिला उपाध्यक्ष जय पवार,जिला सचिव प्रमोद कन्नौजे, कुशवंती पटेल सरपंच केदुवा,अजय अग्रवाल उपाध्यक्ष ,डॉ आशीष दास मंडल उपाध्यक्ष भाजपा, धर्मेन्द्र ठाकुर (आजीवन सदस्य), ठाकुराम बरिहा सरपंच कोसमपाली, बृजमोहन चौधरी महामंत्री भाजपा मंडल केदुवा,नेपाल साहू अध्यक्ष प्रा.कृ.सा.स.समिति रिसेकेला, प्रमोद पटेल अध्यक्ष एसएमडीसी, राजेन्द्र पटेल केदुवा, अशोक अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, हेतराम पटेल केदुवा, रविप्रसाद पटेल केदुवा, प्रताप डडसेना पलसापाली, कोमल नायक, राजेश पटेल बिजातीपाली, दिनेश घाड़गे रोवर लीडर आदि के साथ विशेष रूप से बीईओ एवं सहा. जिला आयुक्त (स्का.) प्रकाशचंद्र मांझी,एबीईओ एवं मुख्यालय आयुक्त डी.एन. दीवान, बीआरसीसी सतीश स्वरुप पटेल एवं प्रभारी प्राचार्य अरुण भोई, सीएसी घनश्याम दास,प्र.प्रधान पाठक रेखा पाण्डेय, प्र.पा.आशाराम पटेल की गौरवमई उपस्थिति रही। अतिथियों का स्वागत रोवर लीडर सुरेन्द्र प्रधान एवं रोवर्स द्वारा कलर पार्टी के साथ पारंपरिक रूप से किया गया एवं अतिथियों का स्कार्फ लगाकर स्वागत किया गया। गाइड्स द्वारा स्वागत गीत तबला, हारमोनियम की मधुर संगीत के साथ प्राचार्य सी.एल.पुहुप एवं स्काउटर अजय आर्य के नेतृत्व में सुंदर ढंग से गायन किया गया तथा विभिन्न वेशभूषा में स्काउट गाइड दल ने सामुहिक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। शिविर प्रतिवेदन शिविर संचालक यशवन्त कुमार चौधरी ने प्रस्तुत करते हुए बताया कि 196 स्काउट,131 गाइड, 26 प्रभारी टीचर्स, सेवादाता 25 रोवर/ रेंजर, संचालक मंडल 24,अन्य व्यवस्था प्रभारी/सहयोगी 48 कूल 450 की एक बड़ी टीम ने टीम भावना के साथ शिविर में सफलतापूर्वक हिस्सा लिया।

बाल विवाह रोकथाम के विभिन्न पहलुओं पर की गई चर्चा

सूरजपुर जिले में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत कार्यशाला का हुआ आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ सूरजपुर
www.dailypioneer.com

केंद्र सरकार द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अभियान के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, देवनगर में बाल विवाह और बाल संरक्षण के विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को बाल विवाह की हानियों और बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यूनिसेफ से राज्य बाल संरक्षण विशेषज्ञ चेतना देसाई और राज्य सलाहकार अभिषेक त्रिपाठी थे। इनके मार्गदर्शन में बाल संरक्षण, शिक्षा, और बाल विवाह रोकथाम के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। यूनिसेफ़ से राज्य बाल संरक्षण विशेषज्ञ चेतना देसाई ने छात्रों को नारी शक्ति का महत्व बताते हुए कहा कि एक नारी देश की राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री बन सकती है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि नारी सक्षम और समर्थ है। उन्होंने सावित्री बाई फुले के उदाहरण से बच्चों को प्रेरित करते हुए बताया कि शिक्षा के लिए संघर्ष करना कितना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई न केवल बच्चों के जीवन को सशक्त बनाती है, बल्कि बाल विवाह और बाल श्रम जैसी सामाजिक बुराइयों से बचने का मार्ग भी प्रदान करती है। देसाई जी ने शाला त्यागी बच्चों को पुनः शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। यूनिसेफ के राज्य सलाहकार अभिषेक त्रिपाठी ने बच्चों को बाल विवाह के दुष्प्रभावों और उनके रोकथाम के लिए शिक्षा के महत्व पर बल दिया। उन्होंने बताया कि यदि बालिकाएं 12वीं कक्षा तक अपनी शिक्षा पूर्ण करती हैं, तो 6: बाल विवाह की दर को कम किया जा सकता है। उन्होंने बाल विवाह के कारण होने वाले शारीरिक और मानसिक प्रभावों पर प्रकाश डाला और हेल्पलाइन नंबर जैसे 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), और 112 (आपातकालीन हेल्पलाइन) की जानकारी साझा की। जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल ने बच्चों को बाल एक सामाजिक कुरीति ही नहीं बल्कि अपराध है बाल विवाह होने पर दूल्हा और उसके घर वाले बाराती घराती विवाह में शामिल होने वाले, विवाह को संपन्न कराने वाले, सहयोग करने वाले, अनुमति देने वाले सभी के ऊपर अपराध कायम होता है बाल विवाह हो जाने पर दो वर्ष के सजा एवं एक लाख जुर्माना का प्रावधान है।जायसवाल ने बाल संरक्षण से संबंधित कानूनों और पॉक्सो अधिनियम के बारे में जागरूक किया। उन्होंने गुड टच और बैड टच की पहचान, और सुरक्षा के तीन उपाय - नो (विरोध करना), गो (घटना स्थल से भागना), और टेल (विश्वसनीय व्यक्ति को बताना) - की जानकारी दी। उन्होंने चुप्पी तोड़ो गतिविधि के माध्यम से बच्चों को किसी भी गलत घटना के बारे में खुलकर बोलने के लिए प्रेरित किया। यूनिसेफ के जिला समन्वयक प्रथमेश मानेकर ने बाल विवाह मुक्त सूरजपुर अभियान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत में बाल विवाह की दरें चिंताजनक हैं, और एनएफएचएस-5 के अनुसार सूरजपुर जिले में यह दर 34.4 है, जो छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक है। इसे समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। मानेकर जी ने छात्रों से अपील की कि वे बाल विवाह रोकथाम के एंबेसडर बनें और समाज में जागरूकता फैलाएं।

इस कार्यक्रम में यूनिसेफ से राज्य बाल संरक्षण विशेषज्ञ चेतना देसाई, राज्य सलाहकार अभिषेक त्रिपाठी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल, यूनिसेफ के जिला समन्वयकप्रथमेश मानेकर, चाइल्ड हेल्पलाइन से परामर्शदाता शीतल सिंह, शिक्षकपवन धीवर, शासकीय उच्चतर माध्यमिकन विद्यालय, देवनगर के प्राचार्य, सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

गुंडाधूर महाविद्यालय कोंडागांव एथेलेटिक्स सेक्टर प्रतियोगिता में रहे उपविजेता

कोंडागांव। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय जगदलपुर के अंतर्गत आने वाले समस्त शासकीय महाविद्यालयों के मध्य उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित एथेलेटिक्स सेक्टर प्रतियोगिता में शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोण्डागांव ने 3 स्वर्ण 4 रजत और 2 कास्य मेडल के साथ ओवरऑल उपविजेता ट्राफी पर कब्जा किया। इस प्रतियोगिता में प्रेमराज मरकाम एम ए ने 400 मीटर में प्रथम, 800 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान, सोनू मरकाम एम ए ने 1500 मीटर मे प्रथम, 5000 मीटर में तृतीय स्थान, ताम्रध्वज नरेटी बीए. द्वितीय वर्ष ने 5000 मीटर मे द्वितीय स्थान, सनमति नेताम बी ए द्वितीय ने 800 मीटर में प्रथम, 200 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान, रमशिला मरकाम बी ए द्वितीय ने लम्बी कूद में द्वितीय स्थान एवम दशाय मरकाम एमए ने ऊंची कूद में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान में आने वाले समस्त प्रतिभागियों का चयन छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए हुआ है। विजेता छात्र छात्राएं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बस्तर सेक्टर का प्रतिनिधित्व करेंगे।

क्वारी प्रोजेक्ट की पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए किरन्दुल में हुई जनसुनवाई

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

ऑर्डिनरी स्टोन क्वारी प्रोजेक्ट की पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु गुरुवार सुबह 11 बजे एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के फुटबॉल ग्राउंड परिसर में जनसुनवाई आयोजित की गई।ऑर्डिनरी स्टोन क्वारी प्रोजेक्ट की पर्यावरणीय लोक सुनवाई में दंतेवाड़ा जिले के डिप्टी कलेक्टर के साथ साथ कई आला अधिकारी भी उपस्थित रहे।विदित हो कि मेसर्स किरंदुल ऑर्डिनरी स्टोन क्वारी प्रोजेक्ट,मेसर्स वर्मा कंस्ट्रक्शन एण्ड ट्रांसपोर्ट ऑर्डिनरी स्टोन क्वारी, मेसर्स केए पापाचन आर्डिनरी स्टोन क्वारी एवं मेसर्स जोविंस पापाचन आर्डिनरी स्टान क्वारी प्रोजेक्ट ग्राम-किरंदुल,तहसील-बड़े बचेली जिला-दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा छत्तीसगढ़ की पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु संयुक्त लोक सुनवाई आयोजित की गई थी।उल्लेखनीय है कि मेसर्स किरंदुल ऑर्डिनरी स्टोन क्यारी प्रोजेक्ट प्रो अब्दुल वाहीद सिद्धिकी खसरा क्रमांक 46,कुल क्षेत्रफल - 3.379 हेक्टेयर में ऑर्डिनरी स्टोन उत्खनन क्षमता - 71,843.75 टन प्रतिवर्ष एवं मेसर्स वर्मा कंस्ट्रक्शन एण्ड ट्रांसपोर्ट ऑर्डिनरी स्टोन क्वारी प्रो त्रिवेणी व खसरा क्रमांक 61, कुल क्षेत्रफल - 2.22 हेक्टेयर में ऑर्डिनरी स्टोन उत्खनन क्षमता 20.826 टन प्रतिवर्ष तथा मेसर्स के ए पापाचन आर्डिनरी स्टोन क्वारी प्रो. केए पापाचन खसरा क्रमांक 61 कुल क्षेत्रफल 3 हेक्टेयर में ऑर्डिनरी स्टोन उत्खनन क्षमता 13.061.10 टन प्रतिवर्ष एवं 4 मेसर्स केए पापाचन आर्डिनरी स्टोन क्वारी प्रो. के. ए. पाप्पच्चन , खसरा क्रमांक 61. कुल क्षेत्रफल- 2 हेक्टेयर में ऑर्डिनरी स्टोन उत्खनन क्षमता 50.331 टन प्रतिवन एवं मेसर्स जोविस पापाचन आर्डिनरी स्टोन क्वारी प्रोजेक्ट प्रो. जोविंस पापाचन , खसरा क्रमांक 61 कुल क्षेत्रफल- 2.23 हेक्टेयर में ऑर्डिनरी स्टोन उत्खनन क्षमता 39,174 टन प्रतिवर्ष, ग्राम-किरंदुल तहसील-बड़े बचेली, जिला-दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.) की पर्यावरणीय स्वीकृति के लिये छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल में लोक सुनवाई हेतु आवेदन किया गया था।

बीएसएफ 11वीं वाहिनी सीओबी दण्डकवन द्वारा खो-खो प्रतियोगिता आयोजित

पायनियर संवाददाता ➤ नारायणपुर
www.dailypioneer.com

11 वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल द्वारा सीओबी दण्डकवन में अंतर क्षेत्रीय (सीमांत स्तर) खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सीमा सुरक्षा बल के क्षेत्रीय मुख्यालय रायपुर व क्षेत्रीय मुख्यालय दुर्ग की टीमों ने प्रतिभाग किया। जिसका फाइनल मुकाबला बलवंत सिंह, उप महानिरीक्षक (रसद), सीमांत मुख्यालय (विशेष संक्रिय) रायपुर की अध्यक्षता में क्षेत्रीय मुख्यालय सी.सु.बल रायपुर की टीम 'ए' व टीम 'बी' के मध्य खेला गया जिसमें टीम ए विजय हुई। इस प्रतियोगिता की मुख्य बात यह थी कि इसमें हिस्सा लेने वाली टीमों में बीएसएफ के खिलाड़ियों के साथ साथ स्थानीय युवा खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया था। प्रत्येक टीम का चयन 50 प्रतिशत स्थानीय युवा खिलाड़ियों के साथ किया गया था। इस दौरान बलवंत सिंह, उप महानिरीक्षक (रसद), सीमांत मुख्यालय (विशेष संक्रिय) रायपुर द्वारा विजय टीम को ट्राफी व सभी खिलाड़ियों को मेडल प्रदान किये गये एंव उन्होंने बताया की खो-खो भारत की पारंपरिक संस्कृति का एक प्राचीन खेल है जोकि हजारों सालों से किसी न किसी रूप में अस्तित्व में रहा है। यह जुझारू परिस्थितियों में खेला जाता है। इस खेल में गति, सटीकता, बुद्धिमता और चपलता की आवश्यकता होती है। इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली टीमों में बीएसएफ के खिलाड़ियों के साथ साथ स्थानीय युवा खिलाड़ियों ने भी प्रतिभाग किया है एंव पूरे खेल के दौरान स्थानीय युवाओं का कौशल देखने लायक एंव सराहनीय था, सभी ने आपसी तालमेल के साथ अपनी अपनी टीम के लिए पूरा जोर लगाया। इस प्रतियोगिता को आयोजित करने का मुख्य उदेश्य यही था कि स्थानीय युवाओं और बीएसएफ सैनिकों के बीच बेहतर सौहार्द विकसित किया जा सके। इस दौरान बीएसएफ के अधिकारी मोहम्मद इसराइल कमांडेंट (आप.) क्षेत्रीय मुख्यालय रायपुर, अनिल कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी 162 वाहिनी, प्रदीप कुमार मिश्रा, डिप्टी कमांडेंट 11 वाहिनी, दोर्जे भूटिया, सहा समादेष्टा, नजदीकी गांव के पटेल एंव ग्रामीण भी मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक क्रीड़ा मंडल के तत्वाधान में सुनील सोनी नाईट का हुआ भव्य आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक क्रीड़ा मंडल किरंदुल के तत्वाधान में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम मोर छईया भुईया,झन भुलौ मां बाप ला,हंडा जैसे छालीवुड के सुपर डुपर फिल्मों के मशहूर गायक एवं संगीतकार सुनील सोनी नाइट का भव्य आयोजन बीआईओ विद्यालय किरंदुल के प्रांगण में बुधवार रात्रि किया गया।इस छत्तीसगढ़ी सुरमयी आयोजन में लौह नगरी के श्रोतागण आनन्दित होकर झूमने को विवश हो उठे।

विदित हो कि लोक गायक सुनील सोनी छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध गायक हैं।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के महाप्रबंधक उत्पादन राजा कुमार,महाप्रबंधक खनन संजय कोचर, श्रमिक संघ संयुक्त खदान मजदूर संघ के सचिव राजेश संधू , मेटल माइंस वर्कर्स यूनियन (इंटक) के कार्यालय सचिव राजेंद्र यादव,आर्सेलर मित्तल निप्पन स्टील इंडिया लिमिटेड किरंदुल के महाप्रबंधक राघवेल्लू , उप महाप्रबंधक सीएसआर डॉ. तेजप्रकाश ने छत्तीसगढ़ महतारी एवं माता सरस्वती के तेल चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। संस्था के अध्यक्ष लोकनाथ चुरेन्द्र, छत्तीसगढ़ सांस्कृतिक क्रीड़ा मंडल एवं सचिव पी एल साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सुरमई सांस्कृतिक संध्या सुनील सोनी स्टार नाईट का आयोजन किया गया है।कार्यक्रम को सफल बनाने में छत्तीसगढ़ सांस्कृतिक क्रीड़ा मंडल किरंदुल के बी एल तारम,पतिराम बघेल, कल्याण सिंह रावते,प्रकाश साहू, डागेन्द्र वर्मा, घनश्याम वर्मा,प्रकाश साहू,राजेन्द्र सक्सेना एवम अन्य लोग उपस्थित थे।

मां की हत्या के मामले में आरोपी को आजीवन कारावास और अर्थदंड की सजा

भानुप्रतापपुर। अपर सत्र न्यायाधीश भानुप्रतापपुर ने अपनी ही मां की हत्या करने के मामले में एक आरोपी को आजीवन कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। घटना सिकसोड थानांतर्गत ग्राम आमाकोट की है। 26 दिसंबर 2019 की रात्रि साढ़े 8 बजे आरोपी बालसिंह नूरुटी अपने खेत कोठार के पुराने लाड़ी में जोर-जोर से चिल्ला रहा था व गाली गलोच कर रहा था जिसे उसकी माँ जुगतीन बाई चिल्लाने और गाली ग़लोच करने से मना कर रही थी। माँ के मना करने पर आरोपी द्वारा गुस्से में आकर मुझे बार बार मना करती है कहकर पास में पड़े बांस के डंडे से अपनी माँ को मारने लगा जिससे उसकी माँ चिल्लाने लगी। आरोपी का छोटा भाई बलदेव नूरुटी बीच बचाओ के लिए आया तो उसको भी डंडा से मारपीट कियाऔर गुस्से में आकर माँ जुगतीन बाई के सिर चेहरे एवं सीना में डंडे से मारपीट कर चोट पहुँचा कर उसकी हत्या कर दिया। थाना सिकसोड में धारा 302, 325 आईपीसी के तहत एफ़आईआर दर्ज किया गया मामले की विवेचना निरीक्षक अमित पदमसाली द्वारा किया गया। दिनांक 26 जून 2020 को सत्र न्यायाधीश के न्यायालय में उपर्पित किया गया। जहां विचारण के दौरान आये साक्ष्य के आधार पर आरोपी को उक्त दंड से दंडित किया गया ।

एएमएनएस कंपनी द्वारा बद्रीनाथ महिला समिति को प्रदान की गई साउंड सिस्टम

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

किरंदुल स्थित आर्सेलर मित्तल निप्पन स्टील इंडिया कंपनी द्वारा सीएसआर के तहत धरमपुर कैम्प स्थित बद्रीनाथ महिला समिति को साउंड सिस्टम प्रदान किया गया।बता दें समिति द्वारा समय समय पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता हैं जिसके लिए समिति के सदस्यों ने एएमएनएस कम्पनी से साउंड सिस्टम उपलब्ध कराने की मांग की गई थी तथा गुरुवार एएमएनएस कंपनी द्वारा समिति को एम्प्लीफायर,02 माइक सेट प्रदान किया गया।मौके पर सीएसआर प्रमुख डॉ तेजप्रकाश एवं समिति के सदस्य उपस्थित थे।

पुलिस का मानवीय चेहरा आया सामने, पुलिस ने गरीब परिवार की मदद कर पेश की मिसाल

कोंडागांव। जिले में सामुदायिक पुलिसिंग के तहत एक मानवीय पहल की मिसाल देखने को मिली। पुलिस अधीक्षक वाय अक्षय कुमार के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में सिटी कोतवाली कोंडागांव पुलिस ने एक गरीब परिवार की सहायता की। जानकारी के अनुसार, बम्हनी गांव के सोनू नामक व्यक्ति की जिला अस्पताल कोण्डागांव में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। सोनू का परिवार अत्यंत गरीब था और अंतिम संस्कार के लिए साधन जुटाने में असमर्थ था। पुलिस ने इस कठिन समय में परिवार को सहयोग देते हुए कफन-दफन की व्यवस्था की। सिटी कोतवाली पुलिस ने नगर पालिका के सहयोग से नारंगी नदी के मुक्ति धाम में सोनू का अंतिम संस्कार करवाया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेंद्र पटेल ने इसे सामुदायिक पुलिसिंग का हिस्सा बताते हुए आम जनता से अपील की कि वे भी ऐसे नेक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और जरूरतमंदों की मदद करें।

कोंडागांव डीएवी स्कूल का गौरव - नमन साहू का टेबल टेनिस नेशनल खेल में हुआ चयन

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कोंडागांव डीएवी पब्लिक स्कूल के होनहार छात्र नमन साहू ने टेबल टेनिस में राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहराते हुए स्कूल और जिले का नाम रोशन किया है। कक्षा 6वीं के छात्र नमन साहू, जिनके पिता विजयंत कुमार साहू हैं ने अंडर-14 टेबल टेनिस प्रतियोगिता में क्लस्टर स्तर पर कोंडागांव का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। क्लस्टर स्तरीय प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करने के बाद, नमन साहू ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में बिलासपुर में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में भी उन्होंने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। इस शानदार प्रदर्शन के बाद नमन साहू का चयन राष्ट्रीय स्तर की टेबल टेनिस प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता दिल्ली में आयोजित की जाएगी।

नमन साहू की इस उपलब्धि पर कोंडागांव विधायक लता उसेंडी ने उन्हें बधाई दी है। विधायक ने नमन साहू की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि, वह इस तरह के युवा प्रतिभाओं पर गर्व महसूस करती हैं। उन्होंने नमन साहू को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देश का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दी हैं। डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य और समस्त स्टाफ ने भी नमन साहू की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने नमन साहू को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, यह स्कूल के लिए गौरव का विषय हैं। कोंडागांव के लिए यह एक गौरवपूर्ण क्षण है।

बीएसएफ 11 वीं वाहिनी द्वारा स्थानीय युवाओं का बैंगलुरू भ्रमण

पायनियर संवाददाता ➤ नारायणपुर
www.dailypioneer.com

कांकेर एंव नारायणपुर जिलों के दूर दराज गांवो के स्थानिय छात्रों को 16वीं ट्राइबल यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम 2024-25 के तहत 11वीं वाहिनी बीएसएफ व नेहरू युवा केंद्र संगठन के सहयोग से 10 छात्रायें व 10 छात्रों को कर्नाटक राज्य के बेंगलुरू शहर तथा उसके आस पास के क्षेत्रों में भ्रमण के लिए भेजा। यह भ्रमण दिनांक 1 दिसंबर 24 से 7 दिसंबर 24 तक किया जायेगा। इस दौरान छात्रों को अन्य राज्य के छात्रों के साथ वार्तालाप करने एंव सांस्कृतिक व शिक्षा के वारे मे जानकारी हासिल करने का मौका मिलेगा। इस दौरान हरिंदरपाल सिंह सोही, उप महानिरीक्षक, सेक्टर हेडक्वार्टर, रायपुर महोदय ने बताया है कि इस तरह के प्रोग्राम सीमा सुरक्षा बल द्वारा प्रत्येक बर्ष चलाये जाते हैं इसी श्रृंखला में आज 20 छात्रों एंव छात्राओं के एक ग्रुप को बैंगलुरू भ्रमण पर भेजा जा रहा है। इस तरह के अवसरों का लाभ आगे भी क्षेत्र के युवाओं को मिलता रहेगा आगे भी क्षेत्र के अन्य छात्रों को भ्रमण के लिए भेजा जायेगा। इस मौके पर बीएसएफ के अन्य अधिकारी प्रदीप कुमार मिश्रा, डिप्टी कमांडेंट, कार्यवाहक समादेष्टा 11 वाहिनी, चंदन कुमार, डिप्टी कमांडेंट, निरीक्षक एबीसन फ्रैंको, निरीक्षक अनिल चौधरी एंव जवान भी उपस्थित रहे।

भानुप्रतापपुर का सबसे पुराना और नगर का दूसरा मंदिर है

भानुप्रतापपुर में भी श्रीराम जी के भव्य मंदिर का हो रहा निर्माण

पायनियर संवाददाता ➤ भानुप्रतापपुर
www.dailypioneer.com

अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर की अनोखी छठा हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। राम भक्त अयोध्या नगरी में जाने को उत्साहित दिखते हैं। प्रभु राम के दर्शन करने के लिए लोग अयोध्या जा रहे हैं। वहीं देश में भगवान राम के कई भव्य मंदिर हैं हम आपको भानुप्रतापपुर नगर में स्थित राम जानकी हनुमान मंदिर के बारे में बता रहे हैं। वर्षों पहले बने इस राम जानकी हनुमान मंदिर का इन दिनों जीर्णोद्धार कर भव्य तरीके से निर्माण किया जा रहा है जो आकर्षण है। भगवान राम का मंदिर अभी निर्माणाधीन है लेकिन इसकी भव्यता देखते ही बन रही है।

बताया जाता है यह भानुप्रतापपुर का सबसे पुराना और नगर का दूसरा मंदिर है। इस मंदिर में हनुमान जी,भगवान राम के साथ माता सीता, लक्ष्मण जी, मां सरस्वती, शनिदेव और देवो के देव महादेव जी की स्थापना है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर पूजा अर्चना करते हैं और अपनी मन्नतें मांगते हैं।

क्षेत्रों के लोगों का मिल रहा जन सहयोग – भव्य तरीके से मंदिर का निर्माण किया जा रहा है जो इस इलाके के लिए अद्वैत है। करीब 2500 वर्ग फीट में हो रहा इस मंदिर के निर्माण कार्य में अब तक 70 प्रतिशत कार्य हो चुके हैं। खर्च की बात करें तो अब तक 25 लाख हो चूका है। मंदिर समिति की मानें तो इस मंदिर की भव्य तरीके से निर्माण कार्य किया जा रहा है इसे पूरा करने में करीब 45 से 50 लाख रुपए खर्च होंगे।ॉमालूम हो कि यह भानुप्रतापपुर अंचल का एक ऐसा अद्वैत राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। जहां बड़ी संख्या में लोग यहां रामनवमी के दिन शामिल होकर अपना योगदान देकर शामिल होते हैं। जिसमें भानुप्रतापपुर पंचायत के 15 वार्डों तथा जनपद पंचायत के 51 ग्राम पंचायत समेत आसपास के जनपद पंचायत समेत अन्य जिले के श्रद्धालुओं आते हैं। मंदिर के निर्माण कार्य कर रहे समिति सदस्य चंद्र मौली मिश्रा ने बताया कि अभी इस मंदिर का निर्माण कर रहे हैं। मंदिर का निर्माण कार्य होने के बाद यह मंदिर पूरे इलाके के लिए अद्वैत सावित होगा। यह इतना भव्य तरीके से बनाया जा रहा है कि ऐसा मंदिर पूरे बस्तर में भी राम जी के मंदिर नहीं होगी।

अयोध्या के राम मंदिर की भव्यता गुलाबी चमक है, इस मंदिर में भी होगी गुलाबी स्टोन

बताया जाता है की अयोध्या में स्थित भगवान श्री राम के मंदिर में बलुआ पत्थर लगाया गया है। इस पत्थर ने राम मंदिर को गुलाबी रंग देकर इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा दिया है जिसकी लगातार चर्चा होती है।राम जानकी हनुमान मंदिर समिति के सदस्य दीपक गजेंद्र ने बताया अयोध्या में स्थित भगवान राम मंदिर के तर्ज पर ही इस मंदिर का जिर्णोद्धार किया जा रहा है। मंदिर के सामने हिस्सा पर उसी तरह के पत्थर का आर्डर दिया गया है। जिसे लगाया जाएगा जिससे यह मंदिर भी गुलाबी रंग का होगा जो आकर्षण का केंद्र बनेगा। गजेंद्र ने बताया इस मंदिर के लिए ग्रेनाइट भी राजस्थान से लाया गया है जो मंदिर में लगाया जाएगा।

इलेक्ट्रॉनिक तौल से धान बेचना हुआ और आसान

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

जिले में धान खरीदी कार्य में तेजी आ रही है, धान खरीदी केन्द्र सोनाबाल में धान बेचने पहुंचे किसान सुधरू कोर्राम ने बताया कि, खरीदी केंद्र में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध है। जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ रहा है। वहीं इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन से वजन की सही जानकारी मिली रही है। सुधरू कोर्राम जैसे कई किसानों के लिए इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन उपयोग सही वजन साथ किसानों को उनके उत्पादन का उचित मूल्य मिल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय प्रदेश के अन्नदाताओं के कल्याण और उनके उत्तरोत्तर प्रगति के लिए निरंतर प्रयासरत है। राज्य सरकार के मंशानुरूप धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता लाने के लिए कई सुविधाएं प्रदान की गई है। साथ ही जिला प्रशासन द्वारा खरीदी कार्य के दौरान कड़ी निगरानी रखी जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

तमोर पिंगला टायगर रिजर्व में गूंजेगी रेस्क्यू किए गए बाघ की दहाड़

बारनवापारा वनक्षेत्र से रेस्क्यू बाघ को वन विभाग ने तमोर पिंगला टायगर रिजर्व में छोड़ा

पायनियर संवाददाता ➤ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

कसडोल नगर के पारस नगर सेक्टर से रेस्क्यू किए गए नर बाघ की दहाड़ अब गुरू घासीदास-तमोर पिंगला टायगर रिजर्व में गूंजेगी। वन विभाग के अधिकारियों द्वारा रेस्क्यू किए गए इस बाघ को सुरक्षित तरीके से गुरूघासीदास-तमोर पिंगला टायगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में छोड़ दिया गया। गुरू घासीदास तमोर पिंगला छत्तीसगढ़ का नया टायगर रिजर्व है। उल्लेखनीय है कि बलौदाबाजार वनमंडल के कसडोल तहसील में बीते 8 माह से बारनवापारा वन क्षेत्र में विचरण कर रहे एक नर बाघ के कसडोल तहसील के ग्राम कोट पहुंच जाने की सूचना वन विभाग को मिली थी। वन विभाग का अमला आवश्यक रेस्क्यू सामग्री तथा वन्यप्राणी चिकित्सा अधिकारियों सहित मौके पर तत्काल पहुंचकर कसडोल नगर के पारस नगर सेक्टर से उक्त बाघ को रेस्क्यू किया था। प्रधान मुख्य वन संरक्षक

(वन्यप्राणी) के निर्देश पर उक्त नर बाघ को नवगठित गुरू घासीदास-तमोर पिंगला टायगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया गया। इस अवसर पर मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) एवं क्षेत्र संचालक उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व रायपुर, वन संरक्षक (वन्यप्राणी) क्षेत्र संचालक, एलीफेंट रिजर्व सरगुजा, संचालक गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान बैकुण्ठपुर, उप निदेशक एलीफेंट रिजर्व सरगुजा, कानन पेंडारी-जू के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. पी. के चंदन, गुरु घासीदास तमोर पिंगला टायगर रिजर्व के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजीत पाण्डेय, सहायक संचालक गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान बैकुण्ठपुर, अधीक्षक तमोर पिंगला अभ्यारण्य, अधीक्षक सेमरसोत अभ्यारण्य, क्षेत्रीय अधिकारी-कर्मचारी एवं छत्तीसगढ़ राज्य वन्यजीव बोर्ड के सदस्य गौरव निहलानी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि वन विभाग के अधिकारियों द्वारा रेस्क्यू किए गए बाघ को आज सुरक्षित तरीके से गुरूघासीदास-तमोर पिंगला टायगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में बाघों के संरक्षण और संवर्धन के लिए ही भारत सरकार की ओर से 'गुरू घासीदास-तमोर पिंगला टायगर रिजर्व' के रूप में एक नया टायगर रिजर्व घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि टायगर रिजर्व देश का 56वां टायगर रिजर्व है। छत्तीसगढ़ सरकार ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की सलाह पर छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया, सूरजपुर और बलरामपुर जिलों में गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व को अधिसूचित किया। कुल 2829.38 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस बाघ अभयारण्य में 2049.2 वर्ग किलोमीटर का कोर/क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट शामिल है, जिसमें गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान और तमोर पिंगला वन्यजीव अभयारण्य शामिल हैं। आंध्र प्रदेश के नागार्जुनसागर-श्रीशैलम टाइगर रिजर्व और असम के मानस टाइगर रिजर्व के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है।

अवैध रुप से शराब बिक्री कर रहा आरोपी पुलिस गिरफ्त में

पायनियर संवाददाता ➤ धमतरी
www.dailypioneer.com

धमतरी पुलिस चौकी बिरेझर को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम में एक व्यक्ति अपने घर के सामने अवैध रूप से शराब बिक्री कर रहा है। सूचना के आधार पर चौकी बिरेझर द्वारा शराब रेड कार्यवाही कर आरोपी रितुराज टण्डन उम्र 19 वर्ष निवासी अंवरी के कब्जे से थैले के अंदर 15 पौवा देशी मशाला शराब कीमत 1650 रूपये एवं बिक्री रकम 230 रुपये कुल रकम 1880 रूपये को जब्त कर आरोपी के विरूद्ध चौकी बिरेझर थाना कुरूद में धारा 34-1 आबकारी एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही किया गया है। सम्पूर्ण कार्यवाही में चौकी बिरेझर से प्रआर सोहन ध्रुव, आर जितेंद्र चंद्राकर, सैनिक गोवर्धन लहरे सहित बिरेझर पुलिस का विशेष योगदान रहा।

पी.एम.श्री चनाट मे मनाया गया संविधान दिवस

पायनियर संवाददाता ➤ भंवरपुर
www.dailypioneer.com

पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला चनाट मे संविधान दिवस मनाया गया। उक्त दिवस को शाला के बरामदे मे सभी बच्चे एकत्रित होकर डॉ भीमराम अम्बेडकर के तैलचित्र मे पुष्प, गुलाल, माल्यार्पण कर दीप जलाया गया। तत्पश्चात संविधान के निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए संवैधानिक अधिकारों के बारे मे प्रधान पाठक नीलाम्बर नायक ने बच्चों को जानकारी दी। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हम प्रतिवर्ष संविधान दिवस मनाते आ रहे हैं, आगे भी इस तिथि को हम एकत्रित होकर संविधान दिवस मनाएंगे,बच्चों सहित उपस्थित संस्था के सभी सदस्य सामूहिक रूप से संविधान की प्रस्तावना वाचन कर शपथ ली। राष्ट्र गान के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ।

बारदाना की व्यवस्था को लेकर एसडीएम ने की मिलर्स के साथ बैठक

मिलर्स संचालकों ने किया विरोध

पायनियर संवाददाता ➤ सरायपाली
www.dailypioneer.com

राईस मिलर एसोसिएशन के साथ एसडीएम की बैठक एसडीएम कार्यालय में हुई। जिसमें एसडीएम ने सभी मिलर्स बारदाना जमा करने हेतु दबाव बनाया व कहा कि बारदाना की व्यवस्था करना हमारी जिम्मेदारी है धान खरीदी प्रभावित न हो इसलिए हम बारदाना जमा नहीं होने पर कारवाई करेंगे। इस आदेश पर उपस्थित मिलर्स ने कहा कि हम अपनी अनेक मांगों को लेकर असहयोग आंदोलन में है, इसलिए बारदाना जमा नहीं कर रहे

हैं। यह निर्णय जिला व प्रदेश एसोसिएशन का है। तब एसडीएम ने बारदाना जमा करने की बात कही, मिलर्स ने कहा अगर जब्त करना प्रशासन का है तो हम विरोध के साथ जब्ती बनवाएगे। साथ ही एसडीएम से कहा कि जब्त बारदाना जिनको भी सुपुर्द करते है वे देख भाल कर बारदाना लें जाएं बाद में खराब बारदाना है बोल कर वापसी नहीं होना चाहिए जिस पर सहमति बनी। मिलर्स ने अपनी मांगों से एसडीएम को अवगत कराया एसडीएम ने कहा कि आपकी मांग शासन तक पहुंच रही है। एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने बताया कि मिलर्स सदैव शासन का सहयोग करते रहे हैं मगर इस बार भुगतान नहीं मिलने के साथ प्रोत्साहन राशि कम कर 120 से 60 रुपए कर दिया गया है जिसके विरोध के साथ हमारी मांग है कि परिवहन में वास्तविक भाड़ा दिया जाना चाहिए, मिलर्स का काम एफआरके का ब्लेंडिंग करना है मगर मिलर्स को एफआरके भुगतान सालों नहीं मिलता, बारदाना में मनमानी कटौती की जाती है लेने की दर अलग, देने की अलग-अलग, भुगतान परिवहन का 2021 से की वर्षों का लम्बित, चांवल जमा हेतु जगह का अभाव से समय पर जमा नहीं लेने से धान की गुणवत्ता प्रभावित होती है छत्तीसगढ़ में एक क्विंटल धान में चांवल की क्षणती 67 प्रतिशत नहीं होती, मगर 67 प्रतिशत के हिसाब से चांवल देना पड़ता है। इसलिए प्रोत्साहन राशि की मांग दिये जाने की मांग हमारी जायज है।

रबी फसलों के उन्नत बीजों का सहकारी समितियों में पर्याप्त भण्डारण

पायनियर संवाददाता ➤ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार जिले की सहकारी समितियों एवं कृषि विभाग के विकासखण्ड कार्यालयों में रबी वर्ष 2024-25 हेतु गेहूँ, रागी, चना, मटर, मसूर, सरसों एवं मूंगफली के बीजों का पर्याप्त भण्डारण किया गया है। किसानों का आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार का प्रयास निरंतर जारी है। इसी कड़ी में रबी मौसम में धान के बदले अन्य फसलों के उत्पादन के लिए किसानों को प्रेरित किया जा रहा है। रबी फसलों के बीज सहकारी समितियों एवं कृषि विभाग के माध्यम से वितरित किया जा रहा है। किसान भाई अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, सहकारी समितियों, कृषि विभाग एवं जिला

स्तर पर उप संचालक कृषि कार्यालय में सम्पर्क कर सकते है। रबी फसलों में धान के बदले अन्य फसल बोने से लाभ रबी मौसम में धान के बदले अन्य फसल बोने से किसानों को अनेक लाभ जैसे खेती की लागत में कमी, मजदूरों की कम आवश्यकता, कम पानी में अधिक रकबे की सिंचाई, रबी फसलों में कीट बिमारी का कम लगना, दलहन एवं तिलहन फसलों से अच्छी आमदनी प्राप्त होना तथा रबी मौसम में उगाये गये धान का मूल्य कम मिलने की संभावनाओं को देखते हुए किसान भाई इसका लाभ ले सकते है। विभागीय योजनाओं की मैदानी अमलों/ सहकारी समितियों के माध्यम से / ग्राम पंचायतों में कोटवारों के माध्यम से मुनादी कराकर कृषकों को योजनाओं पर रियायती दर पर बीज उपलब्ध कराने हेतु प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। वर्तमान में जिले की अधिनस्थ सहकारी समितियों / कृषि विभाग में गेहूँ 1497.90 क्विंटल, चना 174.24 क्विंटल, मटर 27.20 क्विंटल, मसूर 5.2 क्विंटल, सरसो 41.84 किंवटल एवं मूंगफली 81.40 क्विंटल बीज उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त नवीन बीज प्रक्रिया केन्द्र, छेरकापुर (पलारी) में भी विभिन्न फसलों के बीज विक्रय हेतु उपलब्ध है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमि. रायपुर द्वारा रबी वर्ष 2024-25 में अनाज, दलहन एवं तिलहन आधार एवं प्रमाणित बीजों की विक्रय दर निर्धारित किया गया है। रबी 2024-25 कृषकों को विक्रय हेतु निर्धारित प्रति क्विंटल दर (रू.) गेहूँ ऊंची समस्त किस्मे 3910,गेहूँ बौनी 10 वर्ष के अंदर 3670 एवं 10 वर्ष के बाहर 3870, चना 10 वर्ष के अंदर 8665, 10 वर्ष के बाहर 9085, मटर समस्त किस्मे 9550, मसूर समस्त किस्मे 10900, मूंग समस्त किस्मे 11500, उड़द समस्त किस्मे 12500, तिवड़ा समस्त किस्मे 6120, सरसो समस्त किस्मे 7770, अलसी समस्त किस्मे 9765, कुसुम समस्त किस्में 8760, मूंगफली समस्त किस्मे 10796 रूपये निर्धारित है। आधार बीजों की विक्रय दरें प्रमाणित बीजों की विक्रय दरों से 100/- रू. प्रति किंव. अधिक होगी। कलेक्टर दीपक सोनी ने जिले के किसानों को रबी फसलों हेतु शून्य प्रतिशत ब्याज पर सहकारी समितियों के माध्यम से ऋण वितरण हेतु नोडल अधिकारी,जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, बलौदाबाजार को निर्देशित किया गया है। जिससे किसान भाईयों रबी फसलों हेतु बीज एवं खाद का उठाव सहकारी समितियों से ऋण के माध्यम से कर सकते हैं। उप संचालक कृषि दीपक कुमार नायक के द्वारा जिले के किसान भाईयों से अपील किया गया है कि रबी फसलों के बीजों का उठाव सहकारी समितियों से शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण के माध्यम से करें एवं बीज निगम के माध्यम से उत्पादन कार्यक्रम में पंजीयन कराकर अधिक दर पर बीज निगम में ही अनाज, दलहन एवं तिलहन फसलों का विक्रय कर अधिक आय अर्जित कर सकते है।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर एकलव्य साहू ने किया खेती किसानी का रूख

सफलता की कहानी

पायनियर संवाददाता ➤ धमतरी
www.dailypioneer.com

आजकल जहां युवा पीढ़ी पढ़-लिखकर विभिन्न नौकरियों की ओर अग्रसर हो रही है, वहीं जिले के मगरलोड विकासखण्ड स्थित ग्राम दुधवारा के युवा एकलव्य साहू ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर खेती-किसानी की ओर रूख किया। शिक्षित होने के साथ-साथ उन्हें खेती-किसानी की तकनीकी जानकारी हासिल करने में दिलचस्पी रही। यही वजह थी कि एकलव्य ने अपने खेतों में कम लागत और कम पानी के साथ ही अधिक उपज प्राप्त होने वाली मसाला क्षेत्र विस्तार के तहत मिर्ची की फसल ली। ग्राम दुधवारा के युवा किसान एकलव्य साहू बताते हैं कि वे वर्ष 2017.18 में इंजीनियरिंग पास कर खेती-किसानी करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने उद्यानिकी विभाग से सम्पर्क किया। एकलव्य बताते हैं कि उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन से उन्हें राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत ड्रिप सिंचाई, पैक हाउस, बीज पैक योजना इत्यादि की जानकारी मिल और इसके लिए मिलने वाले अनुदान के बारे में भी पता चला। अनुदान का लाभ लेकर एकलव्य अपने 12 एकड़ क्षेत्र में मिर्च की फसल लेना शुरू कर दिए। वे बताते हैं कि उन्हें मिर्ची की खेती से प्रति एकड़ 100 से 110 क्विंटल उपज प्राप्त होती है और प्रति एकड़ दो लाख रूपये की शुद्ध आमदनी हासिल कर रहे हैं। एकलव्य कहते हैं कि वैसे तो उनके द्वारा तैयार मिर्ची जिले में ही हाथों-हाथ बिक जाती हैं, किन्तु वे अन्य जिलों में भी मिर्ची को बिक्री के लिए भेजते हैं। शासन की योजनाओं के तहत मिले अनुदान और उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन के लिए एकलव्य शासन-प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित कर रहे हैं।

सरायपाली व तोरेसिंहा में सवा लाख क्विंटल धान की खरीदी

पायनियर संवाददाता ➤ सरायपाली
www.dailypioneer.com

शासन के द्वारा विभिन्न धान खरीदी केंद्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू हो गई है। पिछले सात दिनों के खरीदी के आंकड़ों को देखा जाये तो अभी तक सरायपाली एवं तोरेसिंहा शाखा अंतर्गत खरीदी केन्द्रों में कुल 1 लाख 24 हजार 647 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। वहीं इन सबके बीच अभी तक कई खेतों की धान कटाई भी पूरी नहीं पाई है, जिसके कारण खरीदी केन्द्रों में धान की विकासखण्ड में 26 समितियों के माध्यम से 33 केंद्रों में धान खरीदी हो रही है। अभी प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी हो रही है। पहले 7 दिनों के धान खरीदी के आंकड़ों पर नजर डालें तो जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा सरायपाली अंतर्गत अमरकोट

धान का उठाव अब तक नहीं

में 2151.20 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। वहीं जम्हारी में 625.60, आंवलाचक्का में 8.0, बहेरापाली में 4.40, नवरंगपुर में 4253.60, बाराडोली में 1926.40, बोंदा में 3422.40, केदुवां में 1947.60, नवागढ़ में 4867.20, सरायपाली में 7603.20, कनकेवा में 3492, केन्दुढार में 41.60, भोथलडीह में 2987.60, लिमगांव में 1364.80, पुटका में 2776, लांती में 2841.60, चिवराकुटा में 3274, सिंगबहाल में 4651.60, सागरपाली में 4073.60, रूढ़ा में 2784.80, तिहारीपाली में 2355.20 एवं मल्दामाल में 5408 क्विंटल कुल 63366.80 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। इसी तरह जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा तोरेसिंहा अंतर्गत केना उपार्जन केन्द्र में 4356 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। वहीं बलौदा में 3330.40, तोषगांव में 3172.80, केजुवां मे 5643.20, तोरेसिंहा में 8203.20, सेमलिया में 6380, टेमरी में 4335.20, जोगनीपाली में 10770.40, जंगलबेड़ा में 4337.60, बेलमुण्डी में 6865.60 एवं सिरबोड़ा में 3885.60 क्विंटल, कुल 61280 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। अभी तक इन सभी केन्द्रों से धान का उठाव शुरू नहीं हुआ है।

प्राक्कयन परीक्षा 01 दिसम्बर को रायपुर में

पायनियर संवाददाता ➤ धमतरी
www.dailypioneer.com

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कराने हेतु पात्र अभ्यर्थियों की प्राक्कयन परीक्षा आगामी 01 दिसम्बर, दिन रविवार को दोपहर 12 से 2 बजे तक राजधानी रायपुर में आयोजित किया जाएगा। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि रोल नंबर 20240001 से 20240350 तक परीक्षा केन्द्र प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय, पहाड़ी चौक, तिलक नगर, गुढ़ियारी, रोल नंबर 20240351 से 20240700 तक लक्ष्मी नारायण कन्या विद्यालय, कालीबाड़ी रायपुर में, रोल नंबर 20240701 से 20241100 तक प्रयास बालक आवासीय विद्यालय, सडडू उरकुरा मार्ग, रायपुर, रोल नंबर 20241101 से 20241450 तक छत्तीसगढ़ पब्लिक स्कूल, हीरापुर, टाटीबंध रायपुर और रोल नंबर 20241451 से 20241600 तक विवेकानंद विद्यापीठ, कोटा.गुढ़ियारी रोड रायपुर तथा रोल नंबर 20241601 से 20241650 तक परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, आजाद हॉस्टल के सामने, पुराना आयुक्त कार्यालय, पं रविशंकर विश्वविद्यालय परिसर रायपुर को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। सहायक आयुक्त ने बताया कि प्राक्कयन परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के प्रथम प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन एवं द्वितीय प्रश्न पत्र एप्टिट्यूड टेस्ट सीएसईटी हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम को शामिल कर तैयार किए गए एक प्रश्नपत्र के माध्यम से आयोजित की जाएगी। उन्होंने धमतरी जिले से सम्मिलित सभी अभ्यर्थियों से कहा कि वे विभागीय वेबसाईट से परीक्षा केन्द्र, रोल नंबर की जानकारी के साथ फोटोयुक्त प्रवेश पत्र डाउनलोड कर निर्धारित समय के एक घंटे पूर्व परीक्षा केन्द्र में उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

कुल 438 पदों पर भर्ती के लिए प्लेसमेंट कैम्प आज

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र धमतरी में

पायनियर संवाददाता ➤ धमतरी
www.dailypioneer.com

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र धमतरी द्वारा कुल 438 पदों पर भर्ती के लिए आज प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। सुबह 11 से शाम 4 बजे तक कम्पोजिट भवन स्थित जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र में आयोजित इस प्लेसमेंट कैम्प में निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा फायरमेन, सिक्योरिटी गार्ड, ड्राइवर, होम केयर टेकर, फील्ड सुपरवाईजर, मेडिकल ऑफिसर, फिजियोथेरेपी, डेंटिस्ट, नर्सिंग स्टॉफ, इलेक्ट्रिशियन, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फार्मासिस्ट, कॉर्पोरेट मैनेजर इत्यादि पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार लिया जाएगा। उप संचालक, जिला रोजगार एवं स्व रोजगार मार्गदर्शन केन्द्र ने बताया कि साक्षात्कार प्रक्रिया में दसवीं, बारहवीं, स्नातक, बीएससी नर्सिंग और डिप्लोमा इन फायर सेफ्टी आदि शैक्षणिक योग्यताधारी आवेदक शामिल हो सकते हैं। प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित होने के लिए आवेदक को शैक्षणिक, तकनीकी योग्यता प्रमाण पत्र, निवास, जाति, रोजगार कार्यालय का पंजीयन प्रमाण पत्र और दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ नियत समय पर उपस्थित होने कहा गया है।

संयुक्त टीम ने छापामार कार्यवाही कर पीडीएस चावल, महुआ धान किया जब्त

पायनियर संवाददाता ➤ सरायपाली
www.dailypioneer.com

नगर सीमा से लगे ग्राम बालसी में अनुविभागीय अधिकारी आईएएस नम्रता चौबे के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। राजस्व, खाद्य विभाग और मंडी की संयुक्त टीम ने छापामार कार्रवाई करते हुए राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की टीम ने संयुक्त अभियान चलाया। जांच के दौरान भंडारण स्थल पर टीम को बिना वैध दस्तावेजों के बड़ी मात्रा में धान, महुआ और पीडीएस चावल मिला। इसे तत्काल जब्त कर लिया गया और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई। एसडीएम चौबे ने बताया कि सरकार की खाद्य सुरक्षा योजना के तहत मिलने वाले पीडीएस चावल का दुरुपयोग गंभीर अपराध है। इस मामले में संबंधित लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन लगातार ऐसे मामलों पर नजर रखे हुए है और अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। 137 बोरी धान, 60 बोरी महुआ और 25 बोरी सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का चावल जब्त किया। टीम को जानकारी मिली थी कि बालसी गांव में कुछ लोग बड़े पैमाने पर धान और अन्य सामग्री का अवैध भंडारण कर रहे हैं। इस पर एसडीएम के निर्देश पर

अज्ञात वाहन की लापरवाही पूर्वक जोरदार ठोकर से बाइक सवार सहित पैदल चल रहे दो व्यक्ति घायल, कसडोल थाना जांच में जुटी

पायनियर संवाददाता ➤ लवन
www.dailypioneer.com

कसडोल थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत दर्रा में पुराना नाका के पास दर्रा निवासी तीन लोगों को अज्ञात चार पहिया वाहन ने लापरवाही पूर्वक जोरदार ठोकर मार दिये, जिससे तीनों लोगों में एक को सिर पर गंभीर चोटें आई तो दो दूसरे अधेड़ उम्र के व्यक्ति के हाथ का ऊपरी हिस्से का हड्डी में गंभीर फ्रेक्चर है वहीं तीसरे युवक को मामूली चोटें आई है।आपको बताते चले कि अधेड़ उम्र के व्यक्ति एवं मामूली चोटें लगी हुई व्यक्ति पुराना नाका के पास खड़ा थे ,उसी समय पैसन प्रो स्प्लेंडर ब्लैक रेड गाड़ी नम्बर सीजी22आर 8082 को गंभीर रूप से घायल

युवक पुराना नाका के पास सड़क किनारे खड़ा करके बातचीत कर रहे थे कि तेज रफ्तार कसडोल से लवन की तरफ जा रही चार पहिया अज्ञात वाहन तीनों को ठोकर मारकर मौके से फरार है। अज्ञात वाहन एवं चालक के खिलाफ गंभीर रूप से घायल के चाचा जयराम कैवर्त ने पुलिस थाना कसडोल पहुंच कर मामला दर्ज कर कार्रवाई की मांग किये गए हैं। पीड़ित के चाचा के शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात वाहन एवं चालक के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिये।वहीं घायल तीनों व्यक्तियों की इलाज बलौदाबाजार के निजी अस्पताल में इलाज जारी है।घटना का जांच करने वाले ए एस आई कसडोल मेघनाथ बंजारे ने बताया कि जांच जारी ,सड़क किनारे लगे सीसीटीवी कैमरे फुटेज की जांच कर रहे हैं, जानकारी प्राप्त होते ही आरोपी की गिरफ्तारी एवं वाहन की जब्ती होगी। श्री बंजारे ने यह भी कहा कि फिलहाल अभी जांच विवेचना जारी है।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पथर्रीडीह में प्रवेश के लिए परीक्षा 19 जनवरी 2025 को

पायनियर संवाददाता ➤ धमतरी
www.dailypioneer.com

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में वर्ष 2025.26 में कक्षा छठवीं में प्रवेश के लिए परीक्षा आगामी 19 जनवरी 2025 को आहूत की जाएगी। सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि जिले के इच्छुक विद्यार्थियों द्वारा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पथर्रीडीह, विकासखण्ड नगरी में कक्षा छठवीं में प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवेदन फॉर्म आगामी 10 दिसम्बर 2024 तक किया जा सकता है। इस संबंध में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पथर्रीडीह, विकासखण्ड नगरी में हेल्पडेस्क स्थापित किया गया है। परीक्षा से संबंधित सभी जानकारी राज्य के वेबसाईट www.eklavya.cg.nic.in पर अवलोकन किया जा सकता है।

सत्तर प्लस आयु वालों का आयुष्मान कार्ड बनाने चलायें डोर-टू-डोर अभियान : कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक में समय-सीमा प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। साथ ही विभागीय गतिविधियों की भी जानकारी ली। उन्होंने जिले में सत्तर प्लस आयु वर्ग के आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु विकासखण्ड वार एवं नगरीय निकायवार अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अवगत कराया कि जिले में 2.5 लाख आयुष्मान कार्ड बनाया जाना है, जिसमें 87 हजार सत्तर प्लस आयु वर्ग के लोग शामिल है। उन्होंने अद्यतन प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सत्तर प्लस आयु वर्ग के लोग शिविर में उपस्थित नहीं हो सकेंगे, ऐसे लोगों का आयुष्मान कार्ड डोर-टू-डोर अभियान चलाकर बनाया जाए। उन्होंने अभियान के दौरान मृत व्यक्तियों के नाम राशन कार्ड से हटाने एवं पेंशन आदि से भी विलोपित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने इस दौरान सामाजिक सुरक्षा पेंशन अंतर्गत नॉन डीबीटी हितग्राहियों की जांच करने और आधार अपडेशन कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में जल संरक्षण के कार्य प्रारंभ कराने और स्कूल जतन योजना अंतर्गत निर्मित कार्यों का टीम बनाकर जांच कराने जिला पंचायत के सीईओ को निर्देशित किया। कलेक्टर ने नगर निगमों और जनपदों में घुमंतु पशुओं को रखने की व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को संबंधित क्षेत्र में प्राइवेट गौशाला संचालन करने वालों के नाम का प्रस्ताव शासन को भेजने के निर्देश दिए।

कलेक्टर चौधरी ने धान खरीदी की समीक्षा के दौरान उपार्जन केंद्रों में खरीदे गए धान एवं बफर लिमिट को ध्यान में रखते हुए धान का उठाव भी समय पर सुनिश्चित कराने डीएमओ एवं संबंधित एसडीएम को निर्देशित किया। उन्होंने राशन कार्ड के रिनिवल नहीं होने की स्थिति में संबंधित राशन दुकान के माध्यम से केवायसी कराने खाद्य नियंत्रक को निर्देशित किया। इसी प्रकार पीडीएस चावल की रिसायकलिंग रोकने जांच दल द्वारा सक्रियता पूर्वक कार्य सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने कहा कि जिले के ऐसे स्कूल जहां अभी तक नेवता भोज का आयोजन नहीं किया गया है, संबंधित जनपद सीईओ बीईओ से जानकारी प्राप्त कर स्कूली बच्चों के लिए यह आयोजन सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने पंचायत राशि गबन की जानकारी ली। साथ ही संबंधित एसडीएम को वसूली हेतु शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जनपद सीईओ को स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री अन्य पत्र के प्रकरण, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन, पीजीएम के वेब एवं पोस्ट से प्राप्त आवेदन सार्थ-ई एवं पीजी पोर्टल के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। साथ ही पुलिस विभाग, नगर निगम दुर्ग-भिलाई, के अधिकारियों को प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने हेतु निर्देश दिए। बैठक में सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को अवगत कराया गया कि शासकीय प्राप्तियों को ई-चालान के माध्यम से जमा करने की सुविधा प्रारंभ की गयी है। इस व्यवस्था के अंतर्गत किसी भी प्रकार की शासकीय प्राप्तियों को ऑनलाईन इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान किया जा सकता है। जिले के सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारी शासकीय प्राप्तियों के लिए ई-चालान पोर्टल का अनिवार्य रूप से उपयोग करना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार 15 वर्ष से अधिक पुराने शासकीय वाहनों के स्क्रेपिंग प्रकिया शासन द्वारा प्रक्रियाधीन है। संबंधित अधिकारी वाहन के संबंध में आवश्यक जानकारी उपलब्ध करायें। बैठक में एडीएम अरविंद एक्का, सहायक कलेक्टर एम. भार्गव, जिला पंचायत के सीईओ बीके दुबे, अपर कलेक्टर मुकेश रावटे, संयुक्त कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह एवं एचएस मिरी, सभी नगर निगम आयुक्त, सभी एसडीएम एवं जनपद सीईओ सहित समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

42 एमएलडी फिल्टर प्लांट में बनेगा विद्युत सब स्टेशन, जल प्रदाय के दौरान आने वाली खराबियों को तत्काल किया जा सकेगा नियंत्रित

- 28.5 लाख की लागत से ट्रांसफार्मर में लगेगा नया पैनल महापौर ने कमिश्नर एवं जलकार्य प्रभारी के साथ किया भूमिपूजन

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा कमिश्नर सुमित अग्रवाल, जलकार्य प्रभारी संजय कोहले की मौजूदगी में 42 एमएलडी के निकट सबस्टेशन में भूमिपूजन किया। बता दे कि 42 एमएलडी फिल्टर प्लांट में पूर्व से स्थापित ट्रांसफार्मर के पैनल जो इनडोर स्थापित हैं, उनमें समय में समय में नमी आने के कारण आने वाली समस्याओं से मुक्त किए जाने हेतु पैनल को आउटडोर किया जाना है। किए जाने वाले कार्य से पैनल में होने वाली खराबी को नियंत्रित किया जावेगा जिससे जलप्रदाय में होने वाली समस्या का निराकरण जल्दी किया सकेगा।42 एमएलडी फिल्टर प्लांट में किया जाने वाला कार्य कुल लागत 28.5 लाख से लगेगा ट्रांसफार्मर में नया पैनल।कार्य को महापौर धीरज बाकलीवाल ने जल्द दिसंबर माह के अंत तक पूर्ण के निर्देश अधिकारियों को दिये। ट्रांसफार्मर के पैनल में नमी के कारण 42 एमएलडी फिल्टर प्लांट से सप्लाई होने वाले जल प्रदाय होने वाले वार्डो में समस्या बनी रहती थी। ट्रांसफार्मर में नया पैनल लग जाने से इन वार्डो को मिलेगा लाभ जैसे कि बोरसी, पोटिया, पुलगांव, बघेरा सिकोला और गंजपारा क्षेत्र में जलप्रदाय होने वाले समस्याओं का निराकरण त्वरित किया जा सकता है। यह कार्य पीएचई विभाग से हस्तांतरित पश्चात पहली बार किया जा रहा है जो कि अपने आप में महत्वपूर्ण कार्य है। 42 एमएलडी फिल्टर प्लांट में बनेगा विद्युत सब स्टेशन, जल प्रदाय के दौरान आने वाली खराबियों को तत्काल किया जा सकेगा नियंत्रित। इंडोर ट्रांसफार्मर होने के कारण पैनल बोर्ड में नमी आ जाती थी। जिससे वार्डो में 2 से 3 दिन पानी की सप्लाई की प्रभावित बनी रहती थी। ट्रांसफार्मर, पैनल को आउटडोर किया गया। जिससे पैनल बॉर्ड में नमी की समस्या पूरी तरीके से खत्म होकर जिससे प्रभावित क्षेत्रों में जल प्रदाय सामान्य हो जाएगा।

14545 पर फोन करने पर मोर संगवारी योजना का घर पर मिलेगा लाभ

पायनियर संवाददाता ➤ भिलाई
www.dailypioneer.com

मोर संगवारी सेवा योजना नागरिकों को शासकीय योजनाओं का लाभ घर बैठे कम समय में दिये जाने हेतु मोर संगवारी सेवा का शुभारंभ दिनांक 01 मई 2022 से किया गया है। यह योजना छ.ग. के सभी 14 नगर निगमों मे चल रही है। इसके लिए शासन ने टोल फ्री न. 14545 जारी किया है, जिस पर फोन करके संगवारी एजेंट के माध्यम से नागरिक कई प्रकार के सुविधाओं का लाभ ले सकते है। नगर निगम भिलाई द्वारा अभी तक 30533 आवेदन बनाकर नागरिकों को लाभ पहुंचाया गया है। मोर संगवारी योजना के तहत विवाह प्रमाण पत्र के कुल-2219 आवेदन, मृत्यु प्रमाण पत्र के कुल-394 आवेदन, जन्म प्रमाण के कुल-732 आवेदन, दुकान एवं स्थापना पंजीयन/गुमास्ता लाइसेंस के कुल-331 आवेदन, 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार पंजीयन कुल-10031 आवेदन, पैन कार्ड सेवा के कुल-253 आवेदन, आधार मोबाईल नम्बर अपडेट के कुल-11074 आवेदन, मूल निवास प्रमाण पत्र के कुल-1311 आवेदन, अनुसुचित जाति/ अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र के कुल-56 आवेदन, पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र के कुल-266 आवेदन, आय प्रमाण पत्र के कुल-2839 आवेदन, एपीएल राशन कार्ड के कुल-231 आवेदन, विवाह सुधार के कुल-93 आवेदन बनाकर दिये जा चुके है। प्रदेश में नागरिकों को सर्टिफिकेट डिलीवरी करने में नगर पालिक निगम भिलाई का तृतीय स्थान है। शासन के इस अत्यंत उपयोगी योजना से न सिर्फ नागरिकों को घर बैठे शासकीय सेवाओं का लाभ मिला है बल्कि लोगों के समय और पैसे की भी बचत हो रही है, साथ ही साथ सरकारी काम में भी तेजी आयी है। वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन एवं महापौर नीरज पाल ने नागरिको से निवेदन किया है कि अधिक से अधिक संख्या में शासन की इस जनउपयोगी योजना का लाभ उठाएं। इस योजना का उददेश्य है नागरिको को शासकीय कार्यालयों बार-बार जाना न पड़े, घर बैठे-बैठे काम हो जावे।

ग्राम पंचायत थनौद स्थित अमृत सरोवर स्थल पर मनाया गया संविधान दिवस

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चंद्राकर के मुख्य आतिथ्य में ग्राम पंचायत थनौद में अमृत सरोवर स्थल पर संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को संविधान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही सभी ग्रामीणों को संविधान की जानकारी प्राप्त कर अपने अधिकार एवं कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिये कहा गया। विधायक चंद्राकर द्वारा भारत के संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर सभी उपस्थित प्रतिभागियों को संविधान दिवस की शपथ दिलाई। सीईओ बजरंग कुमार दुबे द्वारा भारतीय संविधान उद्देशिका का वाचन कराने के अलावा भारतीय संविधान के आदर्शों तथा देश के नागरिकों का संविधान के प्रति प्रतिबद्धता के संबंध में जानकारी दी। संविधान दिवस के अवसर पर स्कूली बच्चों द्वारा चित्रकला, रंगोली प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित कर विभिन्न प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर जिला पंचायत अध्यक्ष पुष्पा भुनेश्वर यादव, जनपद पंचायत अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख, जनपद पंचायत झमित गायकवाड सहित स्थानीय ग्रामीणजन उपस्थित थे।

नई चेतना 3.0 अभियान के अंतर्गत जेंडर रिसोर्स सेंटर का शुभारंभ

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) और चौतन्य संस्था के तहत नई चेतना 3.0 अभियान के अंतर्गत जेंडर रिसोर्स सेंटर का भव्य शुभारंभ जनपद पंचायत कार्यालय, धमधा में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि देवकी साहू उपाध्यक्ष जनपद पंचायत धमधा रहीं। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी किरण कुमार कौशिक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में दुर्ग जिले के डीपीएम सुनील शर्मा, अमर सिंह बीपीएम प्रभारी रबीकांत सिन्हा और चौतन्य संस्था की टीम से जिला समन्वयक योगिता झिलपे एवं ट्रेनिंग एसोसिएट एमीन यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही, पीआरपी, मास्टर ट्रेनर, और जेंडर विषय से जुड़े समूह की दीदियों ने सक्रिय सहभागिता दी।

महिलाओं और समुदाय के लिए नई पहल-जेंडर रिसोर्स सेंटर का उद्देश्य समाज में लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तीकरण को बढ़ावा देना है। यह मौजूद समुदायों को शिकायत निवारण, परामर्श सेवाओं, और जागरूकता अभियानों के माध्यम से सशक्त करेगा। इस पहल से सामाजिक समावेशन की दिशा में ठोस कदम उठाने में मदद मिलेगी।

भविष्य की योजनाओं पर विमर्श-कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने जेंडर रिसोर्स सेंटर की भावी योजनाओं पर अपने विचार साझा किए। सभी ने इसे सामाजिक बदलाव के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए सराहना की।

राज्य स्तरीय योगासन चैंपियनशिप रायगढ़ में दुर्ग जिले के पंकज यादव ने जीता स्वर्ण पदक

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन एवं जिला योगासन संघ रायगढ़ के तत्वाधान में 5 वी व 3 री मास्टर स्टेट लेवल योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2024 का आयोजन ओ पी जिंदल यूनिवर्सिटी रायगढ़ में 22-24 नवंबर को आयोजित किया गया इस प्रतियोगिता में 18 ज़िले से खिलाड़ी शामिल हुए। प्रतियोगिता में दुर्ग ज़िले से प्रतिनिधित्व करते हूए अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पंकज यादव अपने आयु वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करके स्वर्ण पदक जीता। योगासन भारत के द्वारा राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन कर्नाटक में किया जाएगा इस राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में पंकज यादव चयन किए गए, छत्तीसगढ़ योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव डॉक्टर मेजर सिंह व योगा कोच आनंद सिंह राजपूत सर ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी। पंकज बताते हैं कि उन्होंने अपने जीवन में बेहद कठिनाइयों का सामना किया और वह अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी के साथ साथ योगा कोच, योग एक्सपर्ट स्माइल योग अकैडमी के संचालक वर्तमान में रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के PHD स्कॉलर व सुराना कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर पदस्थ हैं।

अन्नदाताओं में धान तिहार का उत्साह शासन द्वारा युद्ध स्तर पर हो रही धान खरीदी

- धान खरीदी में छत्तीसगढ़ बना अग्रणी- किसानों में खुशी की लहर

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खरीफ वर्ष 2024-25 के लिए धान खरीदी युद्ध स्तर पर की जा रही है। जिले के विभिन्न धान उपार्जन केंद्रों में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया तेजी से चल रही है, जिससे किसानों में उत्साह और विश्वास का माहौल बना हुआ है। दुर्ग जिले में आज दिनांक तक 14157 किसानों से 65,645.00 मे. टन धान की खरीदी की जा चुकी है। ग्राम बोरई के कृषक सुतीक्षण यादव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और शासन की नई योजनाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शासन की पहल से किसानों का आर्थिक आधार मजबूत हो रहा है। पहले जहां एक क्विंटल धान के 2500 रूपए मिला करते थे। मुख्यमंत्री विष्णु के सुशासन में 3100 रूपए प्रति क्विंटल के मान से धान खरीदी की जा रही है। वे बताते हैं प्रति एकड़ 15 क्वि. धान लिया जाता था। प्रति एकड़ उत्पादन अधिक होने की वजह से बाकी धान फुटकर बाजार या कोचियों के पास बेचने के लिए मजबूर थे। 21 क्वि. प्रति एकड़ की खरीदी से हमारी यह समस्या दूर हो गयी है। साथ ही कई उपयोगी तकनीकों के कारण धान खरीदी में पारदर्शिता भी आई है। जैसे इलेक्ट्रॉनिक मापयंत्र से तौल में गड़बड़ी की संभावना कॉफी कम हुई है। धान उपार्जन केंद्रों में नई तकनीक और सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। किसान अब ऑनलाइन टोकन तुंहर हाथ ऐप के माध्यम से धान बिक्री के लिए टोकन प्राप्त कर रहे हैं। केंद्रों पर माइक्रो एटीएम, इलेक्ट्रिक तौल मशीन, और पेयजल जैसी सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं, जिससे किसानों को कोई असुविधा न हो। शासन द्वारा इस वर्ष प्रति क्विंटल धान के लिए 3100 रुपये की दर तय की गई है, और प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी की सीमा रखी गई है। विशेष बात यह है कि धान विक्रय के 72 घंटे के भीतर किसानों के बैंक खातों में राशि स्थानांतरित की जा रही है। इस व्यवस्था से राज्य के किसानों को बड़ी राहत मिली है और यह कदम कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित हो रहा है।

स्वच्छ भारत अभियान जन-जन तक पहुंचाने के लिए संगोष्ठी का आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ भिलाई
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में सफाई व्यवस्था में जन-जन की भागीदारी बढ़ाने के लिए संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, स्वच्छता ब्रान्ड अम्बेसडर बल्क वेस्ट जनरेटर, एन.डी. आर.एफ एवं सामाजिक कार्यकताओ की उपस्थिति में बैठक आयोजित हुई। प्रमुखता के साथ नागरिको के स्वच्छता के प्रति उनके दैनिक व्यवहार में कैसे परिवर्तन लाया जाए और आए हुए प्रबुद्वजनो द्वारा अपने विचार रखे गये। प्रमुख सुझाव में स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतर्गत गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग प्रदान करने हेतु नागरिको को प्रेरित करना। इसके लिए व्यापक स्तर पर शोसल मीडिया का उपयोग करना। अच्छे कार्य करने वाला का सम्मान करना, व्यावसायिक क्षेत्र में सिंगल युज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के संबंध में जन जागरूकता हेतु मुनादी करना। जो व्यापारी नहीं मानते है उनसे अर्थदण्ड वसूलने की कार्यवाही करना। घर से मिक्स गीला एवं सूखा कचरा एक में देने वाले परिवारो को निगम के एस.एल. आर.एम. सेंटर में ले जाकर दिखाना। जिससे उन्हे ज्ञात हो सके कि गीला एवं सूखा कचरा एक में न देने से कितनी परेशानी होती है, छाटते समय। प्रत्येक स्कूल में विद्यार्थियो को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना एवं प्रत्येक सप्ताह स्वच्छता संबंधी गतिविधियो से उनको जोड़ना। आम नागरिको में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने हेतु वार्ड के जनप्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाना। ब्रान्ड अम्बेसडर की मदद से स्वच्छता के प्रति आम नागरिको के व्यवहार में परिवर्तन लाने हेतु जागरूता संबंधी विभिन्न गतिविधियां लाना। समस्त वार्डो में लोगो को प्रोत्साहित कर होम कम्पोस्टिंग का कार्य कराया जाना।

ताला बंदी की कार्रवाही के डर से मछुवारा संघ ने दुकानों की 26 साल पुराना 4,45,280 रुपए टैक्स किया जमा

नोटिस का नहीं पड़ा असर, कमिश्नर पहुंचे ताला बंदी कार्रवाही करने

- नोटिस के बाद भी टैक्स जमा नहीं करने वालों पर अब सीधे होगी कार्रवाई : कमिश्नर

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत निगम दुर्ग कमिश्नर सुमित अग्रवाल द्वारा निगम अमले के साथ वार्ड नंबर पंचशील नगर के निकट मछुवारा संघ की 10 दुकानों को सील करने पहुँचे।जानकारी के मुताबिक मछुवारा संघ का टैक्स लगभग 1999 से बकाया बताया गया है। कार्रवाही के लिए कमिश्नर सुमित अग्रवाल द्वारा राजस्व विभाग,बाजार विभाग अतिक्रमण विभाग सहित लायसेंस विभाग के साथ कार्रवाही के दौरान मछुवारा संघ की दुकानों के लोगो ने कार्रवाही के डर से 26 साल पुराना दुकानों का टैक्स 10 मिनट में 4,45,280 रुपए निगम के खाते में जमा किया। कार्रवाही के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर, अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, बाजार अधिकारी थानसिंह यादव,योगेश सूरे,संजय मिश्रा सहित राजस्व अमला मौजूद रहें। बता दे कि नगर निगम के राजस्व विभाग की टीम लगातार करदाताओं के घर-घर जाकर बकायादारों के खिलाफ एक बार फिर युद्ध स्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी है। कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने कहा कि नगर निगम की राजस्व विभाग सख्ती नोटिस और चेतावनी के बाद भी टैक्स जमा नहीं करने वालों पर अब सीधे कार्रवाई की जाएगी। सभी टैक्स बकायादारों द्वारा कार्रवाई से बचने के लिए अब वे मोहलत मांग रहे हैं। पूर्व में कई बार निगम की ओर से हिदायत दिए जाने व पर भी करदाताओं ने उसे गंभीरता से नहीं लिया। अब निगम की टीम सीधे टैक्स नहीं देने वालों के घर, दुकानों में कार्रवाही के साथ साथ नल कनेक्शन काटने पहुंच रही है। इस वजह से कई लोग टैक्स जमा करने तत्काल निगम दफ्तर की ओर रुख कर रहे तो ज्यादातर इसके लिए न मोहलत मांगते नजर आ रह हैं। कमिश्नर सुमित अग्रवाल द्वारा सभी उप राजस्व निरीक्षक एवं सहायक राजस्व निरीक्षकों द्वारा सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक डोर टू डोर वसूली अभियान में ड्यूटी लगाई गई है।निगम कमिश्नर द्वारा बार-बार टैक्स जमा करने अपील करने के बाद भी टैक्स नहीं देने वाले पर नगर निगम ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

सस्ते दर पर जैविक खाद उपलब्ध

पायनियर संवाददाता ➤ भिलाई
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में 9 एस.एल.आर.एम. सेंटर संचालित हो रहे है। सभी एस.एल.आर.एम. सेंटर में कार्य करने वाले स्वच्छता दीदीयों द्वारा पारंपरिक विधि से जैविक खाद बनाया जा रहा है। जो बहुत ही उपयोगी एवं गुणकारी है, कोई भी व्यक्ति उसको अपने किचन गार्डन, गमलो, खेतो एवं फार्म हाउस में उपयोग के लिए खरीद सकते है। यह खाद सस्ते दर पर उपलब्ध है, इसी खाद को मार्केट में जब हम खरीदते है। 15 से 20 रूपये मिलता है, 1 किलो का पैकेट 10 रूपये पर उपलब्ध है। थोक में लेने पर 25 किलो की बोरी 5 रूपये पर उपलब्ध है और अधिक लेने पर आवश्यकतानुसार और सस्ता हो जाएगा। रसायनिक खाद मिटटी, फसल एवं स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है। इस खाद से सब्जी, भाजी उगाने पर पुराने समय के जैसे गुणकारी सेहतमंद स्वाद मिलते है।

संपादकीय

संभल में तनाव नियंत्रण आवश्यक

उत्तर प्रदेश का संभल शहर ऐतिहासिक शाही जामा मस्जिद के न्यायालय द्वारा आदेशित सर्वेक्षण को लेकर हुई हिंसक झड़प के बाद तीव्र सांप्रदायिक तनाव का केंद्र बन गया है। रविवार को हुई इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, कई अन्य घायल हो गए और क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द की नाजुक स्थिति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। संभल के चंदौसी में स्थित शाही जामा मस्जिद सदियों पुरानी संरचना है जिसे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा राष्ट्रीय महत्व के स्मारक के रूप में मान्यता दी गई है। प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम, 1904 के तहत संरक्षित यह मस्जिद 19 नवंबर को दायर एक याचिका के बाद कानूनी विवाद का विषय बन गई। याचिकाकर्ता, अधिवक्ता हरि शंकर जैन और महंत ऋषिराज गिरि सहित आठ व्यक्तियों के एक समूह ने आरोप लगाया कि मुगल सम्राट बाबर के आदेश पर 16वीं शताब्दी में श्री हरि हर मंदिर को ध्वस्त करके मस्जिद का निर्माण किया गया था। उन्होंने दावा किया कि भगवान विष्णु के कल्कि अवतार की भविष्यवाणी की गई जगह के रूप में यह मंदिर हिंदुओं के लिए अत्यधिक धार्मिक महत्व रखता है। याचिका में एएसआई के हस्तक्षेप और साइट पर सार्वजनिक पहुंच की मांग की गई थी, जिसमें मस्जिद प्रशासकों पर प्रवेश में बाधा डालने और एएसआई पर स्मारक की सुरक्षा में लापरवाही का आरोप लगाया गया था। कानूनी विवाद के कारण संभल में सिविल जज (वरिष्ठ डिवीजन) की अदालत ने मस्जिद का सर्वेक्षण करने का आदेश दिया, जिसकी रिपोर्ट 29 नवंबर तक आनी थी। मंगलवार को प्रारंभिक सर्वेक्षण कथित तौर पर अधूरा था, जिसके कारण अधिकारियों ने रविवार को अनुवर्ती कार्रवाई निर्धारित की। हालांकि, सर्वेक्षण दल के पहुंचते ही तनाव बढ़ गया, जिसके परिणामस्वरूप विरोधी समूहों के बीच हिंसक झड़प हुई। टकराव में पथराव, आगजनी और सुरक्षा बलों की तैनाती देखी गई। तीन लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए, जिनमें पुलिस अधिकारी और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल हैं। हिंसा की तब से राजनीतिक स्पेक्ट्रम में निंदा की गई है, हालांकि इसने सर्वेक्षण और इसके संचालन के पीछे की मंशा पर एक गरमागरम बहस भी छेड़ दी है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर सांप्रदायिक विभाजन को भड़काने का आरोप लगाया। हालांकि, भाजपा प्रवक्ताओं ने कानूनी प्रक्रिया का बचाव किया। संभल में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, और आगे की अशांति को रोकने के लिए सुरक्षा उपाय बढ़ाए गए हैं। लेकिन क्या हम यहां एक पैटर्न देख रहे हैं? कुछ राजनीतिक रूप से प्रेरित व्यक्ति जानबूझकर याचिका दायर करके विवाद को जन्म देते हैं, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। सांप्रदायिक तनाव पैदा होता है और कुछ लोग और पार्टी इस दावे का समर्थन करते हैं और राजनेताओं द्वारा स्थिति का फायदा उठाने के लिए ध्रुवीकरण पूरा हो जाता है। हम सांप्रदायिक हिंसा से तंग आ चुके हैं और निश्चित रूप से इसे टाला जा सकता है क्योंकि 'पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991' स्पष्ट करता है कि सभी धार्मिक स्थलों को उसी तरह संरक्षित किया जाना चाहिए जैसा कि वे स्वतंत्रता के समय थे। शाही जामा मस्जिद विवाद ऐतिहासिक शिकायतों, सांप्रदायिक संवेदनशीलताओं और बहुलवादी समाज में कानूनी जनादेशों को नेविगेट करने की व्यापक चुनौतियों को दर्शाता है। शांति बहाल करने और निर्दोष लोगों की जान जाने से रोकने के लिए सभी हितधारकों के बीच संयम और संवाद की आवश्यकता महत्वपूर्ण है।

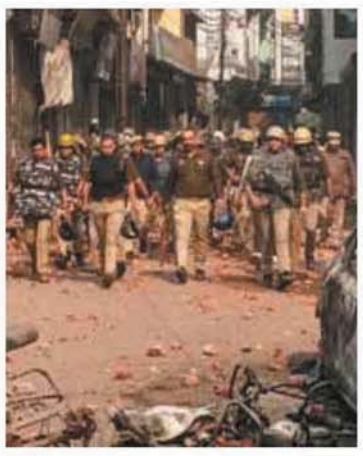

आर्थिक रणनीति में संशोधन आवश्यक

विश्व में हो रहे भू-राजनीतिक परिवर्तनों के साथ, 2047 तक विकसित राष्ट्र का दर्जा प्राप्त करने के घोषित लक्ष्य को पूरा करने के लिए आर्थिक विकास की वर्तमान रणनीति पर पुनर्विचार करना अनिवार्य हो जाता है।

अतुल सहगल
(लेखक प्रबंध परामर्शदाता हैं)

हमें आंतरिक राजनीतिक सुविधा की परवाह किए बिना क्वांटम उपाय और कठोर कदम उठाने की आवश्यकता है। वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य रणनीतिक कदमों के चयन को प्रभावित कर सकता है लेकिन अगर हम एक राष्ट्र के रूप में दृढ़, केंद्रित और स्पष्ट हैं तो इसका अधिकतम, सीमित प्रभाव हो सकता है।

विश्व में तेजी से राजनीतिक परिवर्तन हो रहे हैं। इन भू-राजनीतिक परिवर्तनों के साथ, 2047 तक विकसित राष्ट्र का दर्जा प्राप्त करने के घोषित लक्ष्य को पूरा करने के लिए आर्थिक विकास की वर्तमान रणनीति पर पुनर्विचार करना अनिवार्य हो जाता है। बदलती परिस्थितियों के साथ नीतिगत बिंदुओं को फिर से संरेखित और समायोजित करना आवश्यक हो जाता है। देश वैश्विक रूप से मूल्यवान और मूल्यवर्धित उत्पादों का उत्पादन और बिक्री करके समृद्ध बनते हैं। वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी को माल निर्यात में वर्तमान 1.8 प्रतिशत और माल आयात में 2.8 प्रतिशत से तेजी से बढ़ाना होगा। सेवा क्षेत्र में भी, भारत को वर्तमान 6 प्रतिशत से ऊपर की ओर वितरित सेवाओं के अपने हिस्से को बढ़ाने की आवश्यकता है। यह कैसे होगा? हमें आंतरिक राजनीतिक सुविधा की परवाह किए बिना क्वांटम उपाय और कठोर कदम उठाने की आवश्यकता है। वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य रणनीतिक कदमों के चयन को प्रभावित कर सकता है लेकिन अगर हम एक राष्ट्र के रूप में दृढ़, केंद्रित और स्पष्ट हैं तो इसका अधिकतम, सीमित प्रभाव हो सकता है।

यदि हम एकजुट होकर कार्य करें और हमारी सरकार बिना किसी भय या पक्षपात के अपना कार्य करे तो कोई भी बाधा आ नहीं सकती। 2019 के कृषि और कृषि विधेयकों पर सरकार का पीछे हटना एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होनी चाहिए। सरकार किसानों के वेश में कृषि बाजार के बिचौलियों के नकली विरोध के आगे झुक गई, जिन्होंने विधेयकों को पारित कराने के लिए विरोध का झूठा दिखावा किया और उन्हें तोड़-फोड़ दिया। विदेशी दुश्मन देशों द्वारा समर्थित राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा विधेयकों के प्रचार को रोकने के लिए बढ़ती बर्बरता के डर से सरकार ने आत्मसमर्पण कर दिया और विधेयकों को वापस ले लिया। ऐसा नहीं होना चाहिए था। देश ने इसके लिए भारी कीमत चुकाई है क्योंकि कृषि अभी भी भारत की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। यदि केवल वे महत्वपूर्ण विधेयक पारित हो गए होते, तो हम मौजूदा आर्थिक विकास दर में कम से कम 2 प्रतिशत की वृद्धि देख सकते थे। हमारी सरकार को हमारी अर्थव्यवस्था को एक महत्वपूर्ण बढ़ावा देने के लिए जल्द से जल्द उचित समय पर उन विधेयकों को वापस लाना चाहिए। दूसरा महत्वपूर्ण क्षेत्र जिस पर सरकार को तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है, वह है एमएसएमई क्षेत्र, जो अभी भी स्थिर बना हुआ है। यह क्षेत्र रोजगार वृद्धि का मुख्य चालक है और इसमें नई इकाइयों की स्थापना और मौजूदा इकाइयों के विस्तार को सुविधाजनक बनाने के लिए कदम उठाने की आवश्यकता है। ये कदम हैं- लालफीताशाही को कम करने और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाले और विकास को बाधित करने वाले अनावश्यक विनियामक अनुपालन को कम करने के लिए नौकरशाही सुधार। स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण की हिस्सेदारी को 16 प्रतिशत (2015 से लगभग स्थिर) से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने के लिए, पूरे मेक इन इंडिया कार्यक्रम को फिर से शुरू करने की आवश्यकता है। इस अन्यथा दूरदर्शी योजना का खाका, अफसोस, गंभीरता से लागू नहीं किया गया।

विदेशी पूंजी और एफडीआई पर बहुत अधिक निर्भरता कभी सामने नहीं आई और घरेलू पूंजी का उपयोग करने के प्रयास किए जाने चाहिए थे। केंद्रीय क्षेत्र और राज्य क्षेत्र के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को घरेलू विनिर्माण को बढ़ाने में पहल करनी चाहिए थी। साथ ही, मेक इन इंडिया को मेक बाय इंडिया पर जोर देना चाहिए था। नौकरशाही सुधार, घरेलू विनिर्माण में वृद्धि, खासकर सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा आयात शुल्क में वृद्धि और राजकोषीय रियायतों में वृद्धि कुछ ऐसे कदम हैं जिनकी आवश्यकता है। इस संदर्भ में रक्षा और अंतरिक्ष के क्षेत्र में स्टार्टअप को प्रोत्साहित और बढ़ावा देकर अच्छा काम किया गया है। इसे अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों में भी लागू किया जाना चाहिए। कृषि, खाद्य, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा में मूल्यवर्धित विनिर्माण स्वदेशी विनिर्माण और यहां तक कि निर्यात को बढ़ावा देने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। यह काफी दुखद है कि बैंकों की सफाई में भाजपा सरकार की शानदार सफलता के बावजूद इसका लाभ घरेलू विनिर्माण तक नहीं पहुंच पाया है। 2014 में परिकल्पित 100 स्मार्ट शहरों में से केवल 20 ही क्यों दिन के उजाले में आ पाए हैं और वह भी आंशिक रूप से? विशेष आर्थिक क्षेत्रों और विशेष उत्पाद उत्पादन क्षेत्रों की स्थापना का खाका तैयार किया गया था, लेकिन इसका कार्यान्वयन भी विधायी और नौकरशाही के दलदल में फंस गया है। मैं फिर से दोहराता हूं कि नौकरशाही सुधार एक उभरती हुई आवश्यकता है। पिछले दस वर्षों में चीन से बड़े पैमाने पर आयात ने वास्तव में देश में एमएसएमई के विकास को रोक दिया है। कई पहले से मौजूद कारखानों को बंद होने का सामना करना पड़ा और कई निर्माता व्यापारी बन गए। 2023-24 में चीन को भारत का निर्यात 16.65 बिलियन अमरीकी डॉलर था, जबकि आयात 101.75 बिलियन अमरीकी डॉलर था, जिससे 85 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक का व्यापार घाटा हुआ। सत्तारूढ़ एनडीए सरकार द्वारा चीनी आयात को रोकने के प्रयास किए गए। लेकिन सबसे अधिक कटौती निम्न-श्रेणी के उपभोक्ता वस्तुओं में हुई और औद्योगिक वस्तुओं के आयात में कम से कम कमी की जा सकी। सरकार की नीति के बावजूद, अगर हमारे देशवासियों ने भारत में उत्पादित चीनी वस्तुओं का बहिष्कार करने का फैसला किया होता, तो हम चीनी आयात में भारी कमी कर सकते थे और घरेलू विनिर्माण उद्योग के विकास को सुविधाजनक बना सकते थे। भूमि अधिग्रहण संशोधन विधेयक 10 मार्च 2015 को संसद में पेश किया गया था, लेकिन राज्य सभा में गैर-भाजपा सांसदों के विरोध के कारण इसे पारित नहीं किया जा सका, जहां सत्तारूढ़ एनडीए के पास स्पष्ट बहुमत नहीं था। विपक्षी पार्टी के सांसदों ने प्रस्तावित संशोधनों को किसान विरोधी और गरीब विरोधी बताया। प्रस्तावित संशोधनों में पांच व्यापक श्रेणियों की परियोजनाओं के तहत भूमि अधिग्रहण के लिए किसानों से मंजूरी लेने की आवश्यकता को खत्म करने की मांग की गई थी। इसके पारित होने में अभी भी देरी हो रही है। यह मेक इन इंडिया कार्यक्रम का आधारभूत आधार है। इसे कब पारित किया जाएगा? राजनीतिक स्वार्थ वास्तव में हमारे देश के लिए अभिशाप रहा है और हमारी तेज आर्थिक प्रगति में मुख्य बाधा है।

उपर्युक्त संदर्भ में, यह उल्लेख करना उचित होगा कि दृढ़ राष्ट्रवादी नागरिक सामूहिक रूप से घरेलू उद्योग के विकास के लिए अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण कर सकते हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी और जापान का आर्थिक पुनरुत्थान इसका उदाहरण है। यद्यपि अमेरिका ने इन देशों को आर्थिक सहायता दी, लेकिन उनके नागरिकों ने देशभक्ति के साथ अपने घरेलू विनिर्माण आधार को स्थापित करने की प्रेरणा ली और युद्ध के अंतिम वर्ष 1945 में अपनी हार और कुल विनाश के बाद बमुश्किल दो दशकों की अवधि में ये देश प्रमुख औद्योगिक और आर्थिक शक्तियों के रूप में विकसित हुए। इन दोनों देशों ने विनिर्माण, नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास पर जोर दिया। उनका जोर उत्पादन और मूल्यवर्धित निर्यात पर था। इसी तरह की रणनीति की जरूरत है। भारत सहस्राब्दियों से दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति रहा है और अपनी अंतर्निहित क्षमता के अनुरूप; यह 12 प्रतिशत की दीर्घकालिक आर्थिक विकास दर हासिल करने में सक्षम है। ऐसा होने के लिए, उपरोक्त कदम उठाने में कोई देरी नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रों के भाग्य में, कुछ ऐसे चरण होते हैं जब अति-रणनीति और राजनीतिक सुविधावाद के चक्कर में फंसने के बजाय आर्थिक विकास के प्रगतिशील सिद्धांतों के अनुरूप साहसिक कदम उठाना आवश्यक हो जाता है। हमारे पूज्य राजनीतिक और आर्थिक विद्वान चाणक्य ने कहा था कि शासन में धर्म को हर चीज से ऊपर रखा जाना चाहिए और यहां तक कि रणनीति को भी सार्वभौमिक दिव्य धर्म के साथ जोड़ा जाना चाहिए। हमें अपनी आर्थिक यात्रा में इसी के अनुरूप आगे बढ़ना होगा।

यह वक्त हमारा है

आज हम हर फ्रंट पर अग्रणी राज्यों में गिने जाने लगे हैं। आज उत्तराखंड की अपनी एक पहचान है। वो चाहे राजनीति का मामला हो या फिर खेल का। हर जगह हमने अपना परचम लहराया है।

पुष्कर सिंह धामी
(लेखक, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री हैं)

आज हमारा उत्तराखंड 24 साल का हो गया और रजतवर्ष में प्रवेश करने जा रहा है। प्रदेश ने पिछले 24 सालों में क्या खोया क्या पाया से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि इस प्रदेश को पूरा देश किस तरह से लेता है। क्यों पूरे देश को ये लगता है कि उत्तराखंड मतलब एक ऐसा प्रदेश जिसपर मेहरबानी कर दी गई और एक प्रदेश का दर्जा, बस दे दिया गया। उसके बाद हर वक्त कटाक्ष। पहाड़ है उसके बारे में क्या बात करनी है। छोटा सा राज्य है, उसके बारे में क्या कहना है। बाकी राज्यों के मुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री इस प्रदेश का मुख्यमंत्री भी कुछ नहीं। ये एक आम धारणा रही। उत्तराखंड को नीचा, ओछा और नकारा बताते रहने की जो भीतरघात चलती रही इसकी कहानी बहुत लंबी है। अपने छात्र जीवन में देखा है कि किस तरह से इस प्रदेश को लेकर अलगाव और भेदभाव का खेल चलता रहा। तब तो मैं नेता भी नहीं था, मुख्यमंत्री बनने का सोचा भी नहीं था, लेकिन ये एक बात मन में भीतर बहुत तेज चुभती थी, कि क्या इसका जवाब कभी कोई देगा। कभी कुछ ऐसा होगा कि एक बड़े फलक पर उत्तराखंड का नाम होगा और एक उपेक्षित राज्य के टैग इस प्रदेश के नाम के साथ जो अनायास ही जुड़ गया था वो हट जाएगा, और यकीन मानिये कि आज वो टैग हट गया है।

आज हम हर फ्रंट पर अग्रणी राज्यों में गिने जाने लगे हैं। आज इस प्रदेश की अपनी एक पहचान है। वो चाहे राजनीति का मामला हो या फिर खेल का। हर जगह हमने अपना परचम लहराया है। देश के शिखर पर बैठा हुआ राज्य जब उपेक्षित होता है तो वहां के मुखिया उसके लिए सबसे ज्यादा कोसे जाते हैं। मेरा तो दुर्भाग्य ऐसा रहा कि मुख्यमंत्री बनते ही पूरे देश के राजनीतिक गलियारों में जैसे दुख का पहाड़ ही टूट पड़ा सबको लगा कि ये कौन है और क्यों है। इसे क्यों मुख्यमंत्री बना दिया गया, जबकि मैं एक विधायक था और एक विधायक मुख्यमंत्री बनने का अधिकारी तो होता ही है। चारों तरफ जितनी चर्चा इस बात की नहीं हो रही थी कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री कौन बने, उससे कहीं अधिक अखबार, न्यूज वेबसाइट और आपसी गपशप का फोकस इस बात पर था कि ये कौन और ये क्यों? राजनीतिक पंडितों ने तो मुझे लेकर कई भविष्वाणियां भी कर दी थी, वैसे इससे पहले तक मैं, स्वयं राजनितिक पंडितों की बातों को बहुत सीरियसली लेता था लेकिन उन दिनों में ही इनकी बौद्धिक दरिद्रता का भी अंदाजा लगा और फिर मैंने इन्हें सीरियस लेना बंद करके खुद के काम पर फोकस करना शुरू कर दिया। मेरे पास वाकई कम समय था और जवाबदेही बड़ी थी। एक तरफ काम करके दिखाने की जद्दोजहद थी तो दूसरी तरफ इनका मुंह भी बंद कराना था और इन सबसे ऊपर था मेरा संकल्प, उत्तराखंड को वो दिलाने का जिसे लेकर मुझे हमेशा कोफ्त होता था, तब जब मैं इस प्रदेश का एक आम नागरिक था और कुछ नहीं।

अब वो वक्त आ चुका था जब कमोबेश मेरे हाथ में उस टैग को हटाने की जिम्मेदारी आ चुकी थी कि उत्तराखंड राज्य बन गया लेकिन ठीक है राज्य जैसा उसके पास है ही क्या? तीन साल, पांच महीने की अपनी सरकार में मैंने बस यही सुनिश्चित करने की कोशिश की कि चैन से नहीं बैठूंगा जबतक अपने राज्य से उस टैग को नहीं हटा दूं कि उत्तराखंड बस ऐसे ही जबरदस्ती का बनाया गया राज्य है और इसका देश के मानचित्र पर कोई योगदान नहीं है। हमारी तो जितनी जनसंख्या नहीं है उससे ज्यादा टूरिस्ट हर साल हमारे हां आते हैं और हम हर कोशिश करते हैं कि उन्हें किसी भी तरह की कोई दिक्कत ना हो। आज राज्य में सुशासन अगर बेहतर ना हुआ होता तो क्या इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु और टूरिस्ट यहां आते। इस साल के आंकड़े का जिक्र करूं तो 50 लाख लोगों ने चार धाम की यात्रा की, और पूरे यकीन के साथ कह सकता हूं कि छिटपुट बातों को छोड़कर किसी को कोई दिक्कत नहीं आई।

हम, राष्ट्रीय खेल का आयोजन करने जा रहे हैं। हमारे पास ऑलवेदर रोड की सुविधा है। दिल्ली से देहरादून आने में 5 घंटे लगते थे अब यह दूरी 2 घंटे में तय हो जाएगी। राजनीतिक तौर पर हम इतने मजबूत हुए हैं कि अब उत्तराखंड का अपना एक वजूद है। प्रधानमंत्री का खास ध्यान इस प्रदेश पर है इसमें कोई दो राय नहीं और हम उनकी मदद से लगातार आगे बढ़ रहे हैं।

पलायन को लेकर इस प्रदेश पर बहुत तोहमत लगे हैं, क्या किया जा सकता है। बाह्य और आंतरिक आपदाओं से निबटते-निबटते यह प्रदेश कब खाली होने लग गया यह भी अपने आप में एक आपदा ही है। मैं चौतरफा कोशिश में लगा हूं कि इस हालात पर उम्दा तरीके से काबू पाया जाए। इसके लिए व्यवसाय, बिना ब्याज ऋण, टूरिज्म को बढ़ावा से लेकर बड़े स्कूलों में राज्य के बच्चों को पढ़ाये जाने को लेकर योजनाएं बन रही है जो जल्द ही पटल पर सबको दिखाई देने लगेगा और हम कारगर तरीके से युवाओं को उनके परिवार समेत अपने राज्य लाने में सफल होंगे। प्रवासी सम्मेलन करके बिछड़े भाई-बहनों से मिलना इसी का हिस्सा है। दिल्ली के कुछ पत्रकार मित्र पूछते हैं कि आप आराम नहीं करते, हमेशा भागते रहते हैं, बच्चों को हॉस्टल में रख दिया ऐसा क्या कर रहे हैं आप, तो मैं कुछ जवाब नहीं दे पाता। बिस्मिल से कुछ शब्द उधार लेकर मैं कहना चाहता हूं कि वक्त आने दे बता देंगे तुझे ऐ आसमां...कि क्या मेरे दिल में है....।

आप की बात

मुफ्त की रेवड़ियां

झारखंड व महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में भी मुफ्त की रेवड़ियों व खैरातों की घोषणा लगभग सभी दलों ने दिल खोलकर की। अब तो मुफ्त की रेवड़ियों के वादों व गारंटी की सुनामी आई हुई है। कोई भी किसी से कम नहीं। अखबारों के पन्नों के पन्ने भर दिए गए कि यह मुफ्त की रेवड़ियां बहुत घातक हैं। मगर किसी भी दल के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। सब खुला खेल फर्रुखाबादी में लगे हुए हैं। अब लगता है कि मुफ्त की रेवड़ियों पर कुछ लिखना या बोलना बेमतलब का होता जा रहा है, क्योंकि न तो कोई सुनने वाला, न कोई समझने वाला। सभी राजनीतिक दलों को केवल वोट व सत्ता से सरोकार है। चाहे केंद्र व राज्यों की सरकारों का खजाना हो वह न केवल रुग्ण अवस्था में हो, राजकोषीय घाटा बढ़ता जाएं, कर्जे का बोझ बढ़ता जाए, लेकिन कर्ज लेकर घी पी लेंगे, बाद में जो भी हश्र होगा देखा जाएगा, भले ही अर्थव्यवस्था ठप हो जाए, लेकिन वोट व सत्ता के लिए मुफ्त की रेवड़ियों की सुनामी बंद नहीं होने वाली है। जबकि कोई भी दल हो किसी की भी सरकार बने उसका मुख्य लक्ष्य या ध्येय तो देश का मजबूत विकास व जनता की बेहतरी होना चाहिए। महंगाई पर अंकुश लगाना, शिक्षा व स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर करना, किसानों को अपनी उपज का लाभदायक वाजिब दाम मिले तथा जो आयकर दे रहे हैं, उनके पैसों का सही सदुपयोग हो यही होना चाहिए।

-हेमा हरि उपाध्याय, उज्जैन

ईरान में महिलाएं

मुझे इस समाचार पर अब भी यकीन नहीं हो रहा है कि ईरानी कठमुल्लाओं की सरकार ने उस लड़की को रिहा कर दिया है, बिना उसपर कोई कार्रवाई किये जिसने तेहरान में इस्लामिक आज़ाद विश्वविद्यालय में विरोध प्रदर्शन किया था। अंडरवियर में बैठी आहू दरयाई नामक युवती, हिज़ाब वाले कट्टर कानून के विरोध में बैठ गयी थी। दो साल पहले, कुर्द महिला महसा अमिनी की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी, जब उसे ठीक से हिजाब नहीं पहनने के लिए हिरासत में लिया गया था। क्या ये संभव है? उस देश में जहाँ 1979 के बाद महिलाओं का जीना दूभर हो गया हो। जिस देश में महिला को महज एक वस्तु के रूप में देखे जाने की परंपरा विकसित की गयी हो। जहाँ इस लड़की के तुलना में कम अपराध करने वाली कई महिलाएं आज भी जेल के भीतर पड़ी हुई हैं। जिनका जुर्म ये था कि उन लोगों ने महसा अमिनी के मौत के विरोध में जनप्रदर्शन में भाग लिया था। इसलिए ईरानी सरकार का यह फैसला किसी को पच नहीं रहा है कि आहू दरयाई नामक लड़की को बिना सजा के मुक्त कर दिया गया है। हो सकता है कुछ दिन के लिए ऐसा किया गया होगा। जब मामला शांत हो जायेगा और मीडिया की नज़र इस पर से हट जायेगा तब जरूर इस लड़की को गुप्त रूप से मौत की सजा दे दी जाएगी।

-जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

गिद्धों की बढ़ती संख्या

वृहद, मध्यम सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण सिंचाई, बिजली उत्पादन मछली रोजगार एवं भूमिगत जलस्तर में बढ़ोतरी होती है वहीं पशु पक्षियों के लिए आहार की व्यवस्था सुलभ हो जाती है। गांधीसागर अभ्यारण चीतों के लिए स्वागत के लिए तैयार हो रहा है। यहां गिद्धों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी हो रही है। एक जानकारी के मुताबिक स्थानीय प्रजाति लांग बिल्ड वल्चर, इजिप्शियन, राज, सफ़ेद पीठ वाले स्थानीय एवं विदेश से आने वाले काला गिद्ध, यूरेशियन ग्रिफ़ोन, हिमालयन ग्रिफ़ोन गिद्ध से गिद्धों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई। इनके घोसलों को वनकर्मियों व विशेषज्ञों ने निगरानी कर नष्ट नहीं होने दिया। विशेषज्ञों के अनुसार ये गिद्ध मरे हुए जानवरों को खाकर प्रकृति को प्रदूषण मुक्त करते हैं। गिद्धों की रक्षा में हर व्यक्ति, संस्थाओं को सहयोग हेतु आगे आना होगा ताकि गिद्धों के संरक्षण एवं पर्यावरण स्वच्छता का लाभ के साथ गिद्धों की संख्या में वृद्धि होकर उनके आवासीय स्थल सुरक्षित हो सके। पक्षी विशेषज्ञों का मानना है कि गिद्धों की संख्या में कमी का कारण प्रदूषण, घटते जंगलों, विषैले पदार्थ खा लेने के चलते इनका जीवन प्रभावित हुआ है। पर्यावरण हितैषी गिद्ध धरती पर जहाँ संक्रमण को रोकते है वहीं स्वच्छता में हमारे सहयोगी रहे है। गिद्धों के हितों का ध्यान रखा जाए ताकि गिद्ध विलुप्ति की कगार पर ना पहुंचें।

-संजय वर्मा, धार

भ्रष्टाचार पर लगाम लगे

पिछली सरकार कोयला, कॉमनवेल्थ गेम्स, जी-टू-थ्री में वन-टू -थ्री हुई थी। दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार के मुख्यमंत्री व अन्य मंत्रियों को शराब ठेका वितरण घोटाले में जेल की हवा खाना पड़ रही है। हाल ही में महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनाव में नोट के बदले वोट बांटने के आरोप भाजपा महासचिव पर लगे। औद्योगिक घराने के अडानी ग्रुप पर अमेरिका के न्यूयार्क में 2200 करोड़ की भारतीय अधिकारियों को रिश्वत ऑफर के आरोप लग गए। बिना मेहनत के कमाया धन कमाने वाले की क्रयशक्ति बढ़ा देता है और मुंह मांगे दाम वो खर्च भी कर देता है जिससे आम आदमी महंगाई की गिरफ्त में आ जाता है। दूसरे रिश्वत से आम युवाओं की नौकरी भी खतरे में पड़ जाती है और उनकी प्रतिभाएं रिश्वत की भेंट चढ़ जाती हैं. देश को तेजी से आगे बढ़ाना है तो सरकार को चाहिए कि वो फेयर वर्क (ईमानदारी) पर ध्यान दे और रफ वर्क (भ्रष्ट कार्य) को हटाने की कोशिश करे ताकि देश का अंतिम आदमी भी अपने काम के लिए रिश्वत देने को मोहताज न होने पाए। तभी हम रामराज्य की कल्पना कर सकते हैं।

-शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल pioneer.editorial@gmail.com पर भी भेज सकते है।

साहू समाज मेहनत एवं ईमानदारी के बदौलत प्रत्येक क्षेत्रों में प्रगति कर रहा : अरूण साव

पायनियर संवाददाता ➤ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण, नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने कहा कि साहू समाज एक मेहनतकश समाज है जो कि अपने मेहनत एवं ईमानदारी के बदौलत शिक्षा, शासकीय सेवा, व्यापार-व्यवसाय एवं राजनीति आदि प्रत्येक क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। साव विकासखंड मुख्यालय डौंडी के पुलिस मैदान में आयोजित तहसील साहू संघ के अभिनंदन समारोह के अवसर पर अपना उद्गार व्यक्त कर रहे थे। वे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर साव ने विकासखंड मुख्यालय डौंडी में साहू समाज के सामाजिक भवन निर्माण हेतु 20 लाख रुपए की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने 01 करोड़ 43 लाख रुपए लागत के महतारी घाट डोम शेड, डामरीकरण, नाली निर्माण कार्य तथा 37 लाख रूपये लागत के ट्यूबलर पोल विद्युतीकरण कार्य का भी शिलान्यास किया। इस अवसर पर साव ने कहा कि नगर पंचायत डौंडी के विकास हेतु अब तक वे कुल 04 करोड़ रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दे चुंके हैं और आने वाले समय में भी विकास कार्यों के लिए राशि की कमी नहीं होने दी जाएगी। कार्यक्रम में प्रदेश साहू संघ के अध्यक्ष टहल सिंह साहू, राज्य हस्तशिल्प विकास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष दीपक ताराचंद साहू, पूर्व विधायक प्रीतम साहू, जनप्रतिनिधि एवं प्रदेश साहू संघ के सलाहकार पवन साहू, नगर पंचायत अध्यक्ष सोमेश सोरी, जिला साहू संघ के अध्यक्ष सोमन साहू, तहसील अध्यक्ष सोमेश साहू सहित कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल, पुलिस अधीक्षक एसआर भगत एवं अन्य अतिथिगण उपस्थित थे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने साहू समाज के महत्व एवं विशेषताओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ईमानदारी और मेहनत साहू समाज की ताकत है। साव ने कहा कि साहू समाज मेहतनकश, स्वाभिमान, ईमानदार एवं कठिन श्रम कर अपना जीवन यापन करने वाला समाज है। उन्होंने कहा कि साहू समाज की इन विशेषताओं को पूरी दुनिया जानती है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि साहू समाज की इसी विशेषताओं के बदौलत साहू समाज का बेटा नरेन्द्र दामोदर दास मोदी लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के पद पर सुशोभित हैं। उनके कुशल नेतृत्व में भारत पूरी दुनिया में अपना डंका बजाकर विश्व गुरू बनने की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश साहू संघ द्वारा वर्तमान परिस्थिति के अनुरूप सामाजिक रीति-रिवाजों में किए गए परिवर्तन की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय एवं परिस्थिति के अनुरूप जो चीजें सामायिक एवं प्रासंगिक नही है इन रीति-रिवाजों में परिवर्तन भी आवश्यक है। इस अवसर पर उन्होंने साहू समाज के लोगों को शिक्षित एवं संगठित होकर और एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनकर विकास पथ पर निरंतर अग्रसर होने की अपील की। इसके अलावा उन्होंने सभी समाज के लोगों से अपनत्व भाईचारा के साथ एक-दूसरे का परस्पर सहयोग करते हुए छत्तीसगढ़ एवं देश के विकास में अपना योगदान देने को कहा। इस अवसर पर साव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में राज्य में हो रहे विभिन्न विकास कार्यों के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पूरे देश में छत्तीसगढ़ का पहचान तेज गति से विकास करने वाले राज्यों में है। साव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाले छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा हमारे अन्नदाता किसानों का सम्मान करते हुए प्रति एकड़ 21 क्विंटल, 3100 रुपये की दर से धान खरीदी करने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा राज्य के माताओं एवं बहनों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु महतारी वंदन योजना प्रारंभ कर प्रतिमाह उन्होंने 01 हजार रुपये की राशि प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार मोदी की गारंटी के तहत की गई प्रत्येक वायदों को पूरा करने के लिए कृतसंकल्पित है। इस अवसर पर उन्होंने गर्भवती माताओं को सुपोषण किट भेंट कर उनके गोद भराई रस्म को पूरा किया। इसके अलावा उन्होंने नन्हें-मुन्हें बच्चों को स्वादिष्ट मिष्ठान खिलाकर उनका अन्नाप्राशन कराया। साव ने कार्यक्रम स्थल में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी निरीक्षण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश साहू संघ के अध्यक्ष टहल सिंह साहू ने साहू समाज के लोगों को आपसी भाईचारा, प्रेम एवं परस्पर सहयोग के साथ तथा शिक्षित एवं संस्कारवान बनकर समाज के प्रगति में अपना योगदान देने की अपील की। जनप्रतिनिधि एवं प्रदेश साहू संघ के सलाहकार पवन साहू ने समाज के लोगों को भक्तमाता कर्मा, भामाशाह आदि विभूतियों से प्रेरणा लेकर समाज के विकास में अपना योगदान देने को कहा। इस अवसर पर स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए तहसील साहू संघ के अध्यक्ष सोमेश साहू ने साहू समाज के मांगों की ओर उप मुख्यमंत्री अरूण साव का ध्यान आकृष्ट कराया। समारोह में साहू समाज के लोगों के द्वारा कार्यक्रम स्थल में पहुँचने पर उप मुख्यमंत्री अरूण साव का छत्तीसगढ़ के परंपरागत राउत नाचा के सुमधुर धुन पर भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। समारोह में साहू समाज के सामाजिक प्रतिनिधियों के अलावा बड़ी संख्या स्वजातिजन एवं आम नागरिक उपस्थित थे।

दल्लीराजहरा में भिलाई स्टील प्लांट प्रबंधन के विरोध में राजहरा परिवहन संघ का अनिश्चितकालीन हड़ताल

पायनियर संवाददाता ➤ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

दल्लीराजहरा में भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) प्रबंधन के विरोध में राजहरा परिवहन संघ अनिश्चितकालीन आंदोलन कर रहा है। सोमवार को दल्ली राजहरा में ट्रांसपोर्टरों ने प्रदर्शन किया, जिसके चलते माइंस के काम में लगे सभी वाहनों के पहिए थम गए हैं। राजहरा परिवहन संघ दल्ली राजहरा के द्वारा छह दिनों से धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। वहीं उनकी मांगों कर समर्थन करने डौंडीलोहारा के युवराज लाल निवेंद्र सिंह टेकाम भी पहुंचे। दल्लीराजहरा परिवहन संघ द्वारा 6वें दिवस भी धरना प्रदर्शन जारी रहा। जो अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर बैठे है। जो पूरे क्षेत्र के हित के लिए किया जा रहा है। जिसमें परिवहन संघ के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तुली ने बताया कि हमने 15 सालों से इस मांगों को लेकर शासन प्रशासन से मांगे करते आ रहे है। जिसमें केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था की आप लोगो की मांगे जायज है और आप लोगों को मिलना चाहिए। उनकी समस्याएं सुन निवेंद्र सिंह टेकाम ने कहा कि मैं आप लोगों की मांगे हमारे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के पास रखूंगा और राज्य शासन से जो मदद हो सके उसको मैं करवाने का प्रयास करूंगा और यह भी बताना चाहता हूं कि यह भूमि राजमाता रानी झमित कुंवर देवी जो कि मेरी दादी द्वारा दिया गया था और जिस उपयोग के लिए तथा क्षेत्र के विकास के लिए दिया गया था और क्षेत्र वाशियो के रोजगार का संसाधन पैदा हो जिससे लोग खुशहाली से क्षेत्र में जीवनयापन कर सके जिससे सभी धर्म समुदाय एवं सभी श्रेणियों का विकाश हो सके इस कारण दिया गया। प्रदर्शन की वजह से माइंस से आयरन ओर के परिवहन का काम बाधित हो गया है वहीं प्रदर्शनकारियों ने माइंस से निकलने वाली सभी गाड़ियों को रोक दिया है, जिससे चक्काजाम जैसी स्थिति निर्मित हो गया है। यहां राजहरा परिवहन संघ के सैकड़ों लोग धरने पर बैठे हैं। इस वजह से प्रोडक्शन काम भी प्रभावित हो रहा है।

राजहरा शहर के विकास का उठाया गया है मुददा

राजहरा परिवहन संघ के अध्यक्ष नरेन्द्र तुली ने बताया कि संघ अपने साथ साथ शहर की समस्याओं के लिए भी आगे आया है। राजहरा खनिज नगरी कहलाती थी. आज आधुनिकता के साथ यहां पर बेरोजगारी चरम पर है. तेजी से लोग इस शहर से पलायन कर रहे हैं. एक लाख की आबादी वाले इस शहर की आबादी आज केवल 30000 तक रह गई है। यह शहर पूरी तरह माइनिंग सेक्टर पर निर्भर था. यहां से करोड़ों रुपए की रॉयल्टी प्रशासन को मिलती है. राजहरा परिवहन संघ की मांग है कि खनिज संस्थान न्यास से मिलने वाली राशि का उपयोग शहर के विकास के लिए करना चाहिए. रोजगार के अवसर बनाने से संबंधित मांगों को हमने रखा है।

जानिए क्या है आंदोलन की मुख्य वजह

राजहरा परिवहन संघ अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर पिछले कुछ दिनों से बीएसपी प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा है। दल्लीराजहरा नगर स्थित बीएसपी अधिनस्थ आईओसी की खानों से निकलने वाले लौह अयस्क का 100 प्रतिशत टांसपोर्टेशन रेल मार्ग से किया जा रहा है। रेलगाड़ी तक माल लाने के लिए ट्रैकों का उपयोग किया जाता है। राजहरा परिवहन संघ की मांग है कि रॉ मटेरियल के ट्रांसपोर्टिंग में 35 से लेकर 40 फीसदी तक हिस्सेदारी उन्हें मिलनी चाहिए. ताकि उनकी रोजी-रोटी पर कोई सवाल ना उठ पाए।
दल्लीराजहरा से भिलाई तक रेलमार्ग से 100 फीसदी माल परिवहन कार्य का 40 प्रतिशत काम राजहरा परिवहन संघ के मालवाहकों को दिया जाए.वर्तमान में हितकसा में निर्माणाधीन पैलेट प्लांट से बनने वाले पैलेट का परिवहन कार्य राजहरा परिवहन संघ को दिया जाए, बीएसपी प्रबंधन द्वारा निजी क्षेत्र को बेची जाने वाली अनुपयोगी लौह अयस्क का परिवहन कार्य राजहरा परिवहन संघ को दिया जाए, क्षेत्र की जनता के लिए समुचित रोजगार मुहैया कर पलायन को रोका जाए. जिला खनिज न्यास निधि से मिलने वाली राशि का अधिकतम उपयोग शहर के विकास कार्य के लिए किया जाए।

बाल विवाह मुक्त दुर्ग अभियान का शपथ के साथ हुआ शुभारंभ

पायनियर संवाददाता ➤ उतई
www.dailypioneer.com

बाल विवाह की रोकथाम हेतु जिले में कलेक्टर के मार्गदर्शन में बाल विवाह मुक्त दुर्ग अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान में परियोजना दुर्ग ग्रामीण के सेक्टर उतई में शासकीय दानवीर तुलाराम कॉलेज उतई तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला उतई में बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ हेतु शपथ लिया गया। परियोजना अधिकारी ऊषा झा ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि 18 वर्ष से पहले लड़की का तथा 21 वर्ष से पहले लड़के का विवाह एक सामाजिक कुरीति तथा कानूनन अपराध है। कम उम्र में शादी से बहुत सी शारीरिक, मानसिक, आर्थिक समस्या होती है तथा स्वास्थ्य पर बहुत गंभीर प्रभाव पड़ता है। इसके रोकथाम के लिए हम सबको मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने बच्चों से अपील की कि इस तरह के केस अपने आस पास दिखाई देने की स्थिति में तुरंत गांव के कोटवार, महिला बाल विकास विभाग, आंगनवाड़ी, आईसीपीएस चाइल्ड लाइन टीम आदि कहीं भी सूचना दें ताकि घटना को पहले ही रोका जा सके। सबकी जागरूकता से ही इस सामाजिक कुरीति को पूरी तरह खत्म किया जा सकता है। कार्यक्रम में आईसीपीएस चाइल्ड लाइन टीम, कॉलेज के प्रोफेसर, स्कूल की शिक्षक शिक्षिकाएं, पर्यवेक्षक प्रमिला वर्मा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरिता साहू, माधुरी ठाकुर, फुलेश्वरी, प्रेमकुमारी, सरस्वती, सीमू तथा बड़ी संख्या में स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी उपस्थित थे।

पेड़ के बिना जीवन की कामना दुर्लभ है : शास्त्री

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

श्रीमद् भागवत ज्ञान सप्ताह यज्ञ महा महोत्सव में षष्ठम दिवस की कथा भाग में आचार्य पंडित झम्मन शास्त्री महाराज ने रुक्मणी विवाह के मंगल मय प्रसंग मे समस्त भक्तो को सुनाते हुए कहा की पेड़ो के बगैर जीवन की कामना दुर्लभ है। जीवन संभव ही नहीं विदेश में नदियां पर्वत पेड़ पौधे को केवल उपभोग की वस्तु ही माना जाता है जबकि भारत देश में जहां नदी और पेड़ों की पूजा होती है। देश में हो रही वृक्षों की अंधाधुंध कटाई से वायुमंडल एवं प्रकृति को कष्ट होता है इसी प्रकार यह कार्य होता रहा तो विनाश संभव है। हजारों साल पहले ही पता चला कि मानव जाति का अस्तित्व तब तक है। जब तक नदियां, गौ माता, है बच्चे कोई भी त्यौहार हो यदि एक पेड़ रोपने का मन बना लिया जाए तो 135 140 करोड़ आबादी वाले इस देश में अरबो खराबो की संख्या में पेड़ पौधे लगाए जा सकते हैं। शास्त्री महाराज ने बताया कि भगवान श्री कृष्ण से हम यह सीख सकते हैं की प्रकृति से कैसे प्रेम किया जाए और भगवान श्री कृष्ण यही संदेश देते हैं। की प्रकृति से प्रेम करें यह प्रभु ने सिखाया है। की पूजा भी आवश्यक है। सनातन धर्म मे प्रभु में बिना प्रकृति के कोई भी अनुष्ठान संपन्न नहीं होते रासलीला की ही ले लो यह लीला गोलोक की लीला है। व्यक्ति को कोशिश करनी चाहिए। कि अहंकार का अंश मात्र भी उनके अंदर मौजूद न रहे। किसी तरह आडंबर से भी बचना चाहिए । लोग आराधना के नाम पर पूजा उपासना के नाम पर दूरी बना लेते हैं। इसे बढ़ाने की जरूरत है ।तब जाकर पृथ्वी पर मनुष्य आगामी हजारों वर्षों तक स्वास्थ्य और संपन्न रहेगा । शास्त्री ने बताया की भागवत कथा राम कथा की परंपरा साल भर चलती रहे। इसी के बहाने लोग 365 दिन यानी साल भर भागवत से जुड़े साथ ही सनातन धर्म का उत्थान होगा। बाल लीला रासलीला के आनंद के साथ-साथ हमें यह भी समझना है कि शिशुपाल और कंस का वध किन परिस्थितियों में हुआ हमें आती वाचलता, दमनकारी, हथकंडो से अपने हाथ खींच लेना चाहिए तथा रुक्मणी मंगल के पावन उत्सव में मंगल परिणय भगवान लक्ष्मी नारायण स्वरूप रुक्मणी और कृष्ण की पूजन आराधना का कार्य संपन्न हुआ।

विधायक साहू 3 लाख 50 हजार के मिनी गार्डन निर्माण का किया भूमि पूजन

बच्चों के झूले पाथवे के साथ आकर्षक विद्युत व्यवस्था भी होगी

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

नगर पंचायत बेरला मे गौठान के समीप 3 लाख 50 हजार की लागत से बनने वाले सर्व सुविधा युक्त एक नवीन मिनी गार्डन का निर्माण करने जा रही है, जिसका विधि वत भूमि पूजन बुधवार को विधायक दीपेश साहू ने किया द्यद्य विधायक दीपेश साहू ने बताया की बताया कि इस नवीन मिनी गार्डन में बच्चो के मनोरंजन के साधन झूले सहित अन्य सामान और टहलने के लिए पाथवे भी गार्डन में लगाए जाएंगे। साथ ही आकर्षक विद्युत व्यवस्था भी की जाएगी। इस दौरान वार्ड 15 के पार्षद लक्ष्मी लता वर्मा सूर्यकांत साहू, राजू जायसवाल, राघव सिन्हा, दीपक ठाकुर, शिवझड़ी सिन्हा, दाऊलाल, गजेंद्र सेन, कन्हैया सेन, नवीन देवांगन, हितेश्वर निर्मलकर, पुरुषोत्तम यादव, कविता जैन, रेवती साहू, नीलकंठ ठाकुर, सुक्रिता सोनकर, पूजा धिवर, सुकवारा ठाकुर, पूर्णिमा जांगड़े जनप्रतिनिधि, नप कर्मचारी, गणमान्य नागरिक सहित पार्षद मौजूद रहे।

एसपी बेमेतरा रामकृष्ण साहू ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना चौकी प्रभारियों की बैठक

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों सहित थाना/चौकी प्रभारियों की बैठक ली। जिसमें लंबित मर्ग की जांच कर शीघ्र निराकरण करने निर्देश दिये गए। लगातार मर्ग जांच कर समय अवधि में राजपत्रित अधिकारियों से समीक्षा कराकर मर्ग डायरी एसडीएम न्यायालय से अनुमति प्राप्त कर विधिवत मर्ग का निकाल करने निर्देशित किया गया तथा थानो में पंजीबद्ध धोखाधडी व आईटी एक्ट के प्रकरणों का जल्द से जल्द निकाल करने हेतु जिले के राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना/चौकी प्रभारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम प्रकरण में फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर प्रकरण का निकाल करने निर्देशित किया गया। धोखाधडी व आईटी एक्ट एवं अन्य प्रकरणों में फरार आरोपियों के विरूद्ध 173 (8) जाफौ के मामलो में शीघ्र विवेचना पूर्ण कर फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश करने निर्देश दिये गये। तथा मुसाफिर चेकिंग करने, होटल ढाबा, लाज, चेक करने, बैंक, एटीएम, स्कूल/ कालेजों एवं भीड-भाड वाले जगहो तथा रात्रि में गस्त के दौरान लगातार पेट्रोलिंग करनें हेतु निर्देशित किया गया।

प्रधान अध्यापक दुखुराम साहू हुए सम्मानित

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

भारतीय दलित साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा भारतीय संविधान दिवस के उपलक्ष्य में दुखु राम साहू प्रधानाध्यापक शासकीय प्राथमिक शाला मोहरेंगा विकास खण्ड व जिला बेमेतरा को संत माता कर्मा समाजवीर अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह उपाधि उसके द्वारा किए गए समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी कार्य करने के लिए और सृजनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए शिक्षा, कला, खेलकूद, नशाबंदी, ग्राम उत्थान, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण, संस्कृति एवं व्यक्तित्व विकास की आवश्यकताओं में योगदान करने के लिए श्रेष्ठ भूमिका का परिचय देने के कारण मिला है, आप के द्वारा दलित पिछड़े एवं कमजोर लोगों को मानवाधिकार दिलाने एवं शोषण मुक्त समतामूलक समाज बनाने में आप सदैव तत्पर रहे हैं,यह कार्यक्रम गुरु घांसी दास भवन न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि सेवा निवृत्त जज एस.एल.मात्रे, अध्यक्षता सुशीला बाल्मीकि, विशिष्ट अतिथि के रुप संजय मैथिल राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक, छन्नु लाल बंजारे राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक, नितिन पोटाई, डॉ .गोकुल बंजारे चंदन राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त सेवा निवृत्त शिक्षक साहित्यकार बेमेतरा, एवं बड़ी संख्या में अवार्डी एवं गणमान्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रांताध्यक्ष जी.आर.बंजारे ज्वाला भारतीय दलित साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा किया गया।

हाई, हायर सेकंडरी स्कूल परीक्षा परिणाम उन्नयन के उद्देश्य विशेषज्ञ व्याख्याताओं की बैठक सह कार्यशाला

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमेतरा में हाई/हायर सेकंडरी स्कूल परीक्षा परिणाम उन्नयन के उद्देश्य को लेकर जिले के विषय विशेषज्ञ व्याख्याताओं की एक आवश्यक बैठक सह कार्यशाला आयोजित की गई। उक्त बैठक में विशेष रूप से उपस्थित दुर्ग संभाग के संयुक्त संचालक रूपलाल ठाकुर ने संबोधित करते हुए कहा कि लोक शिक्षण संचालनालय ने विशेष रूप से बोर्ड परीक्षा परिणाम में सुधार हेतु आवश्यक कार्ययोजना बना कर क्रियान्वित करने निर्देशित किया है,इसी परिप्रेक्ष्य में बैठक आयोजित की गई है, जिसमें आप लोगों को प्रश्नपत्र निर्माण, ब्लू प्रिंट सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी दी जाएगी जिसे आप विकासखंड स्तर पर आयोजित कार्यशाला में अन्य विषय शिक्षकों को देंगे। उन्होंने कि आप सबका समन्वित एवं सार्थक प्रयास न केवल आपके जिले के परीक्षा परिणाम में सुधार करेगा वरन संभाग और प्रदेश में बेमेतरा की स्थिति सम्मानजनक होगी। अतः आप सब अपनी संपूर्ण क्षमता और योग्यता से विद्यार्थियों के हित मे कार्य करें। बैठक मे जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.कमल कपूर बंजारे ने परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु जिले की कार्य योजना से परिचित कराया, उन्होंने बताया कि जिले के विषय विशेषज्ञ व्याख्याताओं की एक टीम तैयार की गई है जो जिले के विद्यालयों में जाकर विद्यार्थियों का विशेष मार्गदर्शन करेंगे, उन्होंने सभी विद्यालयों को ब्लू प्रिंट के आधार पर प्रश्नपत्र से अर्ध वार्षिक परीक्षाआयोजित करने, समय सीमा में पाठ्यक्रम पूर्ण करने, अतिरिक्त कक्षाओं का आयोजन, कमजोर विद्यार्थियों के लिए उपचारात्मक कक्षा, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए जिला स्तर पर विशेष कोचिंग की व्यवस्था एवं राज्य के उत्कृष्ट शिक्षण संस्थाओं का भ्रमण जैसी योजना बनाई गई है। सहायक जिला परियोजना अधिकारी सुनील कुमार झा ने प्रश्न पत्र निर्माण की प्रक्रिया में ब्लू प्रिंट की भूमिका तथा विभिन्न विषयों के ब्लू प्रिंट की सरंचना को सविस्तार समझाया। सहायक संचालक एस.पी. कोसले प्राचार्य एस.एस.ठाकुर एवं छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के विषय विशेषज्ञ विकेश यादव ने भी ब्लू प्रिंट के विभिन्न उद्देश्यों, कठिनाई स्तर, विषय वस्तु तथा ब्लू प्रिंट पर आधारित प्रश्न पत्र निर्माण पर विस्तृत चर्चा की। उपस्थित विषय विशेषज्ञों ने भी कार्यशाला में अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर जिला दुर्ग के सहायक संचालक एस.एन.व्ही.स्वामी, संस्था प्राचार्य संत राम साहू, एपीसी भूपेंद्र साहू, संघ के अध्यक्ष बलदाऊ पटेल, सहित जिले के विद्यालयों के व्याख्याता उपस्थित थे।

शिकसा द्वार रंगोली सजाओ प्रतियोगिता के परिणाम घोषित

शिक्षक वर्ग से शशिकला पाण्डेय व विद्यार्थी वर्ग से नैना निषाद प्रथम

पायनियर संवाददाता ➤ उतई
www.dailypioneer.com

शिक्षक कला व साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में दीपावली के अवसर पर शिक्षक व छात्रों के लिये भव्य शिकसा द्वार रंगोली सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन संयोजक डॉ. शिवनारायण देवांगन आस के सयोजन में किया गया जिसमें लगभग 400 प्रतिभागियों ने भाग लेकर अपने द्वार को रंगोली से सजाया गया। संस्थापक व संयोजक डॉ. शिवनारायण देवांगन आस ने परिणाम घोषित करते हुए बताया कि इस सभी प्रतिभागी एक से बढ़कर एक रंगोली बनाया था जिसका निर्णय करने में काफी समय लगा कि परिणाम इस तरह है। शिक्षक वर्ग से प्रथम स्थान शशिकला पाण्डेय उच्च वर्ग शिक्षक कुरुद भिलाई जि.दुर्ग, द्वितीय स्थान छाया साहू शिक्षक डूमरपारा जिला सक्ति व तृतीय स्थान शिल्पी राय शिक्षक कुआंगोदी जिला बालोद वही विद्यार्थी वर्ग से प्रथम स्थान नैना निषाद पारागांव अभनपुर जि.रायपुर, द्वितीय स्थान सूर्यकांत वर्मा परसदा 05 (सोंठ)अभनपुर जि.रायपुर व तृतीय स्थान फाल्गुनी साहू ग्राम रॉवड पो.परसदा (जोशी) वि.खं. फिंगेश्वर जि.गरियाबंद रहे। संयोजक डॉ.शिवनारायण देवांगन आस ने बताया कि इन सभी को पुरस्कार वितरित 05 जनवरी 2025 को होने वाले शिकसा महोत्सव कार्यक्रम में पुरस्कार वितरित किया जायेगा इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर अपना पुरस्कार ग्रहण कीजिए। इस अवसर पर प्रातांध्यक्ष कौशलेन्द्र पटेल, उपाध्यक्ष हर्षा देवांगन, प्रीतिचंद्र मल्लिका, विनोद डडसेना, महासचिव डॉ.बोधीराम साहू, कोषाध्यक्ष जगन्नाथ प्रसाद देवांगन, संगठन मंत्री राधेश्याम कंवर, मीडिया प्रभारी गोपाल ध्रुव, सहसचिव उषा भट्ट, सलाहकार डॉ.प्रमोद आदित्य व टीकाराम सारथी हसमुख संयुक्त सचिव पुष्पाजंलि ठाकुर, प्रातांध्यक्ष म.प्रकोष्ठ नीता त्रिपाठी, महासचिव संध्या पाठक, संगठन मंत्री बुधनी अजय, सरोजनी साहू कार्यक्रम प्रभारी व जिलाध्यक्ष जांजगीर विजय कुमार प्रधान, महासचिव रामलाल कोशले, जिलाध्यक्ष दुर्ग होरीलाल चतुर्वेदी, महासचिव संगीता चन्द्राकर, कोषाध्यक्ष प्रज्ञा सिंह, मनोज कुमार गुप्ता सहित सभी पदाधिकारी व सदस्य ने सभी को बहुत बहुत बधाई दिया।

24 घंटे भी नहीं चला 7 लाख का डामरीकरण, सड़क पर डामर के बजाए नजर आ रहा गिट्टी, मीडिया के दखल के बाद फिर डामरीकरण करने का दे रहे हवाला

पायनियर संवाददाता ➤ जांजगीर चांपा
www.dailypioneer.com

शहर के थाना चौक से डामरीकरण का काम शुरू कराया गया था, जो 24 घंटे भी नहीं चला। सड़क पर डामर के बजाय गिट्टी ही नजर आ रहा है। नगर पालिका के इंजीनियर विभिन्न निर्माण कार्यों में लापरवाही पर रखते हैं, जिसके चलते शहर के लोगों को विकास कार्य का लाभ नहीं मिल पा रहा है। चांपा के थाना चौक से पोस्ट ऑफिस तक 7 लाख की लागत से डामरीकरण का कार्य बुधवार की दोपहर प्रारंभ कराया गया था, लेकिन 24 घंटे बाद सड़क पर डामर के बजाय गिट्टी नजर आ रहा है। इस कार्य के संबंध में हाल ही में मीडिया में खबर भी आई थी, जिस पर सीएमओ ने कार्य निरस्त होने का हवाला दिया था, लेकिन बुधवार की दोपहर आनन फानन में डामरीकरण का कार्य प्रारंभ कराया गया। पहले ही इस मार्ग में कई जगह गड्ढे थे। डामरीकरण के बाद लोगों में इन गड्ढों से राहत मिलने की उम्मीद जगी थी लेकिन यह डामरीकरण के बाद लोगों की समस्या और बढ़ गई है। जिम्मेदारों का गैर जिम्मेदारी पूर्ण

जवाब - नगर पालिका के जिम्मेदारों का इस संबंध में गैर जिम्मेदारी पूर्ण जवाब रहता है। सीएमओ भोला सिंह ठाकुर का कहना है इस मामले में लिखित कोई शिकायत आती है तब उस सम्बंध में जांच व कार्रवाई की जाएगी। वही देवेन्द कैवर्त्य का कहना है स्टीमेट के अनुसार काम पूरा हो गया है। कही कोई गड़बड़ है तो उसे देखकर ठीक करा दिया जाएगा।

मीडिया की दखल के बाद फिर काम शुरू

इंजीनियर देवेंद्र कैवर्त्य ने डामरीकरण का कार्य पूर्ण होने की बात कही तो वही सीएमओ भोला सिंह ठाकुर ने भी डामरीकरण के बाद ऊपर में रेत डालने का हवाला दिया। जैसे ही मीडिया प्रतिनिधि नगर पालिका कार्यालय से बाहर आए उसके थोड़े ही देर बाद काम बचे होने और एक फाइनल डामरीकरण लेयर होने की जानकारी दी।उन्होंने कहा काम पूरा होने के सम्बंध में जानकारी नही थी इसलिए अधूरी जानकारी ही दी गयी थी। इससे समझा जा सकता है नपा के जिम्मेदार यहां अपने कर्तव्यों का निर्वहन कितनी जिम्मेदारी से कर रहे है।

जनता के पैसों की हो रही बर्बादी

चांपा शहर में करोड़ों की लागत से विकास कार्य कराने का दावा किया जाता है। लेकिन निर्माण कार्यों की गुणवत्ता तार-तार हो रही है।थाना चौक से प्रारंभ हुए डामरीकरण का कार्य भी गैर जिम्मेदार तरीके से पूर्ण कर लिया गया था।लेकिन इस मामले में मीडिया की दखल के बाद फिर से इस कार्य मे डामरीकरण की लेयर लगाने की बात सामने आ रही है।

कृष्णा फायनेंस को पुलिस ने भेजा नोटिस

- हाल ही में यही से हजारों लोगों को लगाया गया था चुना, पुलिस ने लोगों से की सावधानी बरतने की अपील

पायनियर संवाददाता ➤ जांजगीर चांपा
www.dailypioneer.com

चांपा ओम सिटी में संचालित फ़्लोरा मैक्स ने हजारों लोगों को चुना लगा दिया। ऐसी ही फर्जी कंपनी सक्रिय है जो लोगों को अपने जाल में फंसा रही है। ओम सिटी में ही एक कृष्णा फायनेंस के नाम से कार्यालय संचालित है।जो पुलिस की नजर में संदिग्ध है। चांपा पुलिस ने कृष्णा फायनेंस चांपा को लगभग 12 बिंदुओं पर आधरित नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। ओम सिटी में ही कृष्णा फायनेंस के नाम से संचालित इस कार्यालय से लोन दिलाने का दावा किया जाता है। यह फायनेंस कंपनी के RBI से कन्सर्ट होने के संबंध में भी कोई प्रमाण कार्यालय में नही है। कार्यालय में बैठे डायरेक्टर कृष्ण कुमार बरेठ ने पुलिस को बताया कि वह सिर्फ फायनेंस कंपनी के जरिए लोन दिलाने का मध्यस्थता करता है। ऐसी स्थिति में कृष्णा फायनेंस का कार्यकाल खोलकर लोगों को लोन दिलाने का झांसा देना उचित नही है। इस संबंध में चांपा पुलिस ने कृष्णा फायनेंस को 12 बिंदुओं में नोटिस भेजकर पूछा है आखिर किस आधार पर कृष्णा फायनेंस का कार्यकाल संचालित किया जा रहा है। फायनेंस कंपनी में उसकी नियुक्ति और फायनेंस कंपनी का RBI से कन्सर्ट होने सहित अन्य बिंदुओं पर जानकारी मांगी है।

लोगों में सावधानी जरूरी – आज के दौर में ऑनलाइन और ऑफ लाइन तरीके से लोग दूसरे को ठगने के लिए सक्रिय है। हाल ही में इसी ओम सिटी में संचालित फ़्लोरा मैक्स कंपनी ने हजारों लोगों को चुना लगाकर 100 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर दी।इसके झांसे में आए लोग अपनी खून पसीने की कमाई वापस पाने के लिए दर-दर की ठोकरे खा रहे है। इसीतरह ऑनलाइन जरिए से भी लोगो को ठगने का सिलसिला जारी है।अभी कृष्णा फायनेंस की संदिग्धता पर पुलिस ने सवाल उठाया है इसलिए लोगों में सावधानी जरूरी है।

इस संबंध में थाना प्रभारी डॉ. नरेश पटेल का कहना है ओम सिटी में संचालित कृष्णा फायनेंस के खुद को डायरेक्ट बताने वाले कृष्ण कुमार बरेठ को 12 बिंदुओं मेंनोटिस भेजकर जानकारी मांगी है। जानकारी मिलने के बाद मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी।

परसुल से प्रहार कर वीभत्स हत्या करने के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

पायनियर संवाददाता ➤ सक्ती
www.dailypioneer.com

फास्ट ट्रैक कोर्ट शक्ति के विशेष न्यायाधीश बी. आर. साहू द्वारा 21 वर्षीय युवती के हत्या के मामले में अभियुक्त के विरुद्ध आरोपित अपराध दोष सिद्ध पाए जाने पर आरोपी को आजीवन कारावास की सजा एवं अर्थदंड से दंडित करने का निर्णय पारित किया गया है। विशेष लोक अभियोजक राकेश महंत ने बताया कि 21 वर्षीय युवती 25 नवंबर 2023 को अपने घर में अकेली थी उसके पिता और भाई सुबह मोटरसाइकिल से हार्वेस्टर से धान काटने के लिए सरसीवा चले गए थे उसकी मां गांव में स्थित आंगनवाड़ी में पढ़ाने चली गई थी एवं छोटी बहन सवेरे कॉलेज में पढ़ने के लिए शक्ति चली गई थी। आरोपी सुनेपन का फायदा उठाकर युवती के घर में अपने मोटर साइकिल से लगभग दोपहर 12:00 बजे घर के अंदर आया। आरोपी ने अपने मोटरसाइकिल को युवती के घर के बाहर खड़ा किया और घर में प्रवेश किया तथा कुछ देर बाद घर से हड़बड़ा कर निकलते हुए मोटरसाइकिल से भागते हुए गया जिसे वहां पर क्रिकेट खेल रहे लड़कों ने देखा तथा आरोपी को घर से भागते हुए युवती के बुआ ने घर के दरवाजे पर देखा। मृतिका के बुआ ने घर अंदर जाकर देखा तो मृतिका मर चुकी थी तथा उसके दाएं गला के तरफखून निकल रहा था तथा वह बिस्तर में पड़ी हुई थी। मृतका के बुआ ने तत्काल घर से बाहर निकला और आरोपी के बारे में वहां क्रिकेट खेल रहे बच्चों से पूछताछ किया तो उन्होंने बताया कि आरोपी हड़बड़ाते हुए अपने मोटर साइकिल से भाग गया है जिसे उन्होंने देखा है। मृतका के बुआ ने तत्काल गांव में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र जाकर मृतका के माता को घटना के बारे में बताई की तुम्हारी बड़ी बेटी को आरोपी हरिओम ने घर में आकर उसके गले को हथियार से मार कर उसकी हत्या कर दी है। मृतका की बुआ और उसके माता आंगनबाड़ी से हड बडाते हुए पैदल घर आए तो देखा कि मृतिका बिस्तर में मृत पड़ी हुई थी तथा उसके दाएं गले से खून निकल रहा था तथा बिस्तर के चादर में भी खून दिख रहा था जिसे देखते ही मृतका की माता और उसकी बुआ चिल्ला चिल्लाकर रोने लगी जिसकी आवाज को सुनकर वहां क्रिकेट खेल रहे लड़के और गांव वाले घर के अंदर गए तथा उन्होंने भी मृतिका को देखा।

कलेक्टर ने किया जिला अस्पताल का निरीक्षण

मरीजों को उच्चतम स्तर की मिले सुविधाएं–कटारा

पायनियर संवाददाता ➤ बलरामपुर
www.dailypioneer.com

जिले के नवपदस्थ कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा ने जिला अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मरीजों व उनके परिजनों से बातचीत कर अस्पताल में दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली। इमरजेंसी वार्ड, सोनोग्राफी कक्ष, एक्स-रे कक्ष, रक्त संग्रहण कक्ष, जनरल वार्ड और पोषण पुनर्वास केंद्र सहित अन्य वार्ड का अवलोकन किया। उन्होंने जिला अस्पताल के प्रत्येक विभाग की कार्य प्रणाली की समीक्षा करते हुए व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से संवाद किया और व्यवस्थाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मरीजों से यह भी पूछा कि क्या उन्हें समय पर उपचार,दवाइयां और भोजन मिल रहा है। कलेक्टर ने अस्पताल प्रबंधन द्वारा मरीजों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता और पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती शिशुओं के पोषण आहार के बारे में जानकारी ली। उन्होंने दाल-भात, सब्जी और अन्य पोषक पदार्थों की उपलब्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अस्पताल प्रबंधन को साफ-सफाई, दवाइयों की उपलब्धता और मरीजों को समय पर सेवाएं प्रदान करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मरीजों को उच्चतम स्तर की सुविधाएं मिलनी चाहिए और किसी भी समस्या का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए।

राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों की अब लेनी होगी अनुमति : कलेक्टर व्यास

- गृह विभाग की ओर से जारी किया गया है आदेश, बगैर अनुमति नहीं होंगे कार्यक्रम

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

गृह विभाग द्वारा जिले में विविध सार्वजनिक कार्यक्रमों, आयोजनों की पूर्व अनुमति लेने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर रोहित व्यास ने विविध सार्वजनिक कार्यक्रमों, आयोजनों की पूर्व अनुमति लेने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि जिले में विविध, निजी, सार्वजनिक, धार्मिक, राजनैतिक व अन्य संगठनों अथवा संस्थओं के द्वारा विभिन्न आयोजनों, यथा धरना, जुलूस, रैली, प्रदर्शन, भूख-हड़ताल, सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक आदि आयोजन जिसमें भीड़ आती हो इस हेतु जिला प्रशासन से निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत करना होगा। साथ ही प्रारूप में सम्पूर्ण विवरण की जानकारी देनी होगी। बिना अनुमति के कोई भी सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं किए जा सकेंगे।

एसडीएम जशपुर ओंकार यादव ने आगामी निर्वाचन की तैयारी के संबंध में ली बैठक

- मतदाता सूची, मतदान केंद्र और रूट चार्ट के संबंध में दिए आवश्यक निर्देश

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

जशपुर एसडीएम ओंकार यादव ने आगामी निर्वाचन की तैयारी के संबंध में अपने कार्यालय में समीक्षा बैठक ली और मतदाता सूची, मतदान केंद्र, रूट चार्ट, सेक्टर अधिकारियों की नियुक्ति के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर बैठक में जशपुर तहसीलदार जयश्री राजनपथे, जनपद सीईओ लोकहित भगत, नगरपालिका सीएमओ योगेश्वर उपाध्याय एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित थे। एसडीएम यादव ने आगामी नगरीय एवं पंचायत आम निर्वाचन के सुचारु रुप से संपादन के लिए निर्वाचन संबंधी कार्य को सर्व प्रथम प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए कहा।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य हमारी प्रथम प्राथमिकता : राजेंद्र कुमार कटारा

नवपदस्थ कलेक्टर ने पत्रकारों से की भेंट मुलाकात

पायनियर संवाददाता ➤ बलरामपुर
www.dailypioneer.com

लोक सेवकों को मुख्यालय में रहने की सख्त हिदायत - चर्चा के दौरान नवपदस्थ कलेक्टर ने कहा कि जिले के पिछड़ेपन एवं पहुंच विहनता का लाभ उठाते हुए ऐसा सुनने में आया है कि बहुत सारे जिम्मेदार अकारी एवं कर्मचारी अपने मुख्यालय में नहीं रहते है, जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को अनेक प्रकार की कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। मैंने स्पष्ट निर्देश जारी किया है कि सभी अधिकारि कर्मचारी अपने मुख्यालय में ही रहना सुनिश्चित कर लें। यदि उन्हें अपात स्थिति में कहीं जाना पड़ रहा है तो वे स्पष्ट रूप से अपने गंतव्य के बारे में बताकर अपने चार्ट में उल्लेखित करे और किस कारण मुख्यालय छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के सभी कर्मियों के साथ उन्होंने अपनी पहली ही बैठक में सभी दण्डातकारियों को निर्देशित किया है कि ये खुद जल जीवन मिशन का सत्यापन करें और सुनिश्चित करें कि अंतिम व्यक्ति तक शुद्ध पेयजल पहुंच सके।

जिले में एक भी मूकबधिर विद्यालय नहीं बड़े दुख कि बात -उन्होनें कहा कि हर प्रतिभावान बच्चों को ऐसी शिक्षा दी जायेगी कि वे व्यवसायिक प्रशिक्षण प्राप्त कर किसी भी अच्छे संस्थान में नौकरी प्राप्त कर सकें या फिर स्वयं का रोजगार प्रारंभ कर ऊँचाईयों तक पहुँच सके। स्वास्थ्य संबंधी शिक्षा को प्राथमिकता पूर्वक लोगों तक पहुंचाया जाएगा। महिलाओं को विशेष रूप से शिक्षित किये जाएंगे। उन्होनें कहा कि जिले में एक भी मूकबधिर विद्यालय नहीं है जो बड़े दुख कि बात हैं। इस जिले में कितने मूकचधिर बालक हैं उनके लिए आवासीय मूकबधिर विद्यालय एवं छात्रावास के स्थापना की दिशा में सबसे पहले कार्य करेंगे।

किसान लाभान्वित हो इसके लिए पि.वैज्ञानिकों से करेंगे चर्चा-उन्होंने कहा कि किसानों के लिए जलवायु के अनुकूल ऐसी व्यवस्था करने का हमारा प्रयास रहेगा कि परंपरागत उपज के साथ ही अन्य दूसरे प्रकार की उपज का लाभ यहां के किसानों को मिल सके। इस दिशा में हम पि.वैज्ञानिकों से चर्चा करके उनसे यह सहयोग मांगेंगे कि वे जलवायु के अनुकूल मिट्टियों का परीक्षण कर यह हमें सुझाव दें कि दूसरे अन्य राज्यों में जो फल,फसल आदि उत्पन्न होते हैं उन्हें यह उपज के लिए क्या किया जाना चाहिए?

100 बोरी अवैध धान से भरी गाड़ी जब्त रात्रि गश्त से मिली पुलिस को कामयाबी

- संदिग्ध अवस्था में थी गाड़ी, कार्यवाही के लिए राजस्व विभाग को सौंपा

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

कुनकुरी पुलिस टीम को रात्रि गश्त के दौरान नेशनल हाईवे-43 में रोड पर संदिग्ध अवस्था में आईसर वाहन 407 क्र. सी.जी. 14 एम.क्यू. 7244 में खपाने के उद्देष्य से धान का परिवहन करने की जानकारी मिलने पर उक्त वाहन को रोककर तलाषी लेने पर वाहन में भारी मात्रा में धान मिला, इस संबंध में वाहन चालक देवलाल केरकेट्टा निवासी पुरनानगर जशपुर को लोड धान के संबंध में पूछने पर बताया कि ट्रक एवं धान का मालिक विशाल गुप्ता निवासी जशपुर है। थाना प्रभारी द्वारा वरिष्ठ अधिकारी के निर्देशन में इसकी सूचना तत्काल एसडीएम कुनकुरी नंदजी पाण्डे, नायब तहसीलदार अरूण बंजारे को दी जाकर मौके पर बुलाया गया एवं आगामी कार्यवाही हेतु उन्हें सौंपा गया। इस कार्यवाही में उप निरीक्षक सुनील सिंह, स.उ.नि. मनोज साहू, प्र.आर. छविकांत पैंकरा, आर. 315 राजेन्द्र तिर्की इत्यादि का योगदान रहा है। विदित हो की इसके पूर्व भी कुंजारा जंगल से ट्रैक्टर के माध्यम से लकड़ी चोरी करने के आरोपी को पकड़कर वन विभाग को सौपा गया है।

जशपुर पुलिस की प्रभावी रात्रि गस्त का ही परिणाम है कि विगत दिनों हुए चंदन लकड़ी चोरी, मोटरसाइकिल चोरी के आरोपियों को पकड़ने में सफलता मिली है, जशपुर पुलिस की यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

-शशि मोहन सिंह, एसपी जशपुर

डॉ. जी. सी. भारद्वाज ने सतनामी समाज और सतनाम दर्शन पर अपने विचार प्रगट किए

डिजाइन थिंकिंग पर कार्यशाला एवं सतनामी समाज का इतिहास एवं सतनाम दर्शन का लोकार्पण

पायनियर संवाददाता ➤ शिवरीनारायण
www.dailypioneer.com

सतनामी समाज के लोगों का इंतजार की घड़ी समाप्त हुई। लंबे इंतजार के बाद शासकीय लक्ष्मनेश्वर स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरौद जांजगीर छत्तीसगढ़ में पदस्थ प्रभारी प्राचार्य और विभागाध्यक्ष डॉ. गुलाब चंद भारद्वाज की पीएच. डी. शोध ग्रंथ पर आधारित सतनामी समाज का इतिहास एवं सतनाम दर्शन का विमोचन एवं लोकार्पण यदुनंदन नगर बिलासपुर के सतनाम भवन में चौबीस नवम्बर को संपन्न हुआ। पुस्तक विमोचन एवं लोकार्पण का यह कार्यक्रम भारत के माइंड गुरु एवं राष्ट्रीय संयोजक पी. बी. एस. पी. और डायरेक्टर जनरल एम. के.एस. ओ.डी. टी. धिमंत पी. आर. अंबेडकर और मुंबई हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेश घामरे के करकमलों से संपन्न हुआ। इसके पहले उनके भीमायन महाकाव्य का विमोचन और लोकार्पण अंतर्राष्ट्रीय मंच लखनाउ में हो चुका है। इस दौरान धिमंत पी. आर. अंबेडकर ने गुरु घासीदास के सतनाम आंदोलन और उनके द्वितीय पुत्र गुरु बालकदास जी के राजा के रूप में ताजपोषी की चर्चा करते हुए। सतनामी समाज के इतिहास और सतनाम दर्शन को विश्व के मानचित्र में स्थापित करने के लिए डॉ. गुलाब चंद भारद्वाज को अपने हार्दिक शुभकामनाएं संप्रेषित की है। इस दौरान उन्होंने थिंकिंग स्किल को आत्मसात कर अपने व्यक्तित्व को निखारने हेतु नये टूल्स एवं टेक्निक बताये। जिसमें उन्होंने विश्व गुरु एडवर्ड डीबोनो और प्रो. जॉन डीवे को रेखांकित करते हुए बुद्ध की प्राचीन विरासत से सीख और सबक लेने की बात कही। जिस दौरान भारत कभी विश्व गुरु और सोने की चिड़िया थी। इस कार्यक्रम में डॉ. जी. सी. भारद्वाज ने सतनामी समाज और सतनाम दर्शन पर अपने विचार प्रगट किए। विजय हिरवानी ने कार्यक्रम का सफल संचालन और गोकुल भारती ने धन्यवाद ज्ञापन किये। इस कार्यक्रम के आयोजन में गोकुल प्रसाद भारती, विजय हिरवानी, प्रदीप बंजारे, वृहस्पती हिरवानी, अरुण भार्गव, डी. आर. कुर्रे सहित बहुसंख्यक अधिकारी, कर्मचारी और महिलाओं का योगदान रहा। नये टूल्स और टेकनिक से सभी अविभूत रहे। कार्यक्रम गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ।

जनर्लिस्ट वेलफेयर यूनियन के प्रदेश सम्मेलन के उद्घाटन एवं समापन समारोह के अतिथि तय

पायनियर संवाददाता ➤ सक्ती
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ प्रदेश में पत्रकारों के सबसे सशक्त, सक्रिय संगठन छत्तीसगढ़ जनर्लिस्ट वेलफेयर यूनियन के आगामी 9 दिसंबर को जांजगीर- चांपा जिला मुख्यालय के जिला पंचायत कार्यालय के पास स्थित राष्ट्रवीर दुर्गा प्रसाद राठौर ऑडिटोरियम में सुबह 9:00 बजे से प्रदेश सम्मेलन, आमसभा एवं त्रि वार्षिक चुनाव का कार्यक्रम आयोजित किया गया है, इस कार्यक्रम में सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक अलग-अलग सत्रों में यह सम्मेलन संपन्न होगा तो वही उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता जनर्लिस्ट वेलफेयर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष अमित गौतम करेंगे, उद्घाटन समारोह के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व संसदीय सचिव अंबेश जांगड़े,भाजपा जांजगीर चांपा जिला अध्यक्ष गुलाब सिंह चंदेल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया, भाजपा नेता इंजीनियर रवि पांडेय,नगर पालिका जांजगीर नैला के उपाध्यक्ष आशुतोष गोस्वामी प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे तो वही दोपहर 02 बजे से आयोजित समापन समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता जनर्लिस्ट वेलफेयर यूनियन के जिला प्रदेश अध्यक्ष अमित गौतम करेंगे।

नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता और लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया

विधायक दीपेश साहू ने समाज में नशा मुक्त वातावरण बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जन जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आज जिला मुख्यालय स्थित जयस्तम्भ चौक मे नशामुक्त भारत अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान स्थानीय विधायक दीपेश साहू, साजा विधायक ईश्वर साहू, कलेक्टर रणबीर शर्मा, पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू, जिला पंचायत सीईओ टेकचंद अग्रवाल, उप संचालक समाज कल्याण बरखा कासू, पूर्व विधायक अवधेश चंदेल सहित जिला स्तर के सभी अधिकारी और स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थी, सामाजिक संगठनों के सदस्य, पार्षद, जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता लाना और लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम मे विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लिया और नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया। इसमें स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थी, सामाजिक संगठनों के सदस्य और स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान नारे लगाए गए और नशे के खिलाफ संदेश फैलाए गए, ताकि युवा पीढ़ी नशे की लत से बचे और एक स्वस्थ समाज की स्थापना हो सके। नशामुक्त भारत अभियान कार्यक्रम में विधायक दीपेश साहू ने एक महत्वपूर्ण आयोजन के दौरान स्कूली बच्चों और उपस्थित लोगों को नशा मुक्त भारत अभियान की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी से नशे से दूर रहने और समाज में नशा मुक्त वातावरण बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। शपथ में लोगों ने यह वचन लिया कि वे न केवल खुद नशे से दूर रहेंगे, बल्कि अपने परिवार, दोस्तों और समाज में भी नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाएंगे। विधायक

दीपेश ने कहा कि नशा मुक्त भारत का निर्माण हम सबकी जिम्मेदारी है, और इसके लिए समाज के हर व्यक्ति को सहयोग करना होगा। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे समाप्त करने के लिए एकजुट हुए हैं। हम सभी नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानते हैं, लेकिन असली चुनौती नशे को छोड़ने के लिए जागरूक होना और कदम उठाना है। नशा सिर्फ व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार और समाज को भी गहरे दर्द में डालता है। इसके कारण परिवार बिखर जाते हैं, रिश्तों में दरार आ जाती है, और समाज में अस्थिरता फैलती है। उन्होंने आगे कहा कि नशे की आदत से सिर्फ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर नहीं पड़ता, बल्कि यह आर्थिक और सामाजिक रूप से भी परिवारों को नुकसान पहुंचाता है। विधायक ने देश के भविष्य के रूप में स्वस्थ और मजबूत बनें और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। विधायक दिपेश साहू ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, हम एक बार फिर नशे को सभी से अपील की कि वे नशे से दूर रहें और दूसरों को भी इसके खिलाफ जागरूक करें, ताकि एक स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण हो सके। साजा विधायक ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अच्छे विचार और अच्छे वातावरण में रहने की सलाह दी। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी देश का भविष्य है, और यदि वे नशे की लत में फंसते हैं, तो यह न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करेगा, बल्कि देश की प्रगति और विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। कलेक्टर ने युवाओं को प्रेरित किया कि वे स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, शिक्षा और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करें, ताकि वे राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय और सकारात्मक भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। साथ ही उन्होंने नशा मुक्त समाज बनाने में युवाओं से जागरूकता फैलाने का भी आग्रह किया। पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने स्कूली बच्चों को संबोधित करते हुए अधिकारियों और शिक्षकों ने उन्हें नशे से दूर रहने की सलाह दी। बच्चों को बताया गया कि नशा उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है और यह उनके भविष्य को बर्बाद कर सकता है। उन्हें जागरूक किया गया कि नशे की लत से बचकर ही वे एक सफल और उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ सकते हैं। साथ ही, बच्चों से आग्रह किया गया कि यदि वे किसी भी प्रकार के नशे के संपर्क में आते हैं, तो तुरंत अपने शिक्षकों, माता-पिता या संबंधित अधिकारियों को सूचित करें। इस अवसर पर नशा मुक्ति के महत्व पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया, ताकि बच्चों को सही मार्गदर्शन मिल सके।

कैलीपर्स और कृत्रिम अंग प्रदान के लिए चिन्हांकन शिविर का आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ महासमुंद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस. आलोक के मार्गदर्शन में आज पिथौरा विकासखंड के ग्राम पंचायत लहरौद में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) योजना के तहत निःशुल्क सहायक उपकरण व कैलीपर्स एवं कृत्रिम अंग प्रदान करने हेतु चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर भारतीय कृत्रिम निर्माण निगम (एलिम्को), जबलपुर द्वारा आयोजित किया गया। इस शिविर में 150 लोगों का पंजीयन हुआ एवं विभिन्न सहायक उपकरणों के लिए चिन्हांकन किया गया, जिनमें मोटराइज्ड ट्राइसायकल के लिए 7, सामान्य ट्राइसायकल के लिए 5, एमआर किट 3, व्हीलचेयर 2, श्रवण यंत्र 8, स्मार्टफोन 30, और अन्य 85 सहायक उपकरण शामिल हैं। कुल मिलाकर 140 लाभार्थियों को चिन्हांकित किया गया।इस अवसर पर ग्राम पंचायत लहरौद की सरपंच लता रूपसिंग ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहीं। शिविर का संचालन उप संचालक समाज कल्याण विभाग संगीता सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पिथौरा चंद्रप्रकाश मनहर, और समाज शिक्षा संगठक गुलाब सामल के नेतृत्व में किया गया। आयोजन में समाज कल्याण, पंचायत, और शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। चिन्हांकन शिविर के अगले चरण में दिनांक 28 नवंबर 2024 को सरायपाली विकासखंड के माधवराव सदाशिव गोवलकर हाई स्कूल में शिविर आयोजित किया जाएगा।

न्योता भोज कार्यक्रम : पोषण और शिक्षा का आदर्श संगम

महासमुंद जिले में 507 न्योता भोज में 29 हजार विद्यार्थी हुए शामिल

पायनियर संवाददाता ➤ महासमुंद
www.dailypioneer.com

नेवता भोज कार्यक्रम सामुदायिक सहभागिता से समरसता की ओर एक बेहतर और अनूठी पहल है। इससे समाज और शिक्षा का तालमेल बेहतर होते दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री साय की मंशानुरूप 16 फरवरी से शुरू हुई इस योजना से पालक से दानदाताओं और सामाजिक प्रतिनिधियों द्वारा स्कूलों में जाकर अपने बच्चों के साथ स्कूल में पढ़ने वाले सभी बच्चों के संग खुशियां बांट रहे हैं। महासमुंद जिले में बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए एक नई पहल ने न केवल उनके पोषण स्तर को सुधारा है, बल्कि शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता के महत्व को भी बढ़ाया

है। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत चलाए जा रहे न्योता भोजन कार्यक्रम ने बच्चों और समुदाय के बीच एक गहरी सकारात्मक छाप छोड़ी है। न्योता भोज कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना है, जिससे उनके शारीरिक और मानसिक विकास को गति मिले। इस कार्यक्रम में दानदाताओं, सामाजिक संगठनों, और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर स्कूलों में विशेष भोजनों का आयोजन किया, जिसमें बच्चों को न केवल पोषक आहार मिला, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य के महत्व पर भी जागरूक किया गया। महासमुंद जिले में 507 बार आयोजित इस कार्यक्रम से कुल 29,251 विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया। बागबाहरा विकासखंड में 238 आयोजनों में 13,484 बच्चों को पोषक आहार प्रदान किया। सरायपाली में 70 आयोजनों के माध्यम से 4,406 छात्रों ने लाभ उठाया। इसी तरह, पिथौरा, बसना, और महासमुंद विकासखंडों में क्रमशः 45, 60, और 94 आयोजन सफलतापूर्वक किए गए। न्योता भोज की सफलता का सबसे बड़ा कारण सामुदायिक सहभागिता रही। इसमें दानदाताओं, जनप्रतिनिधियों, और समाज के गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस पहल ने यह दिखाया कि जब समाज और प्रशासन एक साथ काम करते हैं, तो बड़े बदलाव संभव हैं। इसे सामाजिक समरसता की ओर बढ़ते कदम के रूप में देखा जा रहा है। इस कार्यक्रम ने न केवल बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया, बल्कि उनमें शिक्षा के प्रति रुचि और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई। बेहतर पोषण से बच्चों की पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करने की क्षमता में सुधार हुआ और उनके शारीरिक विकास को भी बढ़ावा मिला। न्योता भोज ने साबित कर दिया है कि सही सोच और सामूहिक प्रयासों से किसी भी चुनौती का समाधान संभव है। यह कार्यक्रम न केवल बच्चों को बेहतर जीवन देने की दिशा में कदम है, बल्कि समाज में एकता और सहभागिता का प्रतीक भी बन गया है।

70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को बनवाना होगा नया आयुष्मान कार्ड

पायनियर संवाददाता ➤ कोरबा
www.dailypioneer.com

सरकारी में इंपैनल निजी अस्पतालों में 5 लाख तक मुफ्त इलाज के लिए 70 वर्ष से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों को केवाईसी कराकर नया आयुष्मान कार्ड बनवाना होगा। कार्ड नहीं बनवाने पर सरकारी या निजी अस्पताल में राशन कार्ड के प्रकार के अनुसार पुरानी लिमिट में ही इलाज की सुविधा दी जाएगी। बीपीएल कार्ड होने पर मुखिया सहित पूरे परिवार को हर साल 05 लाख और एपीएल होने पर 50 हजार तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। केवाईसी कराने पर बुजुर्गों का सेपरेट आयुष्मान कार्ड जनरेट हो जाएगा। इस कार्ड से वे किसी भी सरकारी इंपैनल निजी अस्पतालों में 05 लाख तक स्वयं का इलाज करा सकेंगे। नई स्कीम आधार नंबर बेस स्कीम है, इसलिए केवाईसी में राशन कार्ड की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी। 70 प्लस आयु वर्ग के लोग अपने आधार कार्ड से ऑनलाइन या किसी पंजीयन केंद्र- समस्त शासकीय स्वास्थ्य केंद्र, जिला चिकित्सालय एवं पंजीकृत निजी चिकित्सालयों में, च्वाइस सेंटर पर पहुंचकर अपना कार्ड बनवा सकेंगे।

इस प्रकार करा सकेंगे केवाईसी

70 प्लस आयु वर्ग के व्यक्तियों के लिए घर बैठे केवाईसी करना आसान है। केवाईसी के लिए http//beneficiary.nha.gov.in पर जाकर सर्च करने के बाद जो पेज खुलता है, उस पर बाईं ओर यू ट्यूब के दो लिंक प्रदर्शित होते हैं। एक लिंक 70 प्लस से कम आयु वर्ग के लोगों के आयुष्मान कार्ड से संबंधित है। दूसरे लिंक में वृद्धों के केवाईसी व कार्ड बनाने के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। बुजुर्गों के लिए केवाईसी कराने व कार्ड बनवाने की सुविधा जिले के समस्त शासकीय स्वास्थ्य केंद्र, जिला चिकित्सालय एवं पंजीकृत निजी चिकित्सालयों एवं च्वाइस सेंटर पर भी जाकर कर आधार कार्ड से आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं। परिवार के कोटे से अलग 05 लाख निःशुल्क इलाज के लिए 70 प्लस आयु वर्ग के लोगों को नया कार्ड बनवाना अनिवार्य है। सीएमएचओ से प्राप्त जानकारी के अनुसार आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 70 प्लस आयु वर्ग के लोगों को अलग से 05 लाख रूपए तक मुफ्त इलाज की सुविधा दी गई है। इसके लिए हर वृद्ध को आयुष्मान की निर्धारित वेबसाइट सर्च कर अपने आधार नंबर से केवाईसी कराना है। ऐसा करने पर ही उन्हें शासकीय एवं पंजीकृत निजी अस्पतालों में 05 लाख रूपए सेपरेट उपचार की सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि जिले में 3.41 लाख राशन कार्डों में कुल 11.76 लाख लोगों के नाम दर्ज हैं, अब तक कुल 10.51 लाख व्यक्तियों ने ही अपना आयुष्मान कार्ड बनवाया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड से वंचित लोगों से जल्द से जल्द अपना आयुष्मान कार्ड पंजीयन कराने की अपील की गई है।

लोगो को नशा मुक्ति के लिए किया जा रहा जागरूक

पायनियर संवाददाता ➤ सुकमा
www.dailypioneer.com

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय नई दिल्ली के आदेशानुसार सुकमा जिले में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत लोगों में नशा मुक्ति के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत पुसपुल के हाट बाजार में नशा मुक्ति के लिए सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर प्रचार प्रसार किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत बाजार आने वाले लगभग 230 ग्रामीणों को पम्पलेट बाँटकर और मौखिक जानकारी देकर नशा से दूर रहने की समझाइश दी गई। इसके साथ ही अन्य लोगों को भी नशा मुक्ति के लिए शपथ भी दिलाई गई। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर देवेश ध्रुव के निर्देशन तथा मार्गदर्शन में जिले में नशा मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है।

महानिर्वाण दिवस पर 29 नवंबर को पोड़ीदल्हा आश्रम में होंगे सेवा के काम तथा निःशुल्क स्वास्थय जांच

पायनियर संवाददाता ➤ सक्ती
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ प्रांत में अघोर पीठ जन सेवा आश्रम पोंडी दल्हा में स्थित के प्रांगण में शुक्रवार को परम पूज्य अघोरेश्वर भगवान राम जी का महानिर्वाण दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर सुबह 6 बजे से साफ सफाई कार्यक्रम, सुबह 9 बजे से आरती पूजन कार्यक्रम सुबह 10 बजे से सफल योनि पाठ कार्यक्रम, शाम 4 बजे अखंड संकीर्तन कार्यक्रम, अघोरान्नपरो मंत्र निःशुल्क चिकित्सा शिविर भंडारा कंबल वितरण, मंदिरो में वितरण, अस्पतालों में फल व ब्रेड वितरण आदि के कार्यक्रम संपन्न होंगे, अघोर पीठ जन सेवा अभेद आश्रम, ट्रस्ट पोंड़ी दल्हा, अकलतरा, जिला-जाँजगीर चाँपा (छ.ग.) सभी धर्म प्रेमी बंधुओ को उपरोक्त महानिर्वाण दिवस पर आयोजित समस्त कार्यक्रमों में सह परिवार शामिल होने का आग्रह किया है।

आयुष्मान वय वंदना कार्ड का

पायनियर संवाददाता ➤ बीजापुर
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 29 अक्टूबर 2024 को देश के 70 एवं 70 से अधिक आयु वर्ग के समस्त वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजनांतर्गत 5 लाख रुपए तक मुफ्त उपचार लाभ दिये जाने के उद्देश्य से आयुष्मान वय वन्दना कार्ड के माध्यम से योजना का शुभारम्भ किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 बी आर पुजारी ने बताया कि योजनांतर्गत जिले के सभी वरिष्ठ नागरिको (आधार कार्ड

के अनुसार, जिनके उम्र 70 या 70 से अधिक हो) को आयुष्मान वय वन्दना कार्ड पंजीयन का लाभ दिया जाना है। बीजापुर जिले के सभी वरिष्ठ नागरिको (70 व 70 आयु वाले) को अपने नजदिकी किसी भी उप स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जिला अस्पताल एवं चिन्हांकित च्वाइस सेंटर में आधार कार्ड एवं आधार लिंक मोबाइल नंबर सहित स्वयं उपस्थित होकर आयुष्मान वय वन्दना कार्ड पंजीयन कराना होगा। जिसमें सभी वरिष्ठ नागरिकों को संयुक्त रूप से अतिरिक्त 5 लाख रुपए का टॉपअप योजनांतर्गत प्राप्त होगा। जो कि परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा योजनांतर्गत उनकी पात्रता के अनुसार प्रस्तावित बीमा कवर का आंशिक या पूर्ण उपयोग कर लेने के बाद भी वरिष्ठ नागरिकों को प्रदान किया जायेगा। कलेक्टर संबित मिश्रा ने जिले के सभी वरिष्ठ नागरिकों को शीघ्र अतिशीघ्र अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र या च्वाइस सेंटर मे उपस्थित होकर आयुष्मान वय वंदना कार्ड पंजीयन कराकर योजना का लाभ प्राप्त करने की अपील की। इसके लिए अनिवार्य दस्तावेज केवल आधार कार्ड एवं आधार लिंक

न्यायालय तहसीलदार (परि. भूमि) सक्ती, जिला-सक्ती (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्रमांक 1534/तह./ वाचक/20
सक्ती, दिनांक 18.11.24
रा.प्र.क्र.....अ-2/20-20
ग्राम- सक्ती, तहसील-सक्ती

एतद् द्वारा आम जनता साकिन सक्ती तहसील सक्ती, जिला- सक्ती (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि श्री मनोज कुमार अग्रवाल पिता/पति रामप्रताप अग्रवाल निवासी सक्ती (छ.ग.) के द्वारा ग्राम सक्ती तहसील सक्ती, जिला सक्ती (छ.ग.) स्थित खसरा नंबर 1207/13 रकबा 0.202 हे. मे से 0.050 हे. भूमि को आवासीय /व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने बाबत अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सक्ती के न्यायालय से इस न्यायालय को जांच प्रतिवेदन हेतु प्रकरण प्राप्त हुआ है।

अतः आवेदिका/आवेदक के उक्त भूमि का आवासीय / व्यावसायिक प्रयोजन व्यपवर्तन किये जाने पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति होवे अपनी आपत्ति इस न्यायालय मे दिनांक 05.12.2024 को स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से लिखित रूप में पेश कर सकते हैं पेशी तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18.11.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
मुहर सक्ती जिला- सक्ती (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार (परि. भूमि) सक्ती, जिला-सक्ती (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्रमांक 1528/तह./ वाचक/20
सक्ती, दिनांक 18.11.24
रा.प्र.क्र.....अ-2/20-20
ग्राम- सक्ती, तहसील-सक्ती

एतद् द्वारा आम जनता साकिन सक्ती तहसील सक्ती, जिला- सक्ती (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि श्री मनोज कुमार अग्रवाल पिता/पति रामप्रताप अग्रवाल निवासी सक्ती (छ.ग.) के द्वारा ग्राम सक्ती तहसील सक्ती, जिला सक्ती (छ.ग.) स्थित खसरा नंबर 1207/13 रकबा 0.202 हे. मे से 0.051 हे. भूमि को आवासीय /व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने बाबत अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सक्ती के न्यायालय से इस न्यायालय को जांच प्रतिवेदन हेतु प्रकरण प्राप्त हुआ है।

अतः आवेदिका/आवेदक के उक्त भूमि का आवासीय / व्यावसायिक प्रयोजन व्यपवर्तन किये जाने पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति होवे अपनी आपत्ति इस न्यायालय मे दिनांक 05.12.2024 को स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से लिखित रूप में पेश कर सकते हैं पेशी तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18.11.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
मुहर सक्ती जिला- सक्ती (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार (परि. भूमि) सक्ती, जिला-सक्ती (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्रमांक 1532/तह./ वाचक/20
सक्ती, दिनांक 18.11.24
रा.प्र.क्र.....अ-2/20-20
ग्राम- सक्ती, तहसील-सक्ती

एतद् द्वारा आम जनता साकिन सक्ती तहसील सक्ती, जिला- सक्ती (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि श्री मनोज कुमार अग्रवाल पिता/पति रामप्रताप अग्रवाल निवासी सक्ती (छ.ग.) के द्वारा ग्राम सक्ती तहसील सक्ती, जिला सक्ती (छ.ग.) स्थित खसरा नंबर 1207/13 रकबा 0.202 हे. मे से 0.051 हे. भूमि को आवासीय /व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने बाबत अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सक्ती के न्यायालय से इस न्यायालय को जांच प्रतिवेदन हेतु प्रकरण प्राप्त हुआ है।

अतः आवेदिका/आवेदक के उक्त भूमि का आवासीय / व्यावसायिक प्रयोजन व्यपवर्तन किये जाने पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति होवे अपनी आपत्ति इस न्यायालय मे दिनांक 05.12.2024 को स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से लिखित रूप में पेश कर सकते हैं पेशी तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18.11.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
मुहर सक्ती जिला- सक्ती (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कोण्डागांव जिला-कोंडागांव (छ.ग.)

// ईश्तहार //

ई-कोर्ट क्रमांक/202411200900077
अ-2/2024-25
ग्राम-कोण्डागांव, प.ह.न.-15

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका श्रीमती श्रीजन देवांगन पति श्री प्रदीप कुमार देवांगन, जाति कोष्टा, निवासी कोण्डागांव, तहसील कोण्डागांव, जिला-कोण्डागांव के नाम पर नगर कोण्डागांव में स्थित स्वयं की भूमि खसरा नंबर 527/6. रकबा 0.0219 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदिका द्वारा उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजन व्यपवर्तन हेतु नक्शा, खसरा, बी-1 एवं रजिस्ट्री बैनामा की छांयाप्रति सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति दावा प्रस्तुत करना हो लो दिनांक 05/12/2024 तक मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि पश्चात प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
मुहर कोण्डागांव

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कोण्डागांव जिला-कोंडागांव (छ.ग.)

// ईश्तहार //

ई-कोर्ट क्रमांक/202411200900076
अ-2/2024-25
ग्राम-कोण्डागांव, प.ह.न.-15

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदक विनोद शर्मा पिता जी.सी. शर्मा, जाति ब्राम्हण, निवासी कोण्डागांव, तहसील कोण्डागांव, जिला-कोण्डागांव के नाम पर ग्राम कोण्डागांव में स्थित स्वयं की भूमि खसरा नंबर 543/44, रकबा 0.0080 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन व्यपवर्तन हेतु नक्शा, खसरा, बी-1 एवं रजिस्ट्री बैनामा की छांयाप्रति सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति दावा प्रस्तुत करना हो तो दिनांक 16/12/ 2024 तक मेरे न्यायालय मे उपस्थित होकर आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि पश्चात प्राप्त आपत्ति/ दावा पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
मुहर कोण्डागांव

न्यायालय तहसीलदार सरायपाली जिला महासमुंद (छ.ग.)

// ईश्तहार //

सर्वसाधरण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक हलिन पिता रूबिन जाति निवासी ग्राम बालसी तहसील सरायपाली द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है। कि ग्राम बालसी दिनांक 21.02.2005 को आवेकद के मां धीरा बाई की मृत्यु हो जाने से मृतक व्यक्ति का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का आक्षेप दावा हो अथवा आवेदन प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 29/11/2024 को उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 14.11.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
मुहर सरायपाली

न्यायालय तहसीलदार सरायपाली जिला महासमुंद (छ.ग.)

// ईश्तहार //

सर्वसाधरण जनता को सुचित किया जाता है कि आवेदक सुबोध साहू पिता स्व. महेन्द्र साहू जाति..... निवासी ग्राम कलेंडा तहसीलदार सरायपाली जिला महासुन्द द्वारा उसके स्वयं के दादी बुआ दुखीबाई का जन्म दिनांक 19.05.2007 को ग्राम कलेंडा में हुआ है। उक्त जन्म का पंजीयन नहीं हो पाने के कारण उक्त तिथी में पुत्र / पुत्री के जन्म दादी बुआ दुखीबाई 19/05/2007 घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का आक्षेप / दावा हो अथवा आवेदन प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 11.12.2024 को उपस्थि हो कर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
मुहर सरायपाली

**कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड
राजनांदगांव (छ.ग.)**
E-mall-eeraj-phe-cg.nic.in

नि.सू.क्रमांक 09/निविदा सेल/का.अ./ लो.स्वा.यां. खण्ड / 2024 राजनांदगांव, दिनांक 26.11.2024

// द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना //

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत सक्षम् श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से राजनांदगांव जिले के वि.खं डोंगरगांव के शासकीय चिकित्सालय में 32 mm Dia G.I पाईप का प्रदाय कर जोड़ने बिछाने इत्यादि सिविल कार्य एवं 03 माह तक संचालन संधारण का कार्य (सम्पूर्ण कार्य सामग्री सहित संलग्न शेडयूल अनुसार) की मुहरबंद निविदाए प्रपत्र **"ए"** में आंमत्रित की जाती है। जिसकी अनुमानित लागत रू. 3.76 लाख एवं धरोहर राशि रू. 3800.00 है। निविदा प्रपत्र क्रय करने के लिये खंड कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि दिनांक 17.12.2024 है। उपरोक्त निविदा की अन्य शर्तें, विस्तृत विवरण व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खंड,
जी.-242504099/2 राजनांदगांव (छ.ग.)

पूर्व सीएमओ के बेटे के नाम पीएम आवास निर्माण

- गरीब हितग्राही के निर्माणाधीन आवास में बुलडोजर
- एक ओर अफसर बेटे को लाभ दूसरी ओर गरीब से अन्याय

पायनियर संवाददाता ◂ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

निकाय इलाके में शासकीय सेवारत माता पिता के अविवाहित बेटे के नाम प्रधानमंत्री आवास निर्माण होने का मामला सामने आया है। रोचक तथ्य ये कि उक्त हितग्राही अविवाहित है, तथा अपने पिता पर आश्रित है, तथा 4 सदस्यों का 2023 में अद्यतन राशनकार्ड के मुताबिक एकीकृत परिवार है। हैरत की बात ये है कि इस परिवार के अविवाहित बेटे को परिवार से पृथक मानते हुए विभागीय अमले द्वारा पीएम आवास हेतु मानक अर्हता के बगैर ही आवास स्वीकृत कराते हुए निर्माण का भुगतान भी कर दिया है। दरअसल प्रधानमंत्री आवास योजना के फर्स्ट फेज में 2023 तक नगर पंचायत डोंगरगाँव में प्रधानमंत्री आवास योजना में जमकर बंदरबांट की खबरें छनकर आती रही है। हालांकि किसी भी विभाग के दैनिक वेतनभोगियों को नियमानुसार प्रधानमंत्री आवास का लाभ अवश्य मिलना चाहिए। बनिस्बत अधिकारी वर्ग अपने वार्षिक आय से परे प्रधानमंत्री आवास के मानक अर्हताओं के बगैर ही योजना का लाभ ले तो यह न्यायसंगत नही कहा जा सकता है। ऐसा ही मामला नगर पंचायत डोंगरगांव में सामने आया है। इन दिनों नगर में कथित हितग्राही दिव्यांश भीमटे का नाम चर्चा में बना हुआ है। सूत्रों की माने तो दिव्यांश भीमटे पिता संजय भीमटे के नाम से गांधी पेट्रोल पंप के पीछे नर्सरी से लगा हुआ प्रधानमंत्री आवास निर्माण हुआ है। उल्लेखनीय है कि हितग्राही दिव्यांश भीमटे अविवाहित है, एवं अपने शासकीय सेवारत अपने माता पिता पर आश्रित है। उनके पिता संजय भीमटे नगरीय निकाय विभाग में सीएमओ के पद पर रह चुके हैं, तो वहीं उनकी माता को एक सरकारी स्कूल में शिक्षिका बताया गया है। इनके एकीकृत परिवार में चार सदस्य हैं।

मेरे संज्ञान में आने पर आवश्यक जांच कर समुचित कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी।
-श्रीकांत कोराम
एसडीएम डोंगरगांव

पीएम आवास की मानक अर्हता फेल

प्रधानमंत्री आवास के लिए प्राथमिक नियमों में परिवार में पक्का मकान नहीं होना चाहिए, लेकिन उपलब्ध राशनकार्ड के अनुसार कथित हितग्राही एकीकृत परिवार में शामिल है। भीमटे परिवार का वार्ड 1 के रिहायसी इलाके में पक्का मकान है। तथाकथित हितग्राही के पिता संजय भीमटे रिटायर सीएमओ हैं, माता सरकारी शिक्षिका हैं। ऐसे में इस परिवार का वार्षिक आय भी प्रधानमंत्री आवास के मानको में खरा नहीं उतरता है। इससे पीएम आवास के क्रियान्वयन पर सवालिया निशान लग गए हैं।

गरीब के निर्माणाधीन आवास ध्वस्त

आलम ये है कि नगर में कुछ दिनों पहले ही किराये के मकान में गुजर बसर कर रहे महेन्द्र यादव के नाम से स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास को निर्माणाधीन स्थिति में प्रशासनिक अधिकारियों ने ढहा दिया। हितग्राही को आवास ढहाने का कारण भी आज तक नही बताया गया

है। सभी नियमों और कागजी प्रक्रियाओं को पूर्ण करने के बाद श्री यादव के पट्टे की जमीन पर नगर पंचायत द्वारा जीओ टेग कर फोटोग्राफी की गई। तब हितग्राही मकान बनाना प्रारंभ किया गया था, हितग्राही द्वारा आवास बनाने के लिए कर्ज लेकर एक ठेकेदार को काम सौंपा था। प्लींथ लेबल तक निर्माण होने के बाद एक बार पुनः जीओ टेग का फोटो खींचा गया, लेकिन कोई भी राशि उनके खाते में ट्रांसफर नहीं की गई। छत स्लैब ढालने की तैयारी में थे। तब कोई विशेष घटना म के तहत निर्माणाधीन आवास ढहा दिया गया। अब हितग्राही यादव कर्जदार होकर भटकने मजबूर हैं।

वायु प्रदुषण में नियंत्रण हेतु कलेक्टर चौधरी ने ली बैठक

शहरी क्षेत्रों में संचालित प्रदुषण नियंत्रण एवं प्रबंधन कार्यों की समीक्षा की

पायनियर संवाददाता ◂ दुर्ग
www.dailypioneer.com

कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने जिले के दुर्ग-भिलाई शहरी क्षेत्र के अंतर्गत सभी नगरीय निकायों की वित्तीय और भौतिक प्रगति की स्थिति की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर संचालित कार्यों एवं गतिविधियों पर चर्चा की, जिनमें वेस्ट और बायोमास प्रबंधन, क्षमता निर्माण कार्यक्रम, अपशिष्ट प्रबंधन, औद्योगिक उत्सर्जन, सार्वजनिक आउटरीच कार्यक्रम, रोड डस्ट और वाहनों द्वारा प्रदूषण को कम करने की गतिविधियां शामिल है। बैठक के दौरान कलेक्टर ने जिले में वायु गुणवत्ता के मुद्दे पर गंभीरता से चर्चा की और शहरी क्षेत्रों में गार्डनिंग और पौधारोपण कार्य को आगामी माह तक पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि भिलाई चरोदा में 61 प्रतिशत कार्य संपादित हो चुका है, और शेष कार्य को 15 दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। धूल को कम करने के लिए उन्होंने रोड साइड पेवर ब्लॉक लगाने और अनुकुल पौधे लगाने के निर्देश दिए। इसके अलावा कलेक्टर चौधरी ने वाहनों से हो रहे प्रदुषण को कम करने एवं इलेक्ट्रॉनिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए चार्जिंग स्टेशन तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही, बायोमास की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सड़क निर्माण को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी विकास कार्यों की जानकारी नियमित रूप से पोर्टल पर अपडेट की जाए। जामुल में वायु गुणवत्ता की रिपोर्ट की समीक्षा कर उन्होंने एक सप्ताह के भीतर सभी कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी नगरीय निकायों में स्वीकृत कार्यों को समय सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिये और लंबित कार्यों को शीघ्रता से पूरा करने की बात कही। सड़क पर कचरे के ढेर को लेकर कलेक्टर ने सड़कों की सफाई नियमित रूप से करने और कचरा उठाने के कार्य को समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि वायु प्रदूषण की जांच नियमित रूप से की जाए ताकि शहर को व्यवस्थित और स्वच्छ बनाया जा सके। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने सभी संबंधित विभागों को कार्यों के पूर्णता के लिए समयबद्ध ढंग से काम करने कहा।

डीईओ कार्यालय में पद विरुद्ध वेतन जारी हो रहा, एफआईआर की मांग

पद समाप्त होने के बाद भी आधा दर्जन से ज्यादा कर्मचारी संलग्न

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

राजनांदगांव जिले से खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिला अलग हुआ तो स्कूल शिक्षा विभाग ने दिनांक 06.07.2023 को इस नवीन जिले के लिए पद का सृजन कर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, जिला-राजनांदगांव से कुछ पद समाप्त कर पद एवं कर्मचारियों-अधिकारियों को नवीन जिला खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई भेजने का आदेश दिया था, लेकिन यह कर्मचारी खैरागढ़ जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अपनी ज्वनिंग दिए ही नहीं, जिससे अब खैरागढ़ जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में काम करने के लिए कर्मचारियों को अन्य स्कूल से लाकर संलग्न किया गया, जिससे स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित हो रही है। क्रिष्टोफर पॉल ने बताया कि वे विगत कई महीनों से इस मामले की लगातार लिखित शिकायत कर कार्यवाही की मांग कर रहे है। जिन कर्मचारियों को खैरागढ़ जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय भेजा गया था, वे सभी आज भी जिला शिक्षा अधिकारी, राजनांदगांव कार्यालय में पद विरूद्ध वेतन आहरण कर रहे हैं। जबकि उन सभी कर्मचारियों का पद जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से समाप्त कर दिया गया है। पॉल ने बताया कि महेश ठाकुर और अभिषेक श्रीवास्तव एवं अन्य सात कर्मचारियों को डीईओ कार्यालय राजनांदगांव से कम्प्युटर ऑपरेटर के पद से वेतन दिया जा रहा है। जबकि इन कर्मचारियों को वेतन जारी करने का कोई आदेश वित्त विभाग से डीईओ, राजनांदगांव को प्राप्त हुआ ही नहीं है। यह सभी कर्मचारियों को पद विरूद्ध वेतन जारी किया जा रहा है, जो भारी वित्तीय अनियमितता है। हमनें वेतन जारी करने वाले अधिकारी के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध करने की मांग की है।

भारतीय इंडस्ट्रीज को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करने की जरुरत : बहादुर अली

इंडस्ट्रीज को आगे बढ़ाने एक बायलॉज की आवश्यकता पर जोर दिया

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

आईबी ग्रुप के एमडी बहादुर अली ने हैदराबाद में आयोजित पोल्ट्री इंडस्ट्रीज सम्मेलन में प्रमुख वक्ता के रूप में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने इंडस्ट्रीज को आगे बढ़ाने एक बायलॉज की आवश्यकता पर जोर दिया। कहा- भारतीय इंडस्ट्रीज को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करना चाहिए। देशभर से शामिल हुए पोल्ट्री इंडस्ट्रीज से जुड़े कारोबारियों को हैदराबाद में हुए सम्मेलन के दौरान एक लीडर के रूप में आईबी ग्रुप के एमडी बहादुर अली ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने इंडस्ट्रीज में होने वाली समस्याओं को सामने रखा, वहीं इसकी बेहतरी के लिए भी अपने सुझाव रखे। अली ने इस मौके पर जोर देते कहा कि पोल्ट्री इंडस्ट्रीज से जुड़े कारोबारी अपने-अपने लाभ के लिए कार्य कर रहे हैं। ऐसा कोई बायलॉज नहीं है, जिस पर अमल कर भारतीय पोल्ट्री इंडस्ट्रीज को आगे बढ़ाया जा सके। एक बायलॉज एक संगठन का होना बेहद आवश्यक है। उद्योगपति अली ने कहा कि इंडस्ट्रीज को आगे बढ़ाने एप टैक्नालाजी अपनाई जानी चाहिए। जिससे होने वाली गड़बडियों को हम स्वयं देख सके और उस गड़बडियों को सुधार कर सके। उन्होंने अपने विचार रखते कहा कि नए जनरेशन के लोग इस इंडस्ट्रीज पर कार्य कर रहे हैं, उन्हे आगे बढने के लिए एक ग्रुप के रूप में काम करना आवश्यक है। जिसके लिए एक रोड मैप होना चाहिए। जिससे आगे मजबूत होकर बैंक के सामने जा सके। हमारी इंडस्ट्रीज रोजगार देने वाली है, अन्य कंपनियों के बायलाज हैं, यहां हर आदमी अपना बायलाज बनाती है। टॉप कंपनियों को बायलाज बनाना चाहिए।

आदिवासियों को सशक्त करने आईबी ग्रुप ने लिया संकल्प

समारोह को संबोधित करते आईबी ग्रुप के एमडी बहादुर अली ने कहा कि हमारा समूह देश के आदिवासियों को सशक्त बनाने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि गरीब महिलाओं को पोल्ट्री का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिससे उन्हें सालाना एक से डेढ़ लाख रूपए की आय होगी।

महाराष्ट्र से लाया जा रहा 40 कट्टा अवैध धान जप्त

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

खाद्य एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम बेंदाड़ी चेक पोस्ट में महाराष्ट्र राज्य से वाहन में लाया जा रहा 40 कट्टा अवैध धान जप्त किया गया। खाद्य अधिकारी श्री रविन्द्र सोनी ने बताया कि बेंदाड़ी चेक पोस्ट में नियमित वाहन चेकिंग के दौरान अवैध धान की जानकारी मिली। जिसमें 40 कट्टा अवैध धान पाया गया। जप्त धान को छुरिया थाना में अभिरक्षा के लिए दिया गया है। जप्त धान का मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। महाराष्ट्र से अवैध धान खपाने के लिए ग्राम झाडीखैरी के किसान के घर धान का परिवहन किया जाया जा रहा था।

अकरम को डॉक्टर की मानक उपाधि

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

अकरम कुरैशी को समाज सेवा के क्षेत्र में डॉक्टर की उपाधि मिली है। छत्तीसगढ़ भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व महामंत्री और वर्तमान में मोर्चा के बस्तर संभाग प्रभारी तथा छत्तीसगढ़ उर्दू अकादमी के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद अकरम कुरैशी को डिस्प्रिन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा भिलाई कांवोकेशन समाज कल्याण एवं समाज सेवा के क्षेत्र में समर्पित भाव से काम करने के लिए डॉक्टर ऑफ ह्यूमन एंड सोशल सर्विस के क्षेत्र में डॉक्टर की मानक से सम्मानित किया गया है। इस उपलब्धि के लिए जनाब कुरैशी ने यूनिवर्सिटी को तहेदिल से शुक्रिया अदा किया है।

11 जोड़ियां वैवाहिक सूत्र में बंधी अतिथियों ने दिया आशीर्वाद

पायनियर संवाददाता ◂ छुरिया
www.dailypioneer.com

ग्राम पंचायत कल्लूबंजारी मे मुख्यमंत्री कन्या विवाह के तहत सामूहिक विवाह का आयोजन हुआ। रस्मो रिवाज के साथ विवाह संपन्न कराया गया। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत कुल 11 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। जनपद पंचायत छुरिया अध्यक्ष किरण वैष्णव ने सभी नवयुगल जोड़ी सदैव जीवन पथ पर प्रेम स्नेह पूर्वक दाम्पत्य जीवन का निर्वहन करें ऐसी मंगलकामनाएं की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में 2003 में भाजपा की सरकार बनी तब तत्कालीन मुख्यमंत्री डा रमन सिंह द्वारा वर्ष 2005-06 में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की शुरुआत की गई थी। जिला पंचायत सदस्य ललिता कंवर, जिला भाजपा महामंत्री रविन्द्र वैष्णव व जनपद पंचायत सदस्य भुनेश्वरी साहू ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब परिवारों को होने वाली आर्थिक परेशानियों को दूर करना, शादी के मौके पर फिजुलखर्ची को रोकना, सामूहिक विवाह के आयोजन से सामाजिक स्थिति में सुधार लाना है। इस अवसर पर मंडल मंहामंत्री संजय सिन्हा, संगीता यादव मंडल मंत्री, जनपद सदस्य जानकी साहू, मीणा पुजारी, हरीला चंद्रवंशी, हेमीन साहू, सरपंच डोमेन पटेल, पुष्पा सिन्हा, विष्णु साहू, कौशल चंद्रवंशी, राजकुमार पटेल, भावन सिंह ठाकुर, बाबूलाल पटेल, सुमित्रा धुर्वे समेत महिला बाल विकास अधिकारी कमलावती मरकाम सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व ग्रामीण जन उपस्थित थे।

शादी में परिचय का हवाला देकर दुष्कर्म की कोशिश दुष्कर्म से मना करने पर दी जान से मारने की धमकी

महिला का मोबाईल चोरी कर फरार आरोपी गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ◂ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

रिश्तेदार की शादी में जान पहचान के आधार पर अवैध संबंध बनाने के लिए दबाव बनाने एवं मन करने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी युवक द्वारा प्रार्थी महिला का मोबाईल भी चोरी कर ले गया था। पुलिस ने आरोपी युवक को बीएनएस 351(2), 324(4), 305(1), 75(2) के तहत रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के आधिकारिक जानकारी मुताबिक एसपी, एडिशनल एसपी व एसडीओपी के मार्गदर्शन में टीआई उपेन्द्र शाह के अगुवाई में जारी अवैधानिक कृत्यों के खिलाफ अभियान के तहत 5 नवम्बर को प्रार्थी महिला ने थाना हाजिर आकर युवक के विरुद्ध एक वर्ष पहले रिश्तेदार की शादी में जान पहचान का हवाला देते हुए अवैध संबंध बनाने दबाव बनाने एवं मना करने पर तुम्हारे पति व बच्चों को जान से मारने की धमकी देने की शिकायत दर्ज कराई। वहीं आरोपी ने प्रार्थी का मोबाईल भी चोरी कर ले गया। उक्त शिकायत आधार पर अपराध दर्ज कर विवेचना के दौरान आरोपी लिखन यादव पिता पूछाराम यादव, 24 वर्ष, साकिन वार्ड नं 14, जामसरारकला, थाना डोंगरगांव को 27 नवंबर को जुर्म स्वीकार करने उपरांत परिजनों को सूचना देकर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी युवक को रिमांड पर भेज दिया है।

डोंगरगढ़ के करीब मुढ़पार में हुई दुर्घटना

सड़क दुर्घटना में नांदगांव के दो युवकों की मौत, बाइक के परखच्चे उड़े

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

राजनांदगांव के दो बाइक सवार डोंगरगढ़ के करीब मुढ़पार में सड़क दुर्घटना में जान गंवा बैठे। हादसा बुधवार की रात 10 से 11 बजे के बीच का है। पुल के पास हुए हादसे में दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवकों को अस्पताल ले जाया गया था। पुलिस के मुताबिक एक अज्ञात वाहन ने मृतक बाइक सवारों को ठोकर मारी है। पुलिस ने अपराध कायम कर मामले की जांच शुरु कर दी है। डोंगरगढ़-तुमड़ीबोड़ मार्ग में स्थित मुढ़पार गांव से पहले एक पुल के ढलान पर राजनांदगांव के मोहारा वार्ड के रहने वाले राजू खोब्रागढ़े और युवराज यादव की बाइक को एक अज्ञात वाहन ने जोरदार ठोकर मार दी। हादसे में दोनों वहीं गिर पड़े। बुरी तरह से घायल होने के कारण दोनों की मौत हो गई। मृतकों की बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई है। बाइक के सामने का पहिया ठोकर के कारण उखड़ कर अलग हो गया। बताया जा रहा है कि मृतक बुधवार शाम को घर से आवश्यक कार्य बताकर डोंगरगढ़ की ओर निकले थे। रात लगभग 10 बजे के आसपास दोनों हादसे के शिकार हो गए। पुलिस को घटना की जैसे ही जानकारी मिली, थाना प्रभारी वर्मा मौके पर पहुंचे और उन्होंने युवकों को अस्पताल भेजा। गंभीर चोट लगने के कारण दोनों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक राजू खोब्रागढ़े जड़ी-बूटी का भी व्यापार करता था। दोनों मृतक मोहारा वार्ड के बजरंगनगर के रहने वाले थे। इस घटना से मोहल्ले में मातम छा गया। डोंगरगढ़ पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रेलर और मालवाहक में भिड़ंत, चालक की मौत

नेशनल हाइवे में ग्राम तुमड़ीबोड़ के पास ट्रेलर और मालवाहक में भिड़ंत हो गई। घटना

गुरुवार सुबह 8 बजे की है। भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही मालवाहक चालक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही तुमड़ीबोड़ पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को मेडिकल अस्पताल पहुंचाया। मृतक की पहचान महाराष्ट्र ठाणे निवासी दशरथ जैसवार के रूप में हुई है। पुलिस मर्ग कायम कर विवेचना कर रही है।

कलेक्ट्रेट सहित समस्त शासकीय कार्यालयों में किया गया संविधान की प्रस्तावना का पठन

पायनियर संवाददाता ◂ दुर्ग
www.dailypioneer.com

जिले में कलेक्ट्रेट सहित सभी शासकीय कार्यालयों में संविधान की प्रस्तावना का पठन किया गया। कलेक्ट्रेट कार्यालय में कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने संविधान की प्रस्तावना का पठन किया। इससे पूर्व उन्होंने संविधान निर्माता डॉ. बी.आर. आंबेडकर की छायाचित्र पर माल्यार्पण किया। साथ ही समस्त विभाग के अधिकारियों ने अपनी सहभागिता निभाई। संविधान की प्रस्तावना में उल्लेखित है कि ''हम, भारत के लोग, भारत को एक (संपूर्ण, प्रभुत्व, संपन्न, समाजवादी, पंथ निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक, गणराज्य) बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की क्षमता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए कृत संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में तारीख 26 नवम्बर 1949 ई. (मिति, मार्गशीर्ष, शुक्ला सप्तमी, सम्वत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं''।

अतीत का गहन एवं विवेचनात्मक अध्ययन ही हमें वर्तमान को समझने और भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है : शिवरतन शर्मा

शिवरतन शर्मा ने भाटापारा पत्रकारों एवं विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के साथ देखी द साबरमती रिपोर्ट

पायनियर संवाददाता भाटापारा
www.dailypioneer.com

उपाध्यक्ष भाजपा छत्तीसगढ़ शिवरतन शर्मा ने पत्रकारों एवं क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बहुचर्चित फिल्म द साबरमती रिपोर्ट नगर के सिटी सेंटर मॉल में देखी। फिल्म देखने के बाद शिवरतन शर्मा ने कहा कि द साबरमती रिपोर्ट की पूरी टीम को बधाई देता हूं जिन्होंने इस वास्तविक सच को देश की जनता के सामने फिल्म के माध्यम से बाहर लाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि हर भारतवासी को द साबरमती रिपोर्ट फिल्म को देखनी चाहिए और गोधरा का सच के नजदीक जाने का प्रयास करना चाहिए। शिवरतन शर्मा ने आगे कहा देश के खिलाफ और सरकारों के खिलाफ राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने के लिए समाज में वैमनस्यता पैदा करने के लिए देश में जो कृत्य हुए हैं उसे देश की जनता को जानने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि जो राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश के खिलाफ षड्यंत्र कर रहे हैं उन चेहरों को पहचानने के साथ-साथ उनका पर्दाफाश करने की भी आवश्यकता है। शिवरतन शर्मा ने कहा कि फिल्म की टीम ने सत्य उजाकर करने के लिए अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। फिल्म के माध्यम से वास्तविक सच को एक बड़े रूप में देश के सामने लाने का प्रयास किया गया है। शिवरतन शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने द साबरमती रिपोर्ट फिल्म को छत्तीसगढ़ में कर-मुक्त (टैक्स फ्री) करने का सार्थक निर्णय लिया है। शिवरतन शर्मा ने कहा कि यह फिल्म इतिहास के उस भयावह काल-खंड को यथार्थ रूप में दर्शाती है, जिसे कुछ स्वार्थी तत्वों ने अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए विकृत करने का कुत्सित प्रयास किया। यह फिल्म न केवल तत्कालीन व्यवस्था की वास्तविकता को प्रभावशाली रूप से उजागर करती है, बल्कि उस समय प्रचारित किए गए भ्रामक एवं मिथ्या नैरेटिव का भी खंडन करती है। इस दुर्भाग्यपूर्ण एवं हृदयविदारक घटना को फिल्म में अत्यंत संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया गया है। यह फिल्म इसलिए भी अवश्य देखी जानी चाहिए क्योंकि अतीत का गहन एवं विवेचनात्मक अध्ययन ही हमें वर्तमान को समझने और भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है। उक्त अवसर पर चारो मंडलो के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं सहित नगर के पत्रकारगण उपस्थित रहे।

शिवरतन शर्मा की अनुशंसा पर 14वें वित्त आयोग के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अंतर्गत 01 करोड़ 19 लाख 75 हजार की मिली स्वकृति

भाटापारा। उपाध्यक्ष भाजपा छत्तीसगढ़ शिवरतन शर्मा की अनुशंसा से विकास कार्यों के लिए नगर पालिका को पुनः 01 करोड़ 19 लाख 75 हजार की स्वीकृति प्राप्त हुई। अब तक लगभग 12 करोड़ की राशि का नगर विकास कार्यों के लिए स्वीकृति प्राप्त कर ली गई है। इसी कड़ी में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा भाटापारा नगर के लिए 14वे वित्त आयोग के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अंतर्गत स्क्रीनिंग मशीन 5-10 टीपीएच नगर पालिका ठोस विरासत अपशिष्ट पृथक्करण मशीन 01 नग राशि 61 लाख 95 हजार, मशीन (वीएमसी) वर्टीकल मशीनिंग सेंटर (4 नग) राशि 26 लाख 12 हजार, प्लास्टिक श्रेडर मशीन 1 नग राशि 05 लाख 90 हजार एवं एक्सट्रूडर मशीन, सड़क के गड्ढे भरने के लिए 01 नग राशि 25 लाख 78 हजार की स्वीकृति मिली है। विदित हो कि भाजपा की सरकार बनने के 11 माह में ही शिवरतन शर्मा की सक्रियता एवं विकास परक सोच का परिणाम है कि करोड़ो के विकास कार्यों की स्वीकृति लागातार क्षेत्र को प्राप्त हो रही है। उक्त स्वीकृति के लिए शिवरतन शर्मा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, लोक निर्माण मंत्री एवं नगरीय निकाय मंत्री अरुण साव सहित पूरे सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं में भी सभी हो रहे विकास कार्यों की स्वीकृति से प्रसन्नता है, राकेश तिवारी, सुनील यदु, आशीष जायसवाल, मोहन बांधे, राजा कामनानी, मनिंदर गुम्बर, योगेश अनंत, कुंजराम कोसले, सतीश साहु, दिलीप यादव, मनीष मिश्रा, राजू पटेल, आशिष पुरोहित, व्यास यदु, देवेंद्र साहु, अनिल चेलक, धन्नू यादव, पीताम्बर साहु, रवि वर्मा, सोमेश वर्मा, सुखदेव यदु, अजित निषाद सहित सभी पार्टी पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं ने उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा की सक्रियता और क्षेत्र के प्रति उनकी विकास परक सोच के प्रति उनका धन्यवाद ज्ञापित किया है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के समर्थन में छत्तीसगढ़ में हजारों लोगों ने जागरूकता कार्यक्रमों में ली

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्य के 8 जिलों के 400 गांवों में लोगों ने जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया और बाल विवाह के खिलाफ मशाल जुलूस निकाले एवं रैलियां कीं। एक सामाजिक उद्देश्य के लिए एकजुटता के अभूतपूर्व प्रदर्शन में पुलिस स्टेशनों, अदालतों, पंचायत सदस्यों, धार्मिक नेताओं, स्कूली बच्चों, शिक्षकों, धर्मगुरुओं, हलवाइयों और बाल विवाह पीड़ितों ने इस बुराई को समाप्त करने और कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिलने पर संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना देने की शपथ ली। बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक गैरसरकारी संगठनों का गठबंधन 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन' एलायंस बाल विवाह के खात्मे के लिए छत्तीसगढ़ के 41 जिलों में राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन के साथ काम कर रहा है। एलायंस में शामिल संगठनों ने कानूनी हस्तक्षेपों और परिवारों को समझा बुझा कर देश में 2,50,000 से अधिक बाल विवाह रोके हैं। इस दौरान पूरे राज्य में हुए कार्यक्रम प्रतिज्ञाओं से गूंज उठे, मैं बाल विवाह के खिलाफ हरसंभव प्रयास करने की शपथ लेता हूं। मैं यह सुनिश्चित करने की शपथ लेता हूं कि मेरे परिवार, पड़ोस या समुदाय में कोई बाल विवाह नहीं होगा। मैं बाल विवाह के किसी भी प्रयास की रिपोर्ट पंचायत और सरकारी अधिकारियों को करने की प्रतिज्ञा करता हूं।'' राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 (एनएफएचएस 2019-21) के आंकड़ों के अनुसार देश में 18 से 24 आयु वर्ग की 23.3 प्रतिशत लड़कियों का बाल विवाह हो जाता है जबकि छत्तीसगढ़ में यह आंकड़ा 12 प्रतिशत है। बाल विवाह की पीड़ित बच्ची का पूरा जीवन दासता में गुजरता है और उसके लिए स्वतंत्रता के सभी दरवाजे बंद हो जाते हैं। साथ ही, बाल विवाह महिलाओं की श्रम बल में भागीदारी नहीं होने के पीछे सबसे बड़ा कारण है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान की सराहना करते हुए 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन' (जेआरसी) एलायंस के संस्थापक भुवन ऋभु ने देश से बाल विवाह के खात्मे के लिए शुरू किए गए इस अभियान को पूर्ण समर्थन देते हुए सरकार के प्रयासों में हरसंभव सहयोग का वादा किया। उन्होंने कहा, करोड़ों माताओं और बच्चियों की पीड़ा और विषम परिस्थितियों से जूझने की उनकी इच्छाशक्ति के साथ जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के हमारे 250 से भी ज्यादा संगठनों के सहकर्मियों के अनथक देशव्यापी प्रयासों से आज हम इस ऐतिहासिक मुकाम पर पहुंचे हैं। आज आगे बढ़ते हुए हम राज्य की सरकार से उम्मीद करते हैं कि सभी हितधारकों के साथ साझेदारियों का लाभ उठाते हुए बचाव, सुरक्षा और अभियोजन की एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देगी जो लोगों के व्यवहार में स्थायी बदलाव लाने में सहायक होगा।

विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल ने सांस्कृतिक भवन का किया लोकार्पण

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

बसना विधानसभा के गढ़फुलझर स्थित शासकीय हाई स्कूल में सांस्कृतिक भवन लोकार्पण कार्यक्रम विधायक डॉ. सम्पत अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। विधि विधान से पूजा अर्चना कर फीता काटकर विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने सांस्कृतिक भवन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल ने सांस्कृतिक भवन को आमजन को समर्पित करते हुए कहा कि यह भाजपा की डबल इंजन की सरकार जनता की सरकार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जनता के कल्याण और विकास को सर्वोपरि रखते हुए कल्याणकारी योजनाओं और नीतियों का निर्माण किया है। जिसका लाभ किसी ना किसी प्रकार से सभी देशवासियों और छत्तीसगढ़वासियों को मिल रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, विधायक कार्यालय प्रभारी प्रकाश सिन्हा,सेवा निवृत्त प्राचार्य टीकाराम कश्यप, प्रधान पाठक बसंत पटेल,जनपद पंचायत पिथौरा सभापति सोहन पटेल, विधायक प्रतिनिधि मोहित पटेल, पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष संजय भोई, जनपद सदस्य जगजीत अग्रवाल, सरपंच सत्यवती तरुण नर्मदा, हेमचंद्र पटेल, सुशील चौधरी, गौरेन कश्यप, महेन्द्र कश्यप, हिरेंद्र कश्यप, पुरुषोत्तम कश्यप, जगदीश पटेल, लिलेश्वर नर्मदा, हितेंद्र कश्यप, राजेन्द्र चौधरी, संजू कश्यप, सीडी बघेल, सुखदेव वैष्णव, छात्र छात्राओं, पालकगण सहित बड़ी संख्या लोग मौजूद थे।

एसबीआई ने डिजिटल (साइबर) सुरक्षा पर ग्राहकों को किया जागरूक

पायनियर संवाददाता भाटापारा
www.dailypioneer.com

वित्तीय और बैंकिंग क्षेत्र में दिन प्रतिदिन तकनीक का प्रयोग बढ़ता जा रहा है और साथ ही बढ़ रही हैं धोखाधड़ी की संभावना और आशंकाएं. इसमें जरूरी है कि ग्राहक अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहे, साइबर अपराधों से बचने के सभी सुरक्षा उपायों से अवगत रहे तथा वित्तीय लेन-देन में पर्याप्त सावधानी रखें। देश की अग्रणी वित्तीय संस्था, भारतीय स्टेट बैंक, ग्राहकों के हित में, अपने दायित्वों का अनुपालन करने हेतु, समय समय पर विभिन्न आयोजन करती रहती है। इसी तारतम्य मे 26 नवंबर को प्रदेश भर में, विभिन्न शहरों में भारतीय स्टेट बैंक ने टाउन हाल मीटिंग आयोजित की, जो कि मुख्यतः डिजिटल बैंकिंग से जुड़ी सुविधाएं, सावधानियां तथा सुरक्षा के उपायों पर केंद्रित था। उक्त कार्यक्रम भाटापारा में होटल रॉयल इन में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हेम सिंह सिदार (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक) ने उपस्थित प्रबुद्ध जनों को विस्तार पूर्वक सभी प्रकार की डिजिटल धोखाधड़ी एवं तत्संबंधित बचाव के उपायों से अवगत कराया। कार्यक्रम में बिलासपुर से पधारे भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक नरेंद्र मित्तल ने एसबीआई द्वारा ग्राहकों के हित से जुड़े नए उत्पाद और उपाय, ग्राहकों के अधिकार, किसी दुर्घटना की स्थिति में संपर्क हेतु बैंक की वेब साइट तथा टोल फ्री नंबरों से ग्राहकों को परिचित कराया। कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिक, प्रमुख उद्योगपति, व्यावसायी गण, शिक्षा विभाग, पेंशनर, कॉन्ट्रेक्टर, होटल व्यावसायी आदि सभी प्रमुख संस्थानों के प्रतिनिधियों ने शिरकत की, अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया और ग्राहकों में जागरुकता लाने हेतु एसबीआई के प्रयासों की प्रशंसा की।

मिनी माता महिला सशक्तिकरण सम्मान से सम्मानित हुई मंजूलता, सामाजिक बंधु एवं शुभ चिंतकों ने दी बधाई

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

भारतीय दलित साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ द्वारा न्यू राजेंद्र नगर गुरुघासी भवन रायपुर में भारतीय संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता, लेखक, कवि साहित्यकार, शिक्षक, प्रबुद्ध जनों को अलग अलग विभूतियों से सम्मानित किया गया। साहू समाज वार्ड 54 के निर्वाचित उपाध्यक्ष एवं मरही माता महिला स्व सहायता समूह की अध्यक्ष मंजूलता साहू को महिला समूह, स्वावलंबन सामाजिक सेवा, नशा मुक्ति अभियान निजात के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर मिनी माता महिला सशक्तिकरण अवॉर्ड से कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रिटायर्ड जज एस एल मात्रे द्वारा सम्मानित किया गया है। साहू को सम्मानित करने पर सामाजिक बंधु एवं शुभ चिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सुशीला वाल्मीकि, विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत भारतीय वन सेवा के अधिकारी एच एल मात्रे, डॉ आर के सुखदेवे, जी आर बंजारे, ज्वाला सी एल बंजारे थे। सम्मान देने के लिए साहू ने भारतीय दलित साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया हैं।

रियलमी ने 56,999 रुपये के शुरुआती मूल्य में भारत का पहला स्नैपड्रैगन 8 एलीट फ्लैगशिप, रियलमी जीटी 7 प्रो लॉन्च

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांडरियलमी ने लंबे इंतजार के बाद भारत के पहले स्नैपड्रैगन 8 एलीटफ्लैगशिप चिपसेट के साथ रियलमी जीटी 7 प्रो लॉन्च किया। जीटी की हर सीरीज़ का डिज़ाइन बॉर्न टू एक्सीड की अवधारणा पर आधारित है। यह बेजोड़ परफॉरमेंस और सामर्थ्य की सीमाओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइनकिया गया है। रियलमी जीटी 7 प्रो कई अत्याधुनिक विशेषताओं के साथ परफॉरमेंस के नए मानक स्थापित करने वाली एक असाधारण डिवाइस्स है। यहभारत की पहली डिवाइस्स है, जिसमें स्नैपड्रैगन 8 एलीट फ्लैगशिप चिपसेट लगा है और इसका एंटूटू स्कोर 3 मिलियन है। रियलमी जीटी 7 प्रो में सोनीआईएमएक्स882 पेरिस्कोप कैमरा लगा है, जो फोटोग्राफी का अतुलनीय अनुभव प्रदान करता है। इसमें उद्योग का पहला एआई अंडरवाटर फोटोग्राफी मोड दिया गया है, जिसकी मदद से पानी के अंदर भी बेहतरीन इमेज प्राप्त होती हैं। इसमें सैमसंग डिस्प्ले के साथ मिलकर विकसित किया गया रियलवर्ल्ड इकोह्डिस्प्ले दिया गया है, जो अद्वितीय विज़ुअल अनुभव प्रदान करता है। उद्योग में सर्वश्रेष्ठ परफॉरमेंस और अत्याधुनिक फीचर्स के साथ इस स्मार्टफोन में डॉल्बीविजन दिया गया है। इन सभी विशेषताओं के साथ रियलमी जीटी 7 प्रोफ्लैगशिप स्मार्टफोन की सीमाओं को आगे बढ़ा रहा है। डॉल्बी विजन फीचर की मदद से यूज़र्स अधिक जीवंत रंगों, शार्प कंट्रास्ट और शानदार डिटेल्स के साथबेहतरीन वीडियो कैप्चर कर सकते हैं और देख सकते हैं।

ओला इलेक्ट्रिक ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी बढ़ाने के लिए गिगऔर एस1 जेड स्कूटर पेश किए

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

भारत की सबसे बड़ी प्योर-प्ले इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने अपने गिग और एस1 जेड स्कूटर लॉन्च किए हैं। ये स्कूटर आम लोगों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रदान करने के लिए पेश किए गए हैं। इन नए स्कूटर्स में ओला गिग, ओला गिग+, ओला एस1 जेड औरओला एस1 जेड+ स्कूटर शामिल हैं, जिनके मूल्य क्रमशः 39,999 (एक्स-शोरूम), 49,999 (एक्स-शोरूम), 59,999 (एक्स-शोरूम) और 64,999 (एक्स-शोरूम) से शुरू होते हैं। गिग और एस1 जेड सीरीज़ की बुकिंग आज से सिर्फ़ 499 में शुरू हो गई है। ये स्कूटर टिकाऊ, भरोसेमंद, किफायती और फ्लेक्सिबल समाधान प्रदान करते हैं। इनमें रिमूवेबल बैटरी दी गई है, जो ग्रामीण, अर्ध-शहरी और शहरी क्षेत्रों के ग्राहकों की व्यक्तिगत और कमर्शियल जरूरतें पूरी करेगी। ये नए स्कूटर और ओला का मौजूदा पोर्टफोलियो ओला इलेक्ट्रिक को विभिन्नश्रेणियों में किफायती पेशकशों द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों का विस्तार करने का लक्ष्य प्राप्त करने में मदद करेंगे। ये स्कूटर विभिन्न ग्राहकों को जरूरतों को पूरा करते हैं, जिससे सभी को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रदान करने में मदद मिलेगी। ओला गिग और ओला एस1 जेड सीरीज की डिलीवरी क्रमशः अप्रैल 2025 और मई 2025 से शुरू होगी। इस अवसर पर ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, भाविशअग्रवाल ने कहा, ओला में हम इलेक्ट्रिक वाहन देश के हर कोने तक पहुँचाने के लिए समर्पित हैं। ओला गिग और एस1 जेड का लॉन्च ईवी अपनाने में तेजी लेकर आएगा।

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के माध्यम से उत्तर प्रदेश के समावेशी विकास को गति दे रहा है फ्लिपकार्ट

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

मदरहब, ग्रॉसरी, लार्ज व नॉन-लार्ज और डिलीवरी हब समेत 65 से ज्यादा केंद्रों के माध्यम से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष तौर पर 7 लाख से ज्यादा रोजगार सृजित करते हुए फ्लिपकार्ट ने उत्तर प्रदेश में रोजगार एवं आर्थिक बदलाव को गति दी है। राज्य की सांस्कृतिक विरासत, विकास की राह पर बढ़ता एमएसएमई सेक्टर और उद्यमिता को लेकर यहां के उत्साह का लाभ लेते हुए फ्लिपकार्ट ने कंपनियों को डिजिटल-फर्स्ट इकोनॉमी में आगे बढ़ने में सक्षम बनाया है। जूट कारीगर गिल्ड एसोसिएशन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश की सचिव अंजलि सिंह ने कहा, 'हमारे संस्थान जूट फॉर लाइफ ने 2019 में फ्लिपकार्ट समर्थ से हाथ मिलाया था और तब से हमारे कारोबार में उल्लेखनीय बदलाव आया है। लगातार रोजगार के अवसर प्रदान करते हुए 5,000 से ज्यादा महिला कारीगरों के साथ हमने ग्रामीण महिलाओं को सशक्त किया है, जिससे उनके सपने पूरे हो रहे हैं। इस पहल को लेकर फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा, 'सरकार द्वारा अनुकूल कारोबारी माहौल बनाने और नवाचार को बढ़ावा देने पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने से उत्तर प्रदेश उद्यमशीलता के विकास और उद्यमों की सफलता के लिए अपार संभावनाएं प्रदान कर रहा है। वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश ई-कॉमर्स को अपनाने और विक्रेताओं के सशक्तीकरण के मामले में अग्रणी राज्यों में से एक बन गया है।

रॉयल एनफील्ड गोअन क्लासिक 350, सत्तर के दशक की गोवा मोटो-संस्कृति से प्रेरित एक मोटरसाइकिल

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

रॉयल एनफील्ड के लोकप्रिय 349 सीसी एयर-ऑयल कूल्ड, सिंगल-सिलिंडर इंजन द्वारा पावर्ड, गोअन क्लासिक एक आरामदायक और सहज राइड के साथ 'गुड वाइब्स ओनली' का अहसास प्रदान करती है। गोवा में मोटोवर्स में लॉन्च की गई यह मोटरसाइकिल चार शानदार सिंगल और डुअल-टोन्ड रंगों में उपलब्ध है, जिनकी कीमत क्रमशः 2,35,000/- रुपये और 2,38,000/- रुपये है। इसकी बुकिंग और टेस्ट राइड शुरू है। 70 और 80 के दशक की गोवा की अनोखी मोटो-संस्कृति से प्रेरित, रॉयल एनफील्ड ने गोअन क्लासिक 350 लॉन्च की है। यह बॉबर-स्टाइल मोटरसाइकिल आजादी, मस्ती और खुली सोच वाले लाइफस्टाइल की पहचान है। गोअन क्लासिक 350 सिर्फ एक बाइक नहीं, बल्कि खुद को अपने अंदाज में जताने का जरिया है। यह भारत की खास गोअन मोटो-संस्कृति से जुड़ी है, जिसने 70-80 के दशक में गोवा की आजाद और रंगीन लाइफस्टाइल को जन्म दिया। इसका दमदार फोर-स्ट्रोक इंजन और स्टाइलिश लुक इसे हर सफर के लिए परफेक्ट बनाते हैं। यह बाइक उन लोगों के लिए है जो हमेशा नई राहें खोजने और जिंदगी को अपने अंदाज में जीने की चाहत रखते हैं। हर कर्व और कंटूर के साथ, गोअन क्लासिक गोवा के कस्टम बिल्डर्स की स्ट्रिप्ड-डाउन और 'ट्रिप्ड-अप' क्रिएशन से प्रेरित है, जो बॉबर और गोवा की जिंदादिल लाइफस्टाइल के जोश का संगम है। चॉप्ड फेंडर्स, मिड-एप हैंडलबार्स, एर्गोनॉमिक रूप फिट की गई लो-स्लंग सीटें और रियर सिलहॉटे उन दिनों की याद दिलाती हैं जब राइडर्स अपनी मशीनों को केवल ज़रूरी चीज़ों तक सीमित कर देते थे और उनमें उनका व्यक्तित्व नजर आता था।

बारदाना की कमी से जूझ रहा किसान, ना पीने का पानी, ना सर ढ़कने के लिए छत

किसानों से लिया जा रहा है 300 से 400 ग्राम ज्यादा धान : इंद्र साव

पायनियर संवाददाता भाटापारा
www.dailypioneer.com

विधायक इन्द्र साव ने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न संग्रहण केंद्रों का निरीक्षण करने के पश्चात कहा कि खरीदी केंद्रों में किसानों से सुखत के नाम पर 300 से 400 ग्राम तक अतिरिक्त धान तौला जा रहा है, वहीं किसान बरदाने के लिए भटकते नजर आए। धान खरीदी केन्द्रों पर पीने के पानी ना कोई व्यवस्था है और ना किसानों के लिए बैठने या सर ढकने के लिए छत है। जिससे किसान वर्ग काफी नाखुश नजर आ रहे है। किसानों के सुख दुख की सदैव चिंता करने वाले क्षेत्र के विधायक इंद्र साव ने विधानसभा क्षेत्र के निपनिया, मोपका, धनेली, एवं बिटकुली धान संग्रहण केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान लगभग सभी संग्रहण केन्द्र में किसानों को किसी भी प्रकार की सुविधा ना देकर अन्नदाता किसानों के हितों की अनदेखी की जा रही है। ना तो पेयजल की व्यवस्था है और न किसानों के बैठने की व्यवस्था है। किसानों से सुखत के नाम पर 300 से 400 ग्राम अधिक तौल किए जाने पर विधायक साव ने अपनी नाराजगी जताते हुए सही नाप-तौल करवाने तथा बारदाना की कमी को दूर करने प्रबंधक एवं प्रभारी को निर्देश दिये हैं। विधायक इंद्र साव ने बताया कि राज्य सरकार बारदाना की कही कोई कमी नहीं बोल कर किसानों को सिर्फ गुमराह कर रही है आज किसान वारदाना के लिए इधर-उधर भटक रहे है। बाजार से 30 रु. में कटा-फटा बारदाना लेने मजबूर है। सरकार द्वारा एकमुश्त 3100 रू. में धान खरीदी का पोस्टर लगा कर 2300 दिया जा रहा है। अंतर की राशि का भुगतान कब होगा इसकी जानकारी किसानों को देनें के लिए कोई भी अधिकारी जवाबदारी लेने को तैयार नहीं है। क्षेत्र के कई संग्रहण केंद्रों में हमालो की कमी होने के कारण किसान को अपना धान बेचने के लिए हमाली का काम भी करने मजबूर होना पड़ रहा है। शिकायत करने पर किसानों की सहमति की बात कही जा रही है और किसानों से सहमति पत्र में हस्ताक्षर लिया जा रहा है कि हम 200 ग्राम या 300 ग्राम ज्यादा धान देंगे । वही उससे ज्यादा धान तौलने की बात प्रबंधक से पूछने पर हमें ऊपर से आदेश है कहा जा रहा है,ये ऊपर से किसका आदेश है,कोई बताने को तैयार नहीं है,जिससे क्षेत्र के किसान अपने को ठगा सा महसूस कर रहे है। उक्त मौके पर विधायक प्रतिनिधि जीतू ठाकुर, कुलेश्वर वर्मा, राजकुमार घृतलहरे, कामता रावत, निलकुमार वर्मा, योगेश पाल, श्रीराम निषाद, धजाराम साहू गुडाघाट, राजकुमार, धृतलहरे मोपका, भुनेश्वर साहू, खुमेश साहू, बसंत मानिकपुरी खपरी चिरंजीवी वर्मा, कुंदन वर्मा दिलहरण वर्मा, हरबंश डेहरी, घनश्याम डेहरी, बिहारी नेमदास मिरि, प्रदीप कोशले, मालिकराम वर्मा, शत्रुहन ध्रुव, सेन निपानिया चेतन निषाद, छत्रपाल ध्रुव, दुलेश साहू, कोमल साहू पासीद विनोद श्रीवास्तव धनेली सहित किसान और ग्रामीणजन उपस्थित थे।

पिंक सिटी में हुई पिंक बॉल वाले वर्ल्ड टेनिस बॉल प्रीमियर लीग टी10 की लॉन्चिंग

पायनियर संवाददाता रायपुर
www.dailypioneer.com

टेनिस बॉल क्रिकेट के नए युग की शुरुआत करते हुए विश्व टेनिस बॉल प्रीमियर लीग (डब्ल्यूटीपीएल) टी10 को आधिकारिक तौर पर जयपुर मैरियट होटल में एक भव्य कार्यक्रम के दौरान लॉन्च किया गया। 60 बॉल वाले इस टूर्नामेंट में 10 टीमें एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा करती नजर आएंगी। डब्ल्यूटीपीएल का मुख्य उद्देश्य टेनिस बॉल क्रिकेट में क्रांति लाने के साथ ही 60 शहरों में ट्रायल के माध्यम से देश भर में शीर्ष प्रतिभाओं की खोज करना है। डब्ल्यूटीपीएल लॉन्च इवेंट में संजय नाइक (उपाध्यक्ष, मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन), आकाश चोपड़ा (पूर्व क्रिकेटर और प्रसिद्ध कमेंटेटर), निखिल चोपड़ा (पूर्व क्रिकेटर और प्रसिद्ध कमेंटेटर), पूर्व भारतीय क्रिकेटर परविंदर अवाना, अनिल चौधरी (अंतर्राष्ट्रीय अंपायर और प्रसिद्ध कमेंटेटर), और जयवीर शाह (आयुक्त, सौराष्ट्र प्रीमियर लीग) जैसे कई दिग्गज उपस्थित रहे। डब्ल्यूटीपीएल टी10 की स्थापना टेनिस बाल क्रिकेट को एक नए नजरिए से देखने वाले एक प्रतिष्ठित उद्यमी गौरव सचदेवा, दवा, रियल एस्टेट और निर्यात में 18 वर्षों से अधिक की विशेषज्ञता रखने वाले वाले उद्यमी रोहित बावरी व क्रिकेट में 25 वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाले प्रथम श्रेणी क्रिकेटर रॉबिन चौधरी ने मिलकर की है। लीग के बारे में बोलते हुए संस्थापक गौरव सचदेवा ने कहा कि, हमारा लक्ष्य एक ऐसा मंच तैयार करना है जहां युवा क्रिकेट प्रतिभाओं को वो पहचान मिल सके जिसके वो हकदार हैं। डब्ल्यूटीपीएल टी10 सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि सभी क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक उत्सव की तरह होने वाला है। कार्यक्रम में दौरान लीग का टीजर भी लॉन्च किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए डब्ल्यूटीपीएल के संस्थापक रोहित बावरी ने कहा कि, यह मंच सिर्फ क्रिकेट के बारे में नहीं है, बल्कि युवा खिलाड़ियों के लिए खुद की प्रतिभा दिखाने का एक अवसर भी है। क्रिकेट चाहे किसी भी स्तर का हो, लेकिन गुलाबी गेंद से खेलना हमेशा रोमांचकारी होता है। यहां भी युवा खिलाड़ियों के लिए यह बड़े मंच की नींव की तरह काम करेगा। मैदान पर लोगों को अपनी कमेंट्री का कायल बना देने वाले आकाश चोपड़ा ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा, टेनिस बॉल क्रिकेट में ऐसे सुपरस्टार मौजूद हैं जो आपको आश्चर्यचकित कर देते हैं। उनमें प्रतिभा का ऐसा भंडार है कि यदि आप उन बच्चों को पेशेवर क्रिकेटरों के सामने मूल क्रिकेट गेंद से भी खिलाएं तो वे उन्हें भी हराने का दम खम रखते हैं। क्रिकेट का विकास होना चाहिए और टेनिस बॉल क्रिकेट हर किसी को अवसर प्रदान करता है।

राज्यपाल ने की समीक्षा : नशामुक्ति, भिक्षावृत्ति उन्मूलन और विशेष पिछड़ी जनजातियों के सशक्तिकरण पर विशेष जोर

समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की अपील

पायनियर संवाददाता ∢ कवर्धा
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने कबीरधाम जिले के कवर्धा जिला कार्यालय के सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने नशामुक्ति अभियान, भिक्षावृत्ति उन्मूलन और विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति के जीवनस्तर में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही विकास के लक्ष्यों को पूरा किया जा सकता है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में आदिमजाति विकास विभाग के सचिव सोनमणी बोरा, राज्यपाल के अवर सचिव अर्चना पांडेय, एडीसी सुनील शर्मा, कलेक्टर गोपाल वर्मा, पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह छवई, वनमंडलाधिकारी शशि कुमार और जिला पंचायत सीईओ अजय त्रिपाठी सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। राज्यपाल ने बैठक में जिले में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा- आदिवासी के शैक्षणिक, आर्थिक, समाजिक विकास के साथ उन्हें रोजागर के अवसरों प्रदान करने के लिए कहा। उन्होंने युवाओं के लिए कौशल विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठनों के अनुभव का उपयोग करते हुए बैगा युवाओं को शिक्षा, प्रशिक्षण और स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जा सकते हैं। उन्होंने बैगा युवाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने और उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने की प्रक्रिया को प्राथमिकता देने को कहा।

गंभीर बीमारियों से राहत के लिए समन्वित प्रयास हो

राज्यपाल डेका ने टीबी (क्षयरोग) और सिकल सेल जैसी गंभीर बीमारियों के उन्मूलन के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मेडिकल यूनिट की व्यवस्था, व्यापक सर्वेक्षण और जागरूकता अभियान के माध्यम से इन बीमारियों से प्रभावित क्षेत्रों में सुधार किया जा सकता है। उन्होंने मरीजों को समय पर जांच, दवाइयों की उपलब्धता और पोषण सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

नशामुक्ति और भिक्षावृत्ति उन्मूलन के लिए ठोस कदम

राज्यपाल डेका ने नशे के दुष्प्रभावों से समाज को बचाने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने और युवाओं को शिक्षा, रोजगार तथा खेलकूद से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने भिक्षावृत्ति के उन्मूलन के लिए पुनर्वास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और भिक्षुकों को समाज की मुख्यधारा में लाने की अपील की।

स्व सहायता समूहों को सशक्त करने पर जोर

राज्यपाल ने स्व सहायता समूहों को स्टार्टअप योजनाओं से जोड़ने और उनके सदस्यों को व्यवसायिक प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता तथा विपणन सुविधाएं प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन समूहों को उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सकता है।

नशे के विरूद्ध अभियान, शैक्षणिक संस्थानों के करीब में नशे की सामाग्री व्यापार करने वालों पर कार्रवाई

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर शैक्षणिक संस्थानों के करीब में नशे की सामाग्री का व्यापार करने वालों पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। नगर निगम की टीम ने लगभग दो कार्टून सिगरेट, 5 बोरी गुटखा और एक बॉक्स गुडाखू जब्त किया है। कलेक्टर डॉ. सिंह के निर्देश पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा पर जोन 10 के अमलीडीह मुख्य मार्ग में स्कूल के समीप की दुकानों 9 दुकानों, पान ठेलों का प्राप्त जनशिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने प्रत्यक्ष अवलोकन किया। स्थल पर प्राप्त जनशिकायत सही मिली. जोन कमिश्नर के निर्देश पर विभिन्न दुकानों के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान दुकानदारों से लगभग 2 कार्टून सिगरेट, लगभग 5 बोरी गुटखा, लगभग 1 बॉक्स गुडाखू तत्काल जब्त करने की कार्यवाही सम्बंधित दुकानदारों को भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए की गयी एवं प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया गया। अमलीडीह मुख्य मार्ग में स्कूल के पास संचालित 9 किराना दुकान एवं पान ठेलों में गुटका जर्दा सिगरेट बेचने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई की गई है। जिसमें विभिन्न दुकानदारों दुकानों का निरीक्षण कर 2 कार्टून सिगरेट 5 बोरी गुटका 1 बॉक्स गुड़ाखू जब्त किया गया है। सनडोंगरी वार्ड, फुंडहर चौक स्थित स्कूल, फूल चौक इत्यादि स्थानों पर आज कार्रवाई की गई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर तिलहन फसलों के बीज उत्पादन पर अनुदान राशि प्रति क्विंटल 1000 रुपए से बढ़ाकर 1500 रुपए करने की स्वीकृति

तिलहन फसलों को मिलेगा बढ़ावा : तिलहन उत्पादक कृषकों को मिलेगा लाभ

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

कृषक समग्र विकास योजना के तहत अक्ती बीज संवर्धन योजना के अंतर्गत तिलहन फसलों के बीज उत्पादन एवं वितरण पर अनुदान में वृद्धि के प्रस्ताव को वित्त विभाग ने मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर तिलहनी फसलों के लिए बीज उत्पादन और वितरण अनुदान को प्रति क्विंटल 1000 रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये करने की स्वीकृति दी गई है। इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने से विशेष रूप से तिलहन उत्पादक किसानों को लाभ होगा। उल्लेखनीय है कि अक्ती बीज संवर्धन योजना की शुरुआत से अब तक बीज उत्पादन और वितरण अनुदान में कोई वृद्धि नहीं की गई थी। अब तिलहन फसलों के बीज उत्पादन एवं वितरण पर प्रति क्विंटल 500 रुपये का अतिरिक्त अनुदान मिलेगा, जो किसानों को बीज की गुणवत्ता सुधारने और उत्पादन में वृद्धि करने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की इस पहल का उद्देश्य किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के साथ-साथ तिलहन फसलों की खेती को बढ़ावा है। इस वृद्धि से किसान तिलहन फसलों की कृषि के लिए प्रोत्साहित होंगे और तिलहन की अधिक उपज सुनिश्चित करने के लिए बेहतर बीज का भी इस्तेमाल करेंगे। इस पहल से तिलहन फसलों की उत्पादकता बढ़ने के साथ ही किसानों की आय में भी बढ़ोतरी होगी।

विष्णु के सुशासन का असर, पीएम आवास की दूसरी किश्त का हुआ भुगतान

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में अब एक फोन से समस्या का निराकरण हो रहा है। आरंग के गुखेरा गांव के निवासी राम स्नेही देंवागन ने प्रधानमंत्री आवास की दूसरी किश्त नहीं मिलने को लेकर शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि उनको पहली किश्त तो मिल गई है, लेकिन समय अवधि पूरा होने के बाद भी दूसरी किश्त में मिलने में वाली राशि का भुगतान नहीं हो रहा है। जिसके बाद उन्होंने कलेक्टोरेट के जन समस्या निवारण कॉल सेंटर में फोन किया। जहां से संबंधित विभाग को मामले की जानकारी दी गई। जिसके बाद संबंधित विभाग को प्रकरण की जानकारी दी गई। जिसके बाद तत्काल पीएम आवास योजना की दूसरी किश्त की राशि जारी कर दी गई। जिसकी जानकारी देवांगन को दी गई। जिसके बाद उन्होनें प्रसन्न्ता जाहिर की साथ ही मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

अस्थिबाधित दिव्यांगजनों के लिए प्लेसमेंट कैंप 3 दिसंबर को

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर 3 दिसंबर को दिव्यांगजनो के लिए प्लेसमेंट कैंप को आयोजन किया जाएगा। इस प्लेसमेंट कैम्प में नया रायपुर में कार्यरत अंतर्राष्ट्रीय बीपीओ कंपनी स्क्वेयर बिजनेस सर्विस लिमिटेड द्वारा कस्टमर सर्पोर्ट एक्जीक्यूटिव के कुल 50 पदों पर भर्ती की जाएगी। इस प्लेसमेंट में अस्थिबाधित दिव्यांगजन 3 दिसंबर को सुबह 11 बजे से 3 बजे तक विशेष रोजगार कार्यालय, पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर सिविल लाइन्स रायपुर में उपस्थित हो सकते हैं। इन पदों के लिए अभ्यर्थी समस्त दस्तावेजों 12वी उत्तीर्ण अंकसूची, स्नातक या स्नातकोत्तर अंकसूची, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र, रोजगार पंजीयन प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड आदि के फोटोकॉपी की एक प्रति एवं दो पासपोर्ट साइज के फोटो के साथ कैम्प में उपस्थित हो सकते हैं। इस प्लेसमेंट कैम्प में छत्तीसगढ़ राज्य के 18 से 40 वर्ष के कम से कम 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी तथा हिन्दी या अंग्रेजी भाषा में प्रभावी संचार कुशलता एवं कम्प्यूटर का प्रारंभिक ज्ञान रखने वाले अस्थिबाधित दिव्यांगजन शामिल हो सकते हैं। इन पदों के लिए 10500 से 15000 रूपये प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। इन पदों का कार्यस्थल सीबीडी नया रायपुर होगा। इन पदों के चयन में अनुभवी को प्राथमिकता दी जायेगी। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए कार्यालयीन समय पर दूरभाष नंबर 0771-4044081 पर संपर्क किया जा सकता है।

गांजा के साथ दो अंतर्राज्यीय तस्कर को किया गया गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

रायपुर पुलिस की एंटी क्राइम और साइबर यूनिट ने थाना न्यू राजेन्द्र नगर क्षेत्रांतर्गत रिंग रोड नंबर 01 के केनाल रोड फ्लाई ओवर के नीचे गांजा तस्करी करते हुए दो अंतर्राज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से कुल 15 किलो 860 ग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 1,50,000 है। रायपुर पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे निजात अभियान के तहत यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर की गई। नारकोटिक्स एक्ट के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए गठित विशेष टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर यह ऑपरेशन चलाया। 27 नवंबर को सूचना मिली कि दो संदिग्ध व्यक्ति अपने बैग में गांजा लेकर रिंग रोड नंबर 01 के केनाल रोड फ्लाई ओवर के नीचे खड़े हैं और कहीं जाने की तैयारी में हैं। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा थाना न्यू राजेन्द्र नगर की संयुक्त टीम का गठन किया। बताए गए हुलिए के आधार पर आरोपियों को चिन्हित कर पकड़ा गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम मोहम्मद उमर इदरीशी और आदिल शेख बताए। तलाशी में उनके बैग से 15 किलो 860 ग्राम गांजा बरामद हुआ। थाना न्यू राजेन्द्र नगर में अपराध क्रमांक 437/24 के तहत धारा 20बी नारकोटिक एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर लिया गया है। रायपुर पुलिस ने स्पष्ट किया कि नशे के खिलाफ अभियान निजात के तहत इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कॉलेज की जमीन बिल्डर को सौंपने का एनएसयूआई ने जताया विरोध, सौंपा ज्ञापन

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

अमलीडीह गांव में सरकारी कॉलेज के लिए आवंटित 9 एकड़ जमीन को एक निजी बिल्डर, रामा बिल्डर, को दिए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। यह जमीन लगभग 3.203 हेक्टेयर में फैली हुई थी और इसे सरकारी कॉलेज के निर्माण के लिए आरक्षित किया गया था। लेकिन हाल ही में इस जमीन को निजी बिल्डर को दिए जाने की खबर सामने आई है, जिससे छात्रों और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया है। इसके विरोध में एनएसयूआई ने प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय के नेतृत्व में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इस मामले में प्रशासन पर गलत तरीके अपनाने और निजी हितों को बढ़ावा देने का आरोप लग रहा है। इस कदम का एनएसयूआई ने कड़ा विरोध किया है। एनएसयूआई ने प्रशासन से मांग की है कि इस जमीन को तत्काल सरकारी कॉलेज के लिए वापस लिया जाए और दोषी अधिकारियों व बिल्डर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि इस पर उचित कदम नहीं उठाए गए, तो छात्र संगठन बड़े पैमाने पर आंदोलन करेगा। यह मुद्दा अब सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग और प्रशासनिक लापरवाही का बड़ा उदाहरण बनकर उभर रहा है। स्थानीय लोग और छात्र संगठन इस मामले में पारदर्शिता और न्याय की मांग कर रहे हैं।

गृह मंत्री बढ़ते अपराधों से ध्यान हटाने घुसपैठियों का राग अलाप रहे है : दीपक बैज

देश के हृदय स्थल छत्तीसगढ़ में घुसपैठियों का आना केंद्र सरकार की विफलता मोदी-शाह इस्तीफा दे

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्य में घुसपैठियों के बसने के गृह मंत्री विजय शर्मा के बयान पर सवाल खड़ा करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राज्य की कानून व्यवस्था को संभाल नहीं पा रहे गृह मंत्री बढ़ते अपराधों से जनता का ध्यान हटाने घुसपैठियों का नया राग अलाप रहे है। प्रदेश में एक साल से भाजपा की सरकार है विजय शर्मा गृह मंत्री है, कितने घुसपैठियों की पहचान उनकी सरकार ने किया है? उनके खिलाफ क्या कार्यवाही किया गया है? उसकी सूची को राज्य सरकार सार्वजनिक करे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि यदि देश में 11 साल से नरेन्द्र मोदी की सरकार है। यदि भारत के हृदय स्थल छत्तीसगढ़ तक विदेशी घुसपैठिये पहुंच गये है जैसा कि छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री दावा कर रहे है इसका मतलब मोदी सरकार भारत में विदेशी घुसपैठियों को रोक पाने में विफल साबित हुई है। इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तत्काल इस्तीफा दे। भारत में घुसपैठियों के प्रवेश की बात उनकी ही राज्य सरकार के जिम्मेदार मंत्री स्वीकार कर रहे है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि गृह मंत्री राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर बात क्यों नहीं करते? राजधानी में लगातार हो रही हत्याओं, बलात्कार, लूट, चोरी, चाकूबाजी की घटनाओं पर बयान क्यों नहीं देते है? रायपुर शहर में नवंबर माह में 23 से अधिक हत्याएं हुई है। प्रदेश का हर नागरिक डरा हुआ है। महिलायें असुरक्षित है। बलात्कार, सामूहिक बलात्कार की घटनाएं बढ़ गयी है। एक ही दिन में राजधानी के विधानसभा के पास आमासिवनी में शराब दुकान के सामने दो-दो हत्याये हुई, पुरानी बस्ती थाने के चंद कदमों की दूरी पर पेट्रोल डालकर एक युवक को जिंदा जला दिया गया, तेलीबांधा में गवाह को धमकाने अपराधियों ने हमला कर दिया, दिनदहाड़े गोलियां चल रही है, गैंगवार हो रहे हैं। राजधानी रायपुर में चला हत्याओं का गोलीबारी का खौफनाक मंजर पूरे प्रदेश में फैल चुका है। आम आदमी अपने आपको भयभीत महसूस कर रहा है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर अपराध का गढ़ बन गया है। सरकार की लापरवाही और पुलिस की नाकामी का परिणाम है कि छत्तीसगढ़ में कोई भी सुरक्षित नहीं है। प्रदेश में जब से भाजपा की सरकार बनी है राजधानी में सरेआम गोलीबारी की पांचवी घटना हुई है। सरकार की नाकामी और पुलिस की लापरवाही का परिणाम है कि प्रदेश की राजधानी असुरक्षित हो चुकी है। गृह मंत्री जनता का ध्यान भटकाने की राजनीति कर रहे है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी*
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2024-26, दूरभाष नंबर 0771-2972403